मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	37.3	22.2
जमशेदपुर	38.6	21.0
डालटनगंज	38.8	18.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● गुरुवार 28 मार्च 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 03 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 338 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

देश बेरोजगारी के 'टाइम बम' पर बैठा है: कांग्रेस

भाषा। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट (आईएचडी) की भारत में रोजगार की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि देश बेरोजगारी के 'टाइम बम' पर बैठा है और युवा यह समझ चुके हैं कि मोदी सरकार रोजगार नहीं दे सकती. पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा व जयराम रमेश और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने इस रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि कांग्रेस के पास रोजगार को लेकर ठोस योजना है. खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, हमारे युवा मोदी सरकार की दयनीय उदासीनता का खामियाजा भुगत रहे हैं, क्योंकि लगातार बढ़ती बेरोजगारी ने उनका भविष्य बर्बाद कर दिया है. उनके मुताबिक, आईएलओ और आईएचडी की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में बेरोजगारी की समस्या गंभीर है. उन्होंने दावा किया, हम बेरोजगारी के 'टाइम बम' पर बैठे हैं, लेकिन मोदी सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार यह कहकर प्रिय नेता का बचाव करते हैं कि सरकार बेरोजगारी जैसी सभी सामाजिक, आर्थिक समस्याओं का समाधान नहीं कर सकती. खरगे ने दावा किया, मोदी जी ने 10 साल में 20 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन युवाओं से 12 करोड़ से ज्यादा नौकरियां छीन लीं. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत के कुल कार्यबल में जितने बेरोजगार हैं, उनमें 83 प्रतिशत युवा हैं.

युवाओं से 12 करोड़ से ज्यादा नौकरियां छीन लीं

- 2012 की तुलना में मोदी सरकार में युवा बेरोजगारी तीन गुना हो गई
- कांग्रेस पार्टी इस बार 'युवा न्याय' लेकर आई है

चुनावी समर 2024

गरीबों से लूटा गया धन उनको लौटाएंगे : मोदी

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में गरीबों से लूटा गया और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कुर्क किया गया धन उन्हें वापस मिले. भाजपा नेताओं ने बताया कि पीएम मोदी ने बुधवार को कृष्णानगर लोकसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा के खिलाफ भाजपा उम्मीदवार और पूर्ववर्ती राजघराने की सदस्य अमृता रॉय के साथ टेलीफोन पर बातचीत में यह बात कही. भाजपा के एक नेता ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने राजमाता अमृता रॉय से कहा कि भ्रष्टाचारियों ने आम जनता का पैसा लूटा है और ईडी ने उन भ्रष्टाचारियों से जो भी संपत्ति और धन जब्त किया है, उसे गरीब जनता को वापस दिया जाये. यह सुनिश्चित करने के लिए वह कानूनी विकल्प तलाश रहे हैं. भाजपा नेताओं ने कहा कि मोदी ने कहा कि एक तरफ भाजपा देश से भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध है तो दूसरी तरफ सारे भ्रष्ट एक दूसरे को बचाने के लिए एक साथ आ गये हैं.

उन्होंने विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल में जनता परिवर्तन के लिए मतदान करेगी. राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस नेताओं का कथित भ्रष्टाचार भाजपा के मुख्य मुद्दों में से एक है. पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी सहित कुछ नेताओं की गिरफ्तारी और बड़ी मात्रा में धन और अन्य संपत्ति की बरामदगी को लेकर भाजपा पिछले कुछ समय से तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हमलावर रही है. भाजपा ने 2019 में राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत हासिल की थी. इस बार वह इससे बेहतर प्रदर्शन की कोशिश कर रही है.

काले धन पर पीएम नरेंद्र मोदी ने निशाना साधा

- भ्रष्टाचारियों ने आम जनता के विकास का पैसा लूटा है
- सारे भ्रष्टाचारी एक-दूसरे को बचाने के लिए एक साथ आ गए हैं

सर्राफा

सोना (बिक्री)	62500
चांदी (किलो)	78000

ब्रीफ खबरें

ईडी ने महुआ, कारोबारी दर्शन को तलब किया

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम (फेमा) उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा और कारोबारी दर्शन हीरानंदानी को नया समन जारी कर 28 मार्च को तलब किया है. आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी. तृणमूल नेता को इससे पहले भी केंद्रीय एजेंसी ने पूछताछ के लिए बुलाया था. मोइत्रा को 'रिश्वत लेकर सवाल पूछने' के मामले में दिसंबर में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था.

जालंधर से आप सांसद व विधायक भाजपा में

नयी दिल्ली। पंजाब के जालंधर से आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद सुशील कुमार रिंकू और जालंधर पश्चिम के विधायक शीतल अंगुराल बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए. पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, पार्टी महासचिव विनोद तावड़े और पार्टी की पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ की मौजूदगी में दोनों नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की.

केरल के सीएम की बेटी पर ईडी ने केस दर्ज किया

कोच्चि। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीणा विजयन, उनके स्वामित्व वाली आईटी कंपनी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया है. यह मामला एक निजी खनिज फर्म द्वारा वीणा और उनकी कंपनी को किए गए कथित अवैध भुगतान से संबंधित है. आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया है और इसमें शामिल लोगों को तलब किए जाने की संभावना है.

छत्तीसगढ़ के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और नितिन गडकरी समेत 40 नेताओं को शामिल किया गया है. भाजपा की छत्तीसगढ़ इकाई ने स्टार प्रचारकों की सूची साझा की है, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम भी शामिल हैं.

आईपीएल-17

आज का मैच

राजस्थान रॉयल्स बनाम दिल्ली कैपिटल, स्थान : जयपुर, समय : 7:30 बजे से

राज्य बैंकर्स समिति ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के आंकड़े जारी किए

सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग में वृद्धि दर में 18% उछाल

उद्योगों का विस्तार

रवि भारती। रांची

झारखंड में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों का विस्तार हुआ है. इस सेक्टर में वार्षिक वृद्धि (वित्तीय वर्ष 2023-24) दर 18 फीसदी दर्ज की गई है. राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के आंकड़ों के अनुसार, इस सेक्टर में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 40 फीसदी तक राशि लगाई गई है. वहीं कृषि क्षेत्र में वार्षिक वृद्धि दर 17 फीसदी आंकी गई है. इस क्षेत्र में 13 % राशि लगाई गई है.

गैर प्राथमिक क्षेत्र में 14 प्रतिशत की वृद्धि

प्राथमिक क्षेत्र में वार्षिक वृद्धि दर 15 प्रतिशत रही है. इस क्षेत्र के विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में 55 प्रतिशत राशि लगाई गई है. वहीं गैर प्राथमिक क्षेत्र में वार्षिक वृद्धि दर 14 प्रतिशत रही है. वहीं अन्य प्राथमिक क्षेत्र में वार्षिक वृद्धि दर सिर्फ चार प्रतिशत रही . अब तक कृषि क्षेत्र में 6,824 करोड़ रुपये, एमएसएमई में 21,662 करोड़, अन्य प्राथमिक क्षेत्र में 1,272 करोड़, प्राथमिक क्षेत्र में 29758 करोड़ और गैर प्राथमिक क्षेत्र में 24,614 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं.

कारगर साबित हो रही है इंडस्ट्रियल पॉलिसी

झारखंड की इंडस्ट्रियल पॉलिसी एमएसएमई के लिए कारगर साबित हो रही है.अब तक प्रोत्साहन राशि के रूप में लगभग 180 करोड़ रुपये दिये जा चुके हैं. उद्योग विभाग ने झारखंड इंडस्ट्रियल इंवेस्टमेंट एंड प्रमोशन पॉलिसी के तहत कांप्रेहेंसिव प्रोजेक्ट इंवेस्टमेंट सब्सिडी भी दे रही है.

» कृषि में 17 प्रतिशत ही वार्षिक वृद्धि दर

» प्राथमिक क्षेत्र में भी 15 % का उछाल

साल दर साल किस क्षेत्र में कितनी प्रतिशत राशि खर्च

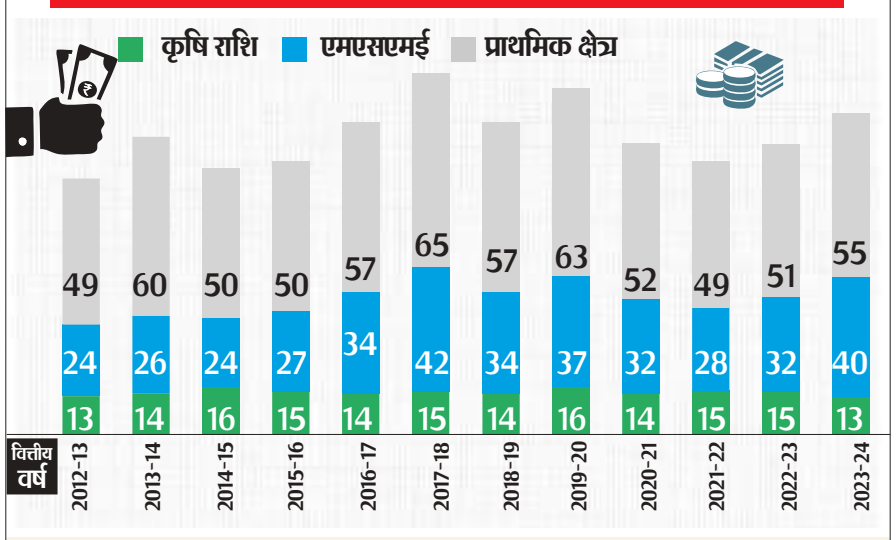

उद्योग विभाग से 120 प्रस्तावों को मिल चुकी है मंजूरी

झारखंड में उद्योगों का दायरा लगातार बढ़ रहा है. वर्तमान में उद्योग विभाग ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में उद्योगों की स्थापना के लिए 120 प्रस्तावों को मंजूरी दी है. इनमें से 2500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश होने की संभावना है. वहीं प्रदेश में इस वित्तीय वर्ष में विभिन्न उत्पादों की 60 फैक्ट्रियां लग चुकी हैं, जिनमें 1825 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है. झारखंड में स्टील प्रोसेसिंग की तीन यूनिट और सीमेंट की तीन फैक्ट्रियां लगाई जाएंगी. इथनॉल की भी एक फैक्ट्री लगाई जाएगी. झारखंड में उर्वरक की भी दो फैक्ट्री लगाई जाएगी. पेपर इंडस्ट्रीज की तीन यूनिट भी स्थापित की जाएंगी. फेब्रिकेशन की 13 इंडस्ट्रीज स्थापित की जाएंगी, फूड सेक्टर में 31 फैक्ट्रियां लगेंगी, फीड सेक्टर में छह इंडस्ट्रीज स्थापित की जाएंगी.

लोकसभा चुनाव : सीईसी की बैठक में प्रत्याशियों के नाम पर मंथन

घोषणा को लेकर अभी और विलंब

चुनावी मंथन

- राज्य व देशहित में जनता की आवाज सुनकर ही कोई फैसला लेना चाहिए

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक बुधवार को देर शाम दिल्ली में संपन्न हो गयी. इसमें विभिन्न राज्यों के समेत झारखंड की सीट को लेकर भी प्रत्याशियों पर मंथन हुआ. बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर के बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि अभी घोषणा नहीं होगी और एक से दिनों की देरी हो सकती है. उन्होंने कहा कि प्रत्याशियों पर चर्चा हुई. हम बहुत जल्द अपने गठबंधन दलों के साथ चर्चा और विमर्श के बाद सीट और प्रत्याशियों की घोषणा चरणबद्ध तरीके से करेंगे. क्योंकि झारखंड में चुनाव चौथे चरण से शुरू हो रहा है. इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केंद्रीय संसदीय बोर्ड चेयरपर्सन सोनिया गांधी,महासचिव (संगठन) केसी वेणु गोपाल, झारखंड के प्रभारी गुलाम अहमद मीर, राजेश ठाकुर , आलम गीर आलम उपस्थित थे.

झामुमो ने कांग्रेस को दी सलाह

सीट नहीं जीत की गारंटी होनी चाहिए

विशेष संवाददाता। रांची

लोहरदगा सीट अब इंडिया गठबंधन के दो दल कांग्रेस और झामुमो के बीच तल्खी बनी हुई है. दोनों ही दल लोहरदगा सीट पर अपने-अपने हिसाब से दावा कर रहे हैं. बुधवार को झामुमो ने कांग्रेस को दो टूक सुझाव

दिये हुए कहा कि सीट नहीं जीत की गारंटी होनी च ाहिए . झामुमो ने झारखंड में हमेशा से ही बड़ा दल होने के नाते बड़ा दिल दिखाया है. राजद का एक विधायक जीतने के बाद भी हमने मंत्री बनाया. ये बातें झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान कही.

तकनीकी रूप से सीट बंटवारा नहीं हुआ है : उन्होंने कहा कि अभी तकनीकी रूप से इंडिया गठबंधन में सीटों का बंटवारा पूरी तरह नहीं हुआ है. 7:5:1:1 का फॉर्मूला कौन चला रहा है, यह पता नहीं है. ऐसा नहीं होता है. मिलकर बातें होती हैं. एक-एक सीट पर बात होनी चाहिए.

ग्राउंड रियलिटी को देखते हुए फैसला होना चाहिए

श्री भट्टाचार्य ने कहा कि सीटों का बंटवारा व प्रत्याशियों पर गठबंधन में फैसला ग्राउंड रियलिटी को देखकर होनी चाहिए. इन भावनों से गठबंधन दलों को अवगत कराया दिया गया है. लोहरदगा के मामले में उन्होंने कहा कि लोहरदगा में झामुमो के ज्यादा विधायक है. तीन हमारे हैं दो कांग्रेस के हैं. गुमला का संपूर्ण जिले के निर्वाचित प्रतिनिधि हमारे पास हैं. वहां झामुमो सहयोगी दलों से ज्यादा मजबूत है. उन्होंने कहा कि कोई भी फैसला लें तो यह नहीं होना चाहिए कि महागठबंधन में व्यवधान पैदा करें. कांग्रेस खूंटी और लोहरदगा पर दावा कर रहा है. जबकि खूंटी को भी ले, तो तमाड़ व खरसावां में हमारे विधायक हैं.

सुप्रिया और दिलीप को ईसी का नोटिस

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और भाजपा सांसद दिलीप घोष को नोटिस जारी किया है. चुनाव आयोग ने बुधवार को दिलीप घोष को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आपत्तिजनक और सुप्रिया श्रीनेत को भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार कंगना रणौत के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है. ईसी ने कहा कि उनकी टिप्पणियां अशोभनीय थीं. प्रथम दृष्टया, दोनों टिप्पणियां आदर्श आचार संहिता और चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों को गरिमा बनाए रखने की सलाह का उल्लंघन थीं. दोनों को 29 मार्च शाम तक नोटिस का जवाब देने को कहा गया है.

नामांकन के आखिरी दिन सपा में रहा संशय

रामपुर/मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश की रामपुर और मुरादाबाद लोकसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी (सपा) के अधिकृत उम्मीदवार को लेकर बुधवार को दिनभर भ्रम की स्थिति बनी रही. हालांकि पार्टी नेतृत्व ने बाद में मुरादाबाद से मौजूदा सांसद एस टी हसन का टिकट काटकर रुचि वीरा को और रामपुर से मुहिबउल्ला नदवी को अपना उम्मीदवार घोषित किया. नामांकन के आखिरी दिन रामपुर सीट से दो उम्मीदवारों और मुरादाबाद से रुचि वीरा ने सपा के दूसरे उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया. इस तरह दोनों ही सीटों पर खुद को सपा प्रत्याशी बताकर दो-दो उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने से दिनभर उहापोह की स्थिति रही.

सुनीता ने दिया अरविंद केजरीवाल का संदेश , कहा

आज कोर्ट में करेंगे बड़ा खुलासा

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का दिल्ली और देशवासियों के लिए संदेश लेकर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल बुधवार को एक बार फिर सामने आईं. अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि वह 28 मार्च को अदालत में सब कुछ बताएंगे. वह बताएंगे कि शराब घोटाले का पैसा कहां है, वह सबूत भी देंगे.

सुनीता ने बताया कि कैसे ईडी की कस्टडी में होने के बावजूद सीएम केजरीवाल दिल्लीवासियों के लिए फिक्रमंद हैं. सुनीता केजरीवाल ने कहा कि सीएम ने संदेश भेजा है कि मेरा शरीर जेल में है, लेकिन आत्मा आप सबके बीच है. आंखें बंद करो, मुझे अपने आस-पास महसूस करोगे.

हमारे घर से सिर्फ 73 हजार रुपये मिले

सुनीता केजरीवाल ने आगे कहा–मैं कल जेल में उनसे मिली, उन्हें डायबिटीज है और शुगर लेवल बिगड़ा हुआ है लेकिन वह जमे हुए हैं अपने संकल्प के साथ. सुनीता केजरीवाल ने कहा कि ईडी को हमारे घर से सिर्फ 73 हजार रुपये मिल सके हैं.

सीएम केजरीवाल को हाईकोर्ट से राहत नहीं

नयी दिल्ली। दिल्ली के कथित शराब घोटाला केस को लेकर जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बुधवार को भी राहत नहीं मिली. दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम रिहाई की मांग वाली याचिका पर फौरन आदेश से मना कर दिया. अदालत ने कहा कि बिना विस्तार से सुनवाई के आदेश नहीं दिया जा सकता है. ईडी का जवाब देखना भी जरूरी है. अदालत ने इस दौरान यह भी कहा कि दिल्ली सीएम से हिरासत में पूछताछ के दौरान क्या ईडी को कोई अतिरिक्त जानकारी या फिर सबूत मिले हैं? केजरीवाल की रिहाई पर कोई आदेश देते समय यह भी देखना जरूरी होगा. हाईकोर्ट ने इसके अलावा ईडी को नोटिस जारी किया और जवाब के लिए समय दिया है.

प्रशंसनीय अरुणाचल प्रदेश के मालोगाम गांव में है 44 साल की एकमात्र मतदाता

एक वोटर के लिए 39 किमी पैदल जाएंगे कर्मी

भाषा। ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश में 19 अप्रैल को जब विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होगा, उससे एक दिन पहले एंजवा जिले में चुनाव अधिकारियों का एक दल 39 किलोमीटर पैदल चलकर सुदूर मालोगाम गांव जायेगा ताकि वहां की अकेली मतदाता 44 वर्षीय सोकेला तयांग अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकें. तयांग के वास्ते चीन सीमा से सटे इस गांव में एक अस्थायी मतदान केंद्र स्थापित किया जाएगा. चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, मालोगाम में बहुत कम परिवार हैं लेकिन तयांग को छोड़कर सभी अन्य मतदान केंद्रों पर पंजीकृत मतदाता हैं. तयांग किसी अन्य मतदान केंद्र पर स्थानांतरित किए जाने की इच्छुक नहीं है. अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों समेत चुनावी टीम अप्रत्याशित मौसम के बीच हायुलियांग से मालोगाम के लिए कठिन सफर पर जायेगी, ताकि तयांग अपना वोट डाल सकें. तयांग हायुलियांग विधानसभा क्षेत्र और अरुणाचल पूर्व लोकसभा क्षेत्र की मतदाता हैं.

- चीन सीमा से सटे इस गांव में एक अस्थायी मतदान केंद्र स्थापित किया जाएगा

हायुलियांग से मालोगाम जाने में पूरे दिन पैदल चलते हैं

संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी लाइकेन कोयू ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा , हायुलियांग से मालोगाम के सफर में पूरे दिन पैदल चलना पड़ता है. कोयू ने कहा कि हर इंसान को वोट डालने का अधिकार है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह जगह कितनी दूर है. उन्होंने कहा, चुनाव दल को मतदान के दिन सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक वहां रहना पड़ सकता है क्योंकि हमें पता नहीं कि तयांग कब वोट डालने आयेंगी. मुख्य निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार सैन ने कहा, यह हमेशा संख्या की बात नहीं होती है, बल्कि यह सुनिश्चित करना होता है कि सभी की बात सुनी जाए. तयांग की बेटी और बेटा अन्यत्र महाविद्यालयों में पढ़ते हैं लेकिन उनका मालोगाम से जुड़ाव बना रहता है. तयांग ने कहा, मैं बमुश्किल ही अपने गांव में रहती हूं.

दुमका लोकसभा सीट से सीता सोरेन की होगी अग्निपरीक्षा...

तीन खेमों में बंटी भाजपा को एकजुट रखने की होगी बड़ी चुनौती

सत्यशरण मिश्रा। रांची

दुमका लोकसभा सीट पर इस बार सीता की अग्निपरीक्षा है. भाजपा ने अपने पहले से घोषित प्रत्याशी सुनील सोरेन को वापस कर सीता सोरेन को चुनाव में उतारा है. सोरेन परिवार की बड़ी बहू सीता सोरेन ने झामुमो से बगावत कर भाजपा का झंडा थामा और चुनावी समर में कूद चुकी हैं, लेकिन वहां उनकी राह उतनी भी आसान नजर नहीं आती. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सुनील सोरेन का टिकट वापस लेना भाजपा के आत्मघाती निर्णय साबित हो सकता है. सुनील सोरेन ने भले ही भाजपा आलाकमान के फैसले का स्वागत किया है, लेकिन अंदर से नेतृत्व के इस फैसले से खफा हैं. उनके समर्थक भी इसे पचा नहीं पा रहे हैं. भाजपा का एक बड़ा तबका ऊपर-ऊपर भले ही आलाकमान के निर्णय का मुखर होकर विरोध तो नहीं कर रहा, लेकिन अंदर-अंदर इसलिए खफा है कि ऐन चुनाव के वक्त चिरप्रतिद्वंद्वी झामुमो से बॉरो प्लेयर लाकर उतार दिया. ऐसे में प्रतिद्वंद्वी झामुमो प्रत्याशी (जिसकी अभी घोषणा नहीं हुई है) के साथ ही साथ निवर्तमान सांसद सुनील सोरेन सहित भाजपा के नाराज तबके को साध पाने की चुनौतियों का भी सामना सीता को करना पड़ सकता है.

सीता को प्रत्याशी बनाते ही भाजपा तीन खेमे में बंट गई

सीता के नाम की घोषणा होने से पहले तक दुमका में भाजपा दो गुटों में बंटी हुई थी. एक खेमा सांसद सुनील सोरेन का, वहीं दूसरा खेमा लुईस मरांडी का था. लेकिन सीता के आने के बाद अब दुमका में भाजपा तीन खेमों में बंट चुकी है. लुईस सोरेन परिवार की घोर विरोधी रही हैं. लुईस के पास अपना एक बड़ा वोटबैंक है. आदिवासी के साथ-साथ मिशनरी वोटरों पर भी उनकी अच्छी पकड़ है.

दुमका लोकसभा सीट पर झामुमो ने लंबी पारी खेली है

दुमका लोस सीट पर झामुमो ने लंबी पारी खेली है. 1980 से इस सीट पर सोरेन परिवार का दबदबा रहा है. शिबू सोरेन यहां से अबतक 8 बार लोस का चुनाव जीत चुके हैं. शिबू के राजनीतिक शिष्य रहे सुनील सोरेन झामुमो से बगावत कर 2009 से 2019 तक हुए तीन चुनावों में शिबू सोरेन को ही चुनौती देते रहे. 2019 में सुनील सोरेन आखिरकार शिबू सोरेन को हराने में कामयाब रहे.

दुमका में भाजपा से सीते के आने से झामुमो की बेचैनी भी बढ़ी

भाजपा से अब सीता सोरेन के चुनाव लड़ने से दुमका को लेकर झामुमो की भी बेचैनी बढ़ गयी है. पार्टी अबतक यह फैसला नहीं ले पाई है कि सीता के खिलाफ चुनाव में किसे उतारा जाए, जो आसानी से अपना गढ़ बचा सके. सीता के मैदान में आने के बाद झामुमो के लिए यह सीट जीतना प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है. झामुमो अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए सोच-समझ कर कैंडिडेट उतारेगा.

ब्रीफ खबरें

एक से राज्यभर के सिविल कोर्ट हो जाएंगे मार्निंग

रांची। सोमवार यानी एक अप्रैल से राज्यभर की जिला अदालतों में सुनवाई का समय बदल जाएगा. फिलहाल झारखंड की निचली अदालतों में डे कोर्ट में सुनवाई हो रही है, लेकिन यह व्यवस्था सोमवार से बदल जाएगी. रांची सिविल कोर्ट समेत झारखंड के सभी जिला न्यायालय एक अप्रैल से मॉर्निंग हो जाएंगे. यानि एक अप्रैल से मॉर्निंग कोर्ट में मुकदमों की सुनवाई शुरू हो जाएगी. मॉर्निंग कोर्ट में कामकाज का समय सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है. यह व्यवस्था 29 जून तक लागू रहेगी. झारखंड हाईकोर्ट ने पत्र जारी कर मॉर्निंग कोर्ट में सुनवाई शुरू करने की सूचना जारी कर दी है.

- सुबह 7 से दोपहर 12 बजे तक होगा कामकाज

डीआइजी ने किया चेकपोस्ट का निरीक्षण

रांची। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे ने मंगलवार को झारखंड-बंगाल चेकपोस्ट का निरीक्षण किया. डीआईजी ने अंतरराज्यीय बॉर्डर (बांगाल-झारखंड की सीमा) मुरी, पुरुलिया, श्याम नगर, सोनाहातू बॉर्डर का औचक निरीक्षण किया. इस क्रम में उन्होंने बॉर्डर पर मौजूद पदाधिकारियों और सुरक्षा बलों को 24 घंटे सीमा से आने -जाने वाले हर वाहन की जांच करने का निर्देश दिया. खास कर मादक पदार्थ, शराब, कैश सहित चुनाव को प्रभावित करने वाली अन्य वस्तुओं पर विशेष नजर रखने को कहा. उन्होंने चुनाव से संबंधित अन्य आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए. मौके पर सिल्ली डीएसपी, मुरी थाना प्रभारी, मुरी ओपी, सिल्ली थाना सहित सोनाहातू थाना के पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे.

टोल टैक्स में 2.6% वृद्धि का है प्रस्ताव

रांची। झारखंड में वाहन चालकों को झटका लग सकता है. इसकी वजह यह है कि एक अप्रैल से टोल टैक्स की दर में 2.6 फीसदी तक की वृद्धि की जा सकती है. इस हिसाब से पांच से दस रुपये तक की वृद्धि हो सकती है. केंद्रीय सड़क राजमार्ग मंत्रालय ने टोल टैक्स में वृद्धि का निर्णय लिया है. राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार (एनएचएआइ) ने इसका प्रस्ताव तैयार किया है. जानकारी के अनुसार राज्य के सभी टोल प्लाजा में एक अप्रैल से यह नई दर लागू हो जाएगी. टोल टैक्स की बढ़ोतरी कार, जीप, वैन समेत अन्य छोटे वाहन के लिए भी होगी. वहीं हल्के व्यावसायिक वाहनों, मिनी बसों, बस, ट्रक, छह चक्कावाले वाहनों का भी टोल टैक्स 2.6 फीसदी तक बढ़ सकता है.

- वाहन चालकों को लग सकता है झटका, जेबें होंगी ढीली

साल भर में डॉग बाइट के 14438 और सर्प दंश के 1162 केस

झारखंड में सांप और कुत्तों से रहें सावधान

खास बातें

- हर साल कुत्ता काटने से होती है 50 लोगों की मौत
- 10 हजार में सिर्फ 72 लोगों के पास ही है लाइसेंस

रवि भारती। रांची

झारखंड में रहना है तो सांपों और कुत्तों से सावधान रहें. हर जिले में सांपों और कुत्तों ने आतंक मचा रखा है. साल भर में राज्य के सरकारी अस्पतालों में कुत्ता काटने के 14,438 केस आए. स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार (वित्तीय वर्ष 2023-24) झारखंड में कुत्ता काटने से सालाना 50 लोगों की मौत हो जाती है. वहीं सर्प दंश से सालाना 15 लोगों की मौत होती है. इस वित्तीय वर्ष में सरकारी अस्पतालों में सर्प दंश के 1162 मरीज आए. कुत्तों के आतंक का मामला विधानसभा में भी उठा था.

सदन में आवारा कुत्तों से निपटने के लिए डॉग स्क्वायड की मांग की गई थी. बताते चलें कि दस हजार में सिर्फ 72 लोगों के पास ही कुत्ता पालने का लाइसेंस है. नगर निगम का दावा है कि रांची नगर निगम क्षेत्र में आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए मेसर्स होप एंड एनिमल ट्रस्ट अभियान चला रहा है. प्रतिदिन 10-15 कुत्तों का बंध्याकरण व टीकाकरण किया जा रहा है. चास नगर निगम क्षेत्र में भी इसी तरह की कार्रवाई की जा रही है. गिरिडीह, धनबाद व देवघर नगर निगम में नामित सोसाइटी से आवारा कुत्तों का बंध्याकरण व वैक्सिनेशन किया जा रहा है. जमशेदपुर, हजारीबाग व आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र में एजेंसी के चयन की प्रक्रिया चल रही है.

शहरी क्षेत्र में मौजूद आवारा कुत्तों का कोई डाटा उपलब्ध नहीं

रांची में आवारा कुत्तों का आतंक दिनों दिन बढ़ता जा रहा है. सदर अस्पताल में प्रतिदिन आवारा कुत्तों के काटने से संबंधित लगभग 200 मामले आ रहे हैं. एंटी रैबीज काउंटर पर भी प्रतिदिन टीकाकरण कराने वालों की लंबी लाइन लग रही है. बताते चलें कि 2013 में राजधानी में पायलट प्रोजेक्ट के तहत रांची नगर निगम ने होप एंड एनिमल ट्रस्ट को कुत्तों के बंध्याकरण व टीकाकरण की जिम्मेदारी दी थी. हालांकि, नगर निगम के पास शहरी क्षेत्र में मौजूद आवारा कुत्तों का कोई डाटा उपलब्ध नहीं है. पिछले दस सालों में ट्रस्ट की ओर से एक लाख चार हजार आवारा कुत्तों का बंध्याकरण किया गया है.

टाइफाइड और मलेरिया के भी बढ़े रोगी

राज्य के सरकारी अस्पतालों में किस रोग के कितने मरीज

बीमारी	मरीजों की संख्या
डायरिया	2,742
एनक्फैलेटिक्स	04
डॉग बाइट	14,438
सर्प दंश	1,162
इंफ्लूएंजा	5,886
चिकनपॉक्स	116
चिकनगुनिया	11
डेंगू	2686
फीवर विथ रस	2,113
मलेरिया	23,479
मिजिल्स	81
रिस्प्यूरिटरी इंफेक्शन	460
टाइफाइड	9,871

टाइफाइड और मलेरिया के मरीज भी बढ़े

राज्य में टाइफाइड और मलेरिया के मरीजों की संख्या में भी वृद्धि हुई है. वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य सरकारी अस्पतालों में टाइफाइड के 9,871 मामले आए. वहीं मलेरिया के 23,479 मरीजों की जांच की गई. डेंगू के 2,686, डिप्थेरिया के 09, चिकनगुनिया के 11, मिजिल्स के 81 मरीजों की जांच की गई.

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जानकारी देते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार.

'अपवर्जित समूहों के लिए सुगम मतदान' प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

दिव्यांग, बुजुर्ग, गर्भवती, नवजात बच्चे की माता को बूथ पर विशेष सुविधा मिले

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि सभी दिव्यांग, 85 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के मतदाता, गर्भवती महिलाओं व छोटे शिशुओं की माताओं को भी अन्य नागरिकों की तरह समान वैधानिक अधिकार प्राप्त है. इनके लिए अनिवार्यरूपेण हरेक मतदान केंद्र पर सुलभ मतदान की व्यवस्था रखी जाए. के. रवि कुमार ने उक्त निर्देश बुधवार को निर्वाचन सदन धुर्वा में 'अपवर्जित समूहों के लिए सुगम मतदान' विषयक प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए दिए.

सेक्टर ऑफिसर गैर राजनीतिक व स्वयंसेवी, सामाजिक संगठनों से सहयोग लें : उन्होंने मतदान प्रक्रिया में इनकी सुविधा के लिए डिजिटल तकनीकों के प्रयोग पर भी बल दिया गया है. राज्य के सभी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इसके लिए नोडल ऑफिसर बनाए गए हैं. उन्हें अपने स्तर से हरेक विधानसभा वार निर्वाचन क्षेत्र के लिए सेक्टर ऑफिसर नामित कर गैर-राजनैतिक व निरपेक्ष स्वयंसेवी संगठनों, रेजिडेंट वेलफेयर संगठनों आदि की मदद से अपवर्जित समूह के योग्य नागरिकों के डोर टू डोर सर्वे, छूटे हुए अर्हता प्राप्त नागरिकों के नाम निर्वाचक सूची में दर्ज कराने तथा मतदान में इनकी सुगमता के लिए समयबद्ध रूप से काम करना है.

दिव्यांगों के लिए मतदान केंद्र में शेड, कुर्सी-बेंच की सुविधा मुहैया कराएं : उन्होंने कहा कि अपवर्जित समूहों के ऐसे मतदाता जो मतदान केंद्र तक स्वयं आने-जाने में अक्षम हों उन्हें मतदान केन्द्र पर आने-जाने की स्थानीय व्यवस्था के साथ-साथ मतदान केंद्र में शेड, कुर्सी-बेंच, व्हील चेयर, स्वयंसेवकों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखा जाना है. साथ ही यदि अपवर्जित समूह के कोई मतदाता जो चुनाव सिंबल खुद नहीं पहचान पाएं. वहां मतदान केन्द्र के पीठासीन पदाधिकारी उन्हें सहायक के रूप में 18 वर्ष से कम आयु के किसी किशोर को वोटिंग के लिए साथ लिए जाने की अनुमति देंगे.

निःशक्तता आयुक्त ने अपने कार्यों की जानकारी दी

प्रशिक्षण सत्र में नि :शक्तता आयुक्त अभय नंदन अम्बष्ठ ने नि :शक्तता आयोग द्वारा मतदाता के लिए किये जा रहे कार्यों के बारे में बताया. अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा द्वारा मतदाता सूची एवं मतदान के बारे में बताया गया. उन्होंने बूथ अवेयरनेस ग्रुप, स्वीप कार्यक्रम, अच्छे कार्यों के लिए बीएलओ को सम्मानित करने आदि विषयों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला. निदेशक समाज कल्याण विभाग शशि प्रकाश झा द्वारा मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधा में पेयजल, बिजली, हेल्प .डेस्क, पोस्टर .साईनेज, रैंप, दिव्यांगजनों के लिए वॉलेंटियर की उपलब्धता के साथ-साथ मतदान केंद्रों पर बीएलओ की सहायता के लिए चयनित स्वंय सेवकों के प्रशिक्षण की जानकारी साझा की. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओएसडी गीता चौबे द्वारा मतदान केंद्रों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं को उपलब्ध कराने एवं दिव्यांग,वयोवृद्ध मतदाताओं के लिए यातायात की सुविधा, वोलेंटियर्स एवं मेडिकल किट आदि विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की. उप निर्वाचन पदाधिकारी मुख्यालय श्री संजय कुमार द्वारा सोशल मीडिया, सक्षम ऐप, नि :शक्तता के लिए सोशल मीडिया के बारे में बिंदुवार जानकारी साझा की गयी.

सरकार ने नौकरी से निकाला,कोर्ट ने 19 साल का वेतन देने को कहा

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

खास बातें

- बिना गलती किए काम से निकाला तो वेतन पाने का हक
- उद्योग विभाग ने भावेश झा को 1984 में नियुक्त किया था

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को उद्योग विभाग द्वारा बर्खास्त किये गये कर्मचारी भावेश कुमार झा को 19 साल का लंबित वेतन देने का निर्देश दिया है. दरअसल भावेश कुमार झा को उद्योग विभाग के अधीनस्थ हस्तकरघा, रेशम और रेशम उत्पादन विभाग में 1984 में पायलट प्रोजेक्ट सेंटर में क्लर्क सह कैशियर के पद पर नियुक्त किया गया था. नौकरी पर रहने के कई वर्षों बाद भावेश कुमार झा को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई उद्योग विभाग द्वारा शुरू की गयी.

2007 में कर्मचारी की सेवा समाप्त कर दी गयी थी : वर्ष 2007 में भावेश कुमार झा की सेवा समाप्त कर दी गयी. सेवा समाप्त किये जाने के खिलाफ भावेश ने झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया. उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के आदेश को रद्द करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को नौकरी से निकालने का फैसला सही नहीं है. न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की बेंच ने इस मामले में अपने आदेश में कहा है कि इसमें कोई संदेह नहीं कि याचिकाकर्ता ने 1998 से 2017 तक काम नहीं किया, लेकिन जिस मामले में यह पाया जाता है कि कर्मचारी की कोई गलती नहीं है, फिर भी उसे नौकरी से निकाल दिया गया, तो वह वेतन पाने का हकदार है.

एक को हजारों अभ्यर्थी करेंगे जेपीएससी कार्यालय का महाघेराव

जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी व राजनीतिक मुद्दे पर बुधवार को सूर्य सिंह बेसरा व छात्र नेता व झारखंड यूथ एसोसिएशन के संयोजक इमाम सफी संयुक्त रूप से पत्रकारों से रूबरू हुए. कहा कि 11वीं जेपीएससी परीक्षा में हड़बड़ी में गड़बड़ी कर दी गई है, छात्रों के विरोध के बावजूद परीक्षा रद्द करने के बजाय जल्दबाजी में गलत आंसर-की जारी कर दी गई.

जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक के बाद जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी से झारखंड के छात्र आर पार के मुड में हैं, और आगामी एक अप्रैल को एक लाख से अधिक संख्या में अभ्यर्थी जेपीएससी कार्यालय का महाघेराव में शामिल होने की घोषणा की है. सूर्य सिंह बेसरा ने 11वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा की गड़बड़ी व मनमानी को गंभीर मामला माना और एक अप्रैल को छात्र महाआंदोलन का समर्थन किया है. साथ में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, माधवेंद्र मेहता, प्रदीप कुमार शामिल थे.

खास बातें

- 11वीं जेपीएससी परीक्षा में हड़बड़ी में गड़बड़ी कर दी
- गड़बड़ी को लेकर झारखंड के छात्र आर-पार के मूड में

शहरी क्षेत्र में फ्री करें बालू :भाकपा

रांची। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रूचिर कुमार तिवारी ने पुलिस एवं बालू माफिया की संलिप्तता से ही शहर में अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है और आपसी वर्चस्व की लड़ाई में हत्या मर्डर की घटनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है आए दिनों ट्रैक्टर से अवैध रूप से बालू का ढुलाई चालू है. शहर के बालू घाटों का अभी तक टेंडर नहीं होना फिर भी शहरी क्षेत्र से दिन-रात ट्रैक्टरों से बालू का ढुलाई चालू है, जिससे साफ नजर आता है कि शहर के बालू माफिया और पलामू पुलिस का आपसी गठ-जोड़ है. हेमंत सरकार ने फ्री बालू करने की घोषणा की थी लेकिन वह जेल की हवा खा रहे हैं. वहीं चंपाई सोरेन के आने के बाद भी पलामू जिले में बालू की स्थिति ज्यों का त्यों बनी हुई है. पलामू उपायुक्त से आग्रह है कि शहरी क्षेत्रों में घर बनाने के लिए बालू घाटों को फ्री कर दिया जाए.

CLASSIFIED

शीट भरने में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों-हेडमास्टरों का वेतन रोका जाएगा

सभी सरकारी स्कूलों को आज हर हाल में जमा करना होगा प्रोजेक्ट इंपैक्ट असेसमेंट शीट

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने राज्य के सभी सरकारी स्कूलों को 28 मार्च को शाम 5 बजे तक प्रोजेक्ट इंपैक्ट का आकलन शीट भरकर जमा करने का निर्देश दिया है. परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने बुधवार को समीक्षा बैठक में यह निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए लागू किये गए प्रोजेक्ट इंपैक्ट के आकलन पत्र भरने में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों और हेडमास्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी. साथ ही उनका वेतन भी रोका जाएगा.

टॉप फाइव स्कूल होंगे पुरस्कृत : आदित्य रंजन ने कहा कि प्रोजेक्ट इंपैक्ट की असेसमेंट शीट को केवल भरना नहीं है. असेसमेंट शीट में दिए गए मानकों के आधार पर स्कूलों में वातावरण विकसित हो, यह भी सुनिश्चित करना है. स्कूलों में केवल पढ़ाई नहीं, पाठ्येतर गतिविधियां भी जरूरी है. मई महीने से राज्य के सभी स्कूलों का राज्यस्तरीय टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया जायेगा. आकलन शीट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले टॉप फाइव स्कूलों को राज्यस्तर पर पुरस्कृत किया जायेगा, वहीं लास्ट फाइव परफॉर्म करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई होगी.

हाउस का नाम भौगोलिक विशेषताओं पर रखा जाए

प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने निर्देश दिया कि स्कूल हाउस का नाम राज्य और जिले की भौगोलिक विशेषताओं के आधार पर रखें. हाउस का नाम निर्धारित करते समय उस जिले के प्रमुख स्थलों, नदियों, पर्यटन केंद्रों के नाम शामिल करें. एक जिम्मेदार शिक्षक को हाउस प्रमुख बनाया जाये. एक हाउस एक सप्ताह तक पूरे प्रात :कालीन सभाओं की जिम्मेदारी लेगा.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in गुरुवार 28 मार्च 2024 चैत्र कृष्ण पक्ष 03 , संवत 2080 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 0 वर्ष : 1, अंक : 338 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ढुल्लू महतो की राह में कितने फूल-कितने कांटे : ठेठ ग्रामीण अंदाज वाले ढुल्लू महतो का शहरी मतदाताओं से पहली बार पड़ा है पाला

धनबाद में जातिगत समीकरण बन सकता है ढुल्लू की राह का सबसे बड़ा कांटा

रिजवान शम्स । धनबाद

- ढुल्लू के गांव-घर तो दूर परिवार वाले भी नहीं दे पाएंगे उसे वोट
- अपने सियासी साथियों से ही पार पाना होगा मुश्किलों भरा काम
- झरिया, सिंदरी विस क्षेत्र में पहले से ढुल्लू ने की है मेहनत

भाजपा ने बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो को धनबाद लोकसभा का प्रत्याशी बनाया गया है. वैसे तो धनबाद लोकसभा सीट भाजपा की सीट मानी जाती रही है. यहां जे जीत की हैट्रिक का रिकार्ड भाजपा उम्मीवादार पूर्व में बना चुके हैं. लेकिन विधायक ढुल्लू महतो को टिकट मिलने के बाद यहां के सियासी समीकरण में बदलाव दिखने लगे हैं. विधायक ढुल्लू का कहीं दबी जुबान में, तो कहीं मुखर विरोध शुरू हो गया है.

विधायक ढुल्लू का ठेठ ग्रामीण अंदाज और भाषण में तेवर उन्हें एक गर्म नेता के रूप में स्थापित कर चुका है. ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर पकड़ रखने वाले ढुल्लू का पाला पहली बार शहरी मतदाताओं से पड़ा है. यहां के मतदाताओं को रिझाने के लिए ठेठ ग्रामीण अंदाज इन्हें भारी भी पड़ सकता है, क्योंकि उन्हें टिकट मिलते ही भाजपा के ही कई खेमे नेता पूरी तरह से नाराज हो गए हैं. इन खेमों की तरफ से सोशल मीडिया पर बाहरी-भीतरी का मामला जोर-शोर से उठाया जा रहा है. उन पर दर्ज मुकदमों की फेहरिस्त सोशल मीडिया पर जमकर पोस्ट होने लगी है. उन पर लगे रंगदारी समेत कई आरोपों को फिर से बाहर निकाला और उभार कर परोसा जा रहा है. ऐसे करने वाले कांग्रेस या दूसरी पार्टी के लोग नहीं हैं, बल्कि कहीं न कहीं ढुल्लू के सियासी साथी हैं.

लोकसभा चुनाव 2019 के आंकड़े

कुल वोटर 20,72,634

कुल मतदान : 12,52,817

कुल वोट का 40 प्रतिशत मिला था भाजपा को

धनबाद में कुल वोट का लगभग 40 प्रतिशत वोट भाजपा उम्मीदवार पीएन सिंह की झोली में गिरा था, जबकि मात्र 15 प्रतिशत ही कांग्रेस उम्मीवार कीर्ति आजाद के खाते में गया था. यहां ये आंकड़ा और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि भाजपा प्रत्याशी को कुल मतदान का 66 प्रतिशत मत मिला था. ऐसे आंकड़े के बावजूद ढुल्लू महतो के लिए यह चुनाव टेढ़ी खीर साबित हो सकता है.

धनबाद लोस क्षेत्र में नहीं पड़ता है ढुल्लू का गांव

ढुल्लू की जिस इलाके में सबसे अच्छी पकड़ है, वो है चिटाही और कतरास, बाघमारा का इलाका. यहां के वोटरों ने उन्हें विधायक बनाया है. लेकिन इस चुनाव में ढुल्लू के गांव समेत और उसन सारे इलाके के लोग उन्हें वोट नहीं दे पाएंगे, क्योंकि यह क्षेत्र गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र में पड़ता है. यहां तक कि ढुल्लू के परिवार वाले भी उसे वोट नहीं दे पाएंगे.

सिंह मेंशन और रघुकुल खेमे का क्या रोल होगा ? : ढुल्लू महतो के चुनावी समीकरण में धनबाद के दो बड़े घराने, जिनकी कोलियरी क्षेत्र में तूती बोलती है, सिंह मेंशन व रघुकुल का इस चुनाव में क्या रोल होगा, इस बात पर भी ढुल्लू की जीत -हार निर्भर करेगा. क्योंकि सिंह मेंशन और रघुकुल दोनों खेमे कोयले में अपना वर्चस्व हमेशा कायम रखना चाहते हैं. ऐसे में ढुल्लू की भी कोल जगत में भरपूर दिलचस्पी किसी से भी छिपी नहीं है.

सांसद खेमा पूरी तरह नाराज

सांसद पीएन सिंह का खेमा तो खुले तौर पर नाराजगी जताने से पीछे नहीं हट रहा है. तीन बार लगातार सांसद रहे पीएन सिंह का टिकट काटकर ढुल्लू को देना इनके समर्थकों को पूरी तरह से नागवार गुजरा है. पीएन सिंह ने पिछले लोकसभा में ही 1984 के विश्वविजेता भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी कीर्ति आजाद को रिकार्ड मतों से पराजित किया था. ऐसे में उनका टिकट कटना धनबाद के लिए चौंकानेवाला था. पीएन सिंह धनबाद के क्षत्रिय समाज का भी प्रतिनिधित्व करते हैं. इस बिरादरी का बड़ा तबका जातिगत समीकरण के कारण भी ढुल्लू के साथ जुड़ने से परहेज ही करेगा.

विधायक ढुल्लू महतो कोर्ट में हाजिर नहीं हुए

किरण महतो की हाईवा व टीपर लूट और डोमन महतो पर जानलेवा हमला करने के मुकदमे की सुनवाई बुधवार को अदालत में हुई. सुनवाई में ढुल्लू कोर्ट में हाजिर नहीं थे. अदालत ने दोनों मामलों में अभियोजन पक्ष को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. किरण महतो की शिकायत पर 15 फरवरी 2020 को केदार यादव, रियाज अंसारी, सोनू शर्मा, राजू शर्मा, बॉबी व अमजद खान के विरुद्ध लूट, मारपीट व आर्म्स एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया था.

खतरे में जान : धनबाद में 95 % दवा दुकानों में विशेषज्ञ नहीं हैं

फार्मासिस्ट नहीं, पर बेच रहे दवा

राजा गुप्ता । धनबाद

देश की कोयला राजधानी धनबाद में 30 लाख की आबादी की जिंदगी की सुरक्षा 1853 दवा दुकानों पर है. सामान्य बीमारी हो या फिर गंभीर बीमारी, इन दवा दुकानों द्वारा उपलब्ध करायी गईं दवाओं से ही लोग स्वस्थ होते हैं और जिंदगी की रफ्तार आगे बढ़ाते हैं. अगर यही दवा दुकानदार लाखों की आबादी की जिंदगी से खिलवाड़ करने लगें, तो लोग भला क्या करें. जी हां हम बात कर रहे हैं 1853 दवा दुकानों से लोगों को दवा देनेवालों के बारे में.

आम लोगों की नजरों में तो ये लोग फार्मासिस्ट हैं, लेकिन हकीकत में ये फार्मासिस्ट नहीं हैं, बल्कि आम व्यक्ति हैं. इन्हें थोड़ा बहुत अंग्रेजी लिखना-पढ़ना आता है और कुछ दिन दवा दुकानों में काम कर दवाओं का नाम जान जाते हैं. फिर ये लोग 10 से 12 हजार की तनख्वाह पर किसी भी दवा दुकान में काम करते , जबकि नियमतः यह गैरकानूनी है. दुकानदार भी जानते हैं कि ऐसे अपराध पर कड़ी कार्रवाई हो सकती, इसके बावजूद वे बेखौफ दवाईयां की बिक्री करते हैं. दवा धंधे में 25 से 50 फीसदी तक का फायदा है. कई कंपनियों की कफ सिरप में 75 से 89 फीसदी फायदा होता है. दुकानदार औषधि प्रसाधन सामग्री अधिनियम -1940 का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं. औषधि विभाग के पदाधिकारी पर बिना फार्मासिस्ट के संचालित दवा दुकानों पर कार्रवाई करने की जिम्मेवारी है, लेकिन ड्रग इंस्पेक्टर की कमी का बहाना बना विभाग भी चुप्पी साधे रहता है. लेकिन सच्चाई ये है कि औषधि विभाग के जिन गिने-चुने अफसरों पर जांच व कार्रवाई की जिम्मेवारी होती है, उन्हें दवा दुकानदार सेट किये रहते हैं और मामला ले-जेकर ऐसे ही चलता रहता है. यानी दवा खरीदार भगवान भरोसे और इन दवा दुकानों का धंधा वर्षों से ऐसे ही फल-फूल रहा है.

फार्मासिस्ट ही डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्सन देखकर दवा देने के लिए अधिकृत

- फार्मासिस्ट के डिग्री के दस्तावेज पर दुकानदार जारी करा लेते हैं लाइसेंस
- दवा दुकानों का यह गोरखधंधा वर्षों से ऐसे ही फल-फूल रहा है

तीन दुकानों का लाइसेंस हो चुका है रद्द

कभी कभार कंपनी के प्रतिनिधि स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय के पदाधिकरियों से शिकायत कर कार्रवाई कराते हैं. उसके बाद कुछ दुकानों पर कार्रवाई होती है. लाइसेंस भी निरस्त होता है. पिछले साल धनबाद में तीन दुकानों का लाइसेंस निरस्त किया गया था. कोयलांचल में 95 फीसदी दवा दुकानों में फार्मासिस्ट नहीं हैं. फिर भी जीवन रक्षक दवाएं बिक रही हैं. लोगों का कहना है कि फार्मासिस्ट को ही चिकित्सक का प्रिस्क्रिप्सन देखकर दवा देने का अधिकार है. दुकान में काम करनेवाला आम व्यक्ति ही प्रिस्क्रिप्शन देखकर दवाएं दे देता है. लोगों का कहना है कि फार्मासिस्ट की डिग्री पर ही दुकानदारों को लाइसेंस मिलता है, लेकिन दुकानदार विभाग के पदाधिकारियों से सेटिंग कर फार्मासिस्ट की डिग्री के दस्तावेज पर रांची जाकर ड्रग लाइसेंस जारी करा लेते हैं.

एक फार्मासिस्ट की डिग्री से दो-तीन दुकानों का जारी करा लेते हैं लाइसेंस

जानकारी के अनुसार दुकानदार एक फार्मासिस्ट की डिग्री की कॉपी से दो से तीन दुकानों का लाइसेंस जारी करा लेते हैं. जबकि नियमतः एक फार्मासिस्ट की डिग्री की कॉपी से एक ही दुकान का लाइसेंस जारी करने का नियम है. लाइसेंस जारी करते समय फार्मासिस्ट का होना अनिवार्य है. पूर्व में धनबाद में जांच में कई मामले पकड़े जा चुके हैं, जिसमें एक फार्मासिस्ट की डिग्री की कॉपी दो से तीन दुकानदारों के पास है, जिससे उसने लाइसेंस जारी करा लिया है. वह फॉर्मासिस्ट किसी दवा दुकान में काम भी नहीं करता है. दो-तीन दवा दुकानों को डिग्री की कॉपी देकर हर महीने 20 से 30 हजार रुपये वसूल लेता है.

आजीवन कारावास और 10 लाख तक जुर्माना का है प्रावधान

विभाग के अनुसार औषधि प्रसाधन सामग्री अधिनियम -1940 के खिलाफ जाकर दवा का कारोबार करने पर दुकान मालिक पर एफआईआर करने, लाइसेंस निरस्त करने, दुकान सील करने, आजीवन कारावास व उसके साथ दस लाख रुपये के जुर्माने का भी प्रावधान है. जबकि अब तक किसी भी दुकानदार के खिलाफ ऐसी कार्रवाई नहीं की गयी है. दुकानदार को बिल भी देने का नियम है, लेकिन ज्यादातार दुकानों में बिल नहीं दिया जाता, बल्कि सादे कागज या दवा के लिफाफे पर हिसाब जोड़कर पैसा वसूल लिया जाता है. वहीं दूसरी ओर दवा के थोक कारोबार में फार्मासिस्ट रखने का नियम नहीं है. यहां सक्षम कर्मी काम कर सकता है, जो दवाओं का नाम जानता है.

युवक ने मारपीट के बाद की हवाई फायरिंग

जमशेदपुर। जमशेदपुर के कदमा थाना अंतर्गत मरीन ड्राइव स्थित बगीचा रेस्टोरेंट के पास आदित्यपुर निवासी विक्की नंदी ने अपने अन्य साथियों के साथ स्थानीय युवकों के साथ मारपीट की. इस दौरान विक्की नंदी ने हथियार निकालकर हवाई फायरिंग भी की. घटना को अंजाम देने के बाद सभी मौके से फरार हो गए. घटना मंगलवार की देर रात की है. सूचना मिलने पर कदमा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. जांच के दौरान पुलिस ने मारपीट होने की पुष्टि की, पर फायरिंग की पुष्टि नहीं हो पाई है. किसी ने लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है. जानकारी के अनुसार रात 10.30 बजे कुछ युवक बीच डिवाइडर पर बैठे हुए थे तभी सभी युवक एक कार पर सवार होकर आए थे.

ट्रक व बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत

गढ़वा। गढ़वा-गोदरमाना एनएच 343 पर पचपड़वा गांव के समीप ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. मृतक की पहचान रेहला थाना क्षेत्र के सेवरा गांव निवासी 25 वर्षीय सोनू कुमार राम और उसका मौसेरा भाई चैनपुर के असना गांव निवासी खइकु भुइया के पुत्र सुनील कुमार 24 वर्ष के रूप मे हुई.

दाना फैक्ट्री में आग

एक करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान

संवाददाता । पुटकी

- फैक्ट्री कैंपस में माचिस, पशु आहार बनाने की भी फैक्ट्री
- कुछ मीटर की दूरी पर ही पेट्रोल पंप भी है, सभी डरे हुए थे

मंगलवार को 12 बजे धनबाद बोकारो सड़क से सटे पुटकी थाना क्षेत्र के चिरुडीह गांव के निकट मेसर्स बी एस प्रसाद कंपनी के प्लास्टिक की दाना फैक्ट्री के एक बड़े गोदाम में भीषण आग लग गयी. फैक्ट्री मालिक झरिया निवासी भोलानाथ माथुरी ने कहा कि आगजनी में एक करोड़ रुपये से ज्यादा की क्षति का अनुमान है. घटना के वक्त वह घर पर थे. घटना की सूचना फोन पर सूचना मिली. आग लगने से कीमती दाना बनाने की मशीन, प्लास्टिक का 25 टन कचड़ा, निर्मित दाना 30 टन, गोदाम भवन और अन्य सामग्री जल व खाक हो गयी.

आग नियंत्रण होने से बड़ी घटना टल गई : फैक्ट्री कैम्पस में माचिस,पशुआहार बनाने की भी फैक्ट्री व गोदाम संचालित है.जो बाल बाल बच गए. गोदाम के कुछ मीटर की दूरी पर ही पेट्रोल पंप भी है. आग पर नियंत्रण हो जाने से एक बड़ी घटना टल गई. दो बड़े गोदाम व एक छोटा कमरा पूरी तरह बर्बाद हो गए. छोटे कमरे को खोलकर काफी देर बाद एक गैस सिलेंडर बाहर निकाला गया. राज्य सरकार के धनबाद, झरिया, सिंदरी, टाटा जामाडोबा व बीसीसीएल की आठ फायर ब्रिगेड के वाहन व 30 से ज्यादा कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से करीब 12 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया. तेज हवा के कारण आग तेजी से फैली तथा एक के बाद दूसरे गोदाम और उसके बगल के छोटे ऑफिस को चपेट में ले लिया. तीसरे गोदाम तक आग पहुंच गई थी, लेकिन दमकल कर्मियों ने उसे बचा लिया.

आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी

आग लगने से करीब छह हजार स्क्वायर फुट में बने गोदाम के शेड आग की धधक से नीचे गिर पड़े. इससे जल पर प्लास्टिक के कचड़े को बुझाने में दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी. दमकल कर्मियों के साथ पुटकी के अंचलाधिकारी विकास आनंद व थाना प्रभारी मनोहर करमाली पूरी टीम के साथ आग बुझाने की प्रक्रिया में लगे रहे. वाहनों के रास्ते प्रवर्तित कर दिए गए.

हत्या की योजना बनाते रिम्स से भागा अपराधी समेत दो गिरफ्तार

संवाददाता । आदित्यपुर

होली के दिन आदित्यपुर को रक्तरंजित करने की योजना थी. इसे आरआईटी पुलिस ने विफल कर दिया. 24 मार्च को रांची रिम्स से भागे अपराधी राजा सिंह उर्फ पगला की आदित्यपुर के रवि शर्मा हत्याकांड के सजायाफ्ता अपराधी मुरारी सिंह की हत्या करने की योजना थी. इसमें राजा का साथ एक अन्य अपराधी प्रकाश गोप भी देनेवाला था. लेकिन आरआईटी पुलिस ने होली के दिन ही गुप्त सूचना के आधार पर राजा सिंह और प्रकाश गोप को आपराधिक घटना की योजना बनाते गिरफ्तार कर लिया था. यह जानकारी मंगलवार को आरआईटी थाना में जिले के एसपी मनीष टोप्पो ने दी. दोनों को बुधवार को जेल भेज दिया गया है. बता दें कि कुख्यात अपराधी राजा सिंह 24 मार्च को रांची के रिम्स अस्पताल से इलाज के दौरान फरार हो गया था. पुलिस ने दोनों अपराधियों के पास से लोडेड पिस्टल और आधा दर्जन गोली भी बरामद किया है.

सरायकेला एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि कुख्यात राजा सिंह हाल में आरआईटी थाना क्षेत्र में गोली चालन समेत अन्य कांडों में गिरफ्तार होने के बाद जेल गया था, जिसे जमशेदपुर के घाघीडीह जेल शिफ्ट किया गया था. वहां से उसे इलाज कराने के लिए रिम्स भेजा गया था.

पूर्व कांग्रेस नेता समेत दो की गोली मारकर हत्या

संवाददाता । पलामू

पलामू जिले के चैनपुर में बुधवार की दोपहर को पूर्व कांग्रेस नेता राजमोहन पोलू और उनके साथ एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई. दोनों शव कांग्रेस नेता के घर में एक ही जगह से बरामद हुए. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है. हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है. मृतक की पहचान राजमोहन पोलू के रूप में हुई. दूसरे की पहचान नहीं हो पाई है. घटना की जानकारी मिलने के बाद सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद, चैनपुर इंस्पेक्टर जीतराम महली समेत कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन कर रहे हैं. पलामू एसपी रिष्मा रमेशन भी मौके पर पहुंचीं. पलामू एसपी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है.

घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी फरार हो गये

हत्या मामले में राजमोहन को हुई थी 10 साल की सजा

राजमोहन ने एक मजदूर की गोली मारकर हत्या कर दी थी. इसी दौरान उन्होंने एक गाय को भी गोली मार दी थी. घटना के बाद पूरे इलाके में खूब हंगामा हुआ था. पूरे मामले में पुलिस अनुसंधान में राजमोहन पोलू के खिलाफ सबूत मिले थे. कोर्ट ने पूरे मामले में राजमोहन पोलू को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष की सजा सुनाई थी. कुछ दिनों पहले ही राजमोहन पोलू जेल से बाहर निकाला था और चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर में अपने घर में रह रहा था. बुधवार की दोपहर अचानक कुछ अपराधी घर में दाखिल हुए और दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी फरार हो गये.

दुस्साहस असामाजिक तत्वों को उपद्रव करने से रोकने पर पुलिस वालों को ही बीच सड़क पर पीटा

पुलिस गश्ती पार्टी पर हमला, एसआई का सिर फोड़ा

संवाददाता । कतरास

कांकोमठ के पास मौजूद आरिका हास्पिटल में सोमवार को तोड़फोड़ करने और कर्मियों के साथ मारपीट करनके दौरान पुलिस को हस्तक्षेप करना महंगा पड़ गया. बीच-बचाव करने पहुंची तेतुलमारी पुलिस के एसआई सहित एक जवान को मारपीट कर जख्मी कर दिया गया है. वारदात से जुड़ी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है. पुलिस वालों की पिटाई और फिर इस मामले की लीपापोती इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है. तेतुलमारी थानेदार लव कुमार ने पुलिस पिटाई की घटना से अनभिज्ञता जाहिर की है. तेतुलमारी थाना के एक एसआई के माथे पर लगी पट्टी है, जो उनकी पिटाई की गवाही दे रही है.

वारदात को लेकर बताया जा रहा है कि कुछ युवक सोमवार की दोपहर कांको धनबाद मुख्य मार्ग पर संचालित आरिका हस्पताल पहुंचे थे. कुछ बात को लेकर युवकों व अस्पताल कर्मियों में कहा-सुनी होने लगी. देखते ही देखते युवकों ने अस्पताल कर्मियों के साथ मारपीट व तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी. इससे भगदड़ मच गई. अस्पताल कर्मी बाहर भागने लगे निकले. कांको धनबाद मुख्य मार्ग के रामकनाली व तेतुलमारी थाना के सीमा क्षेत्र में तेतुलमारी पुलिस की जीप खड़ी देख अस्पताल कर्मी भागकर पुलिस के पास पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी. पुलिस वाले जैसे ही वहां पहुंचे, उन पर हमला बोल दिया. उपद्रवियों ने तेतुलमारी थाना के एसआई व एक जवान को बीच सड़क पर पटक पटक कर मारपीट करने लगे. इस दौरान एसआई का माथा फट गया.जबकि जवान वहां से भाग कर अपनी जान बचाई. जमुआटांड़ पंचायत के मुखिया निरंजन गोप सहित अन्य लोग वहां पहुंचे. इन लोगों ने युवकों को समझा बुझाकर शांत कराया.

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, पुलिस कार्रवाई के बजाय लीपापोती में जुटी

सवाल सुनते ही तेतुलमारी थानेदार ने फोन काट दिया

मामले को लेकर जब तेतुलमारी थाना प्रभारी लव कुमार से मामले की जानकारी लेने का प्रयास किया तो वे सवाल सुनते ही कहा कि अस्पताल से पूरे मामले की जानकारी ले लें, इतना कहते हुए उन्होंने फोन काट दिया.

अस्पताल प्रबंधन व तेतुलमारी पुलिस ने शिकायत नहीं की : रामकनाली प्रभारी

रामकनाली ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने बताया कि अस्पताल में मारपीट की घटना हुई थी, लेकिन अस्पताल प्रबंधन की ओर से शिकायत नहीं मिली है, जब उनसे सवाल किया गया कि पुलिस से भी मारपीट की गई है तो उन्होंने कहा कि अबतक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है.

सब जोनल कमांडर सहित पांच गिरफ्तार

- 14 मार्च की रात लेवी को लेकर निर्माण कंपनी के वाहनों में आग लगाने और फायरिंग का आरोप
- चतरा, हजारीबाग व रामगढ़ में 13 हत्या, लूट, लेवी और आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं

संवाददाता । हजारीबाग

जेजेएमपी के सब जोलन कमांडर राजेश गंझू उर्फ बंधन सहित पांच उग्रवादियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया. हथियार और कारतूस के साथ उग्रवादियों को पुलिस ने पकड़ा. बता दें कि 14 मार्च को बड़कागांव के बलोदर गांव में पुल और सड़क निर्माण कंपनी के साइट पर उग्रवादियों ने वाहनों में आग लगायी थी और फायरिंग की थी. एसपी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि उग्रवादी संगठन टीपीसी के धर्मवीर के नाम से लेवी मांगी जा रही थी. पुलिस की टीम उसे तलाश रही थी. इसी दौरान कुख्यात राजेश उर्फ बंधन गंझू, पिता स्व. जानकी गंझू बेंदी, कटकमदाग पुलिस के हत्थे चढ़ गया. राजेश पर चतरा, हजारीबाग, रामगढ़ में 13 से अधिक मामले दर्ज हैं. इनमें अपहरण, हत्या, फिरौती, लेवी, रंगदारी, आगजनी, लूट व हथियार से संबंधित मामले दर्ज हैं.

जेजेएमपी छोड़कर राजेश ने आपराधिक गिरोह बनाया : एसपी : एसपी ने बताया कि राजेश जेजेएमपी छोड़कर एक आपराधिक गिरोह तैयार कर लिया था. अपने गुर्गों की मदद से ठेकेदार, दुकानदार, होटल संचालक, बस मालिक आदि से लेवी की मांग कर पैसे वसूलता था. कंपनी के वाहनों को लेवी के लिए जलाने का प्रयास भी इसी के इशारे पर की गयी थी. पुलिस ने दो देसी कटठा, 303 बोर राइफल के सात कारतूस, धमकी को लेकर फेंका जाने वाला पर्चा के अलावा धमकी देने में प्रयोग किया जाने वाला मोबाइल सहित अन्य सामग्री बरामद की है.

ब्रीफ खबरें

तोपचांची में छापेमारी अवैध शराब जब्त की

तोपचांची । तोपचांची थाना क्षेत्र के कांडेडीह स्थित एक दुकान पर बुधवार की सुबह पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है. यह जानकारी थाना प्रभारी संजय कुमार ने प्रेसवार्ता कर दी. बताया कि वरीय पुलिस पदाधिकारियों को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कांडेडीह के सरोज महतो की दुकान में छापेमारी कर विभिन्न ब्रांड की 35 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई. पता चला था कि दुकान में शराब की बिक्री के साथ-साथ लोगों को शराब पिलाई भी जा रही थी. हालांकि छापेमारी की भनक पाकर दुकानदार वहां से फरार हो गया था.

चेकनाका लगाकर वाहनों की जांच की

महुदा । लोकसभा चुनाव को लेकर धनबाद एवं बोकारो की सीमा क्षेत्र तेलमोचो स्थित ग्राम रक्षा दल के पास अंतर जिला चेकनाका लगाकर वाहनों की चेकिंग की गई. मंगलवार देर रात बाघमारा बीडीओ डॉ सुषमा आनन्द के नेतृत्व में चार पहिया वाहन जांच अभियान चलाया गया . इस दौरान महुदा थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ वहां मुस्तैद थे.जांच के क्रम में मार्ग में गुजरने वाले सभी चार पहिया वाहनों की डिक्की जांच सहित कागजात की जांच पड़ताल की गई.

सिटी एसपी का नक्सल प्रभावित इलाकों का दौरा

धनबाद । लोक सभा चुनाव को लेकर धनबाद पुलिस नक्सल प्रभावित इलाकों को खंगालना शुरू कर दिया है.नक्सली गतिविधियां न हो और किसी प्रकार की कोई घटना न हो इसके लिए गोविंदपुर और बरवाअड्डा के करीब एक दर्जन इलाकों में सिटी एसपी अजीत कुमार ने दौरा किया और स्थानीय लोगों से मुलाकात की. सिटी एसपी ने गोरगा, धरमपुर, रामाकुंडा, काडालागा, हरिहरपुर, मनईडीह, चुटियारो, छोटा जमुआ, पैंजनिया इलाकों का दौरा किया है. यहां मतदान केंद्रों और भौगोलिक स्थिति का अवलोकन किया गया.

गांजे के साथ तस्कर को पुलिस ने दबोचा

कतरास। बाघमारा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है.सोमवार को बाघमारा उच्च विद्यालय के पास छापामारी कर करीब 540 ग्राम गांजा के साथ सरोज ठाकुर नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. यह जानकारी बाघमारा डीएसपी आनंद ज्योति मिंज ने सिजुआ स्थित अपने कार्यालय में पत्रकार वार्ता आयोजित कर दी.उन्होंने कहा वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर छापेमारी चलाया जा रहा है.

माकपा प्रत्याशी ने सघन प्रचार अभियान चलाया

बराकर। आसनसोल लोकसभा क्षेत्र से माकपा की उम्मीदवार जहानआरा खान ने बुधवार को कुल्टी छेत्र में सघन प्रचार अभियान चलाया. इस दौरान रामनगर ओर नियामतपुर क्षेत्र के विभिन्न वार्डो में जन सम्पर्क अभियान चलाकर अपना प्रचार कुल्टी में प्रारंभ किया. इस दौरान डीवाई एफआई की राज्य सचिव कामरेड मीनाक्षी मुखर्जी, पूर्व सांसद बंश गोपाल चौधरी, श्रमिक नेता कामरेड सुजीत भट्टाचार्य, कामरेड विनोद सिंह मुख्य रूप से शामिल थे. रामनगर कोलियरी श्रमिक बहुल क्षेत्र के गांव में घर घर जाकर अपने समर्थन में वोट की अपील की.

25 और 26 को थी होली, पर एक दिन रहा ड्राई डे, 25 को छोड़ चार दिन जमकर हुई शराब की बिकी

होली में एक सप्ताह के दौरान 15 करोड़ की शराब पी गए शौकीन

संवाददाता । धनबाद

होली पर्व पर कोयलांचल में शौकीन एक सप्ताह के दौरान 15 करोड़ की शराब पी गए. 25 और 26 को थी होली, लेकिन एक दिन ही 25 मार्च को ड्राई डे रहा. 25 को छोड़ दो दिन पहले और दो दिन बाद यानि चार दिन जमकर शराब बिकी. धनबाद के शहरी, कोलियरी व ग्रामीण इलाकों में नकली व मिलावटी शराब का भी खूब कारोबार हुआ. पिछले साल की तरह इस बार भी पांच करोड़ का ही लक्ष्य था. शराब पीने वालों की संख्या इस बार काफी बढ़ गई और बिहार से भी कई लोग रिश्तेदारों के घर पहुंचे

- नकली व मिलावटी शराब का भी खूब हुआ कारोबार, लक्ष्य से तीन गुना अधिक बिकी

थे. जिसके कारण इस बार शराब का कारोबार बेहतर रहा. लक्ष्य से तीन गुना शराब अधिक बिकी है. अधिकारियों का अनुमान था कि पिछले साल एक सप्ताह में 12 करोड़ की शराब बिकी थी, इस बार उससे अधिक बिकेगी. होली से पहले तीन दिन में 10 करोड़ की शराब बिकने का अनुमान था, जो उससे अधिक बिकी. पिछले साल तीन दिन में 8 करोड़ 50 लाख का कारोबार हुआ था.

142 दुकानों में खूब बिकी ब्रांडेड अंग्रेजी शराब और बीयर

142 सरकारी शराब दुकानों में एक सप्ताह तक जमकर ब्रांडेड शराब बिकी. हीरापुर, बरटांड़, सरायढेला, बैंकमोड़, झरिया, कतरास, बाघमारा व केंदुआडीह आदि कई इलाकों में शराब के शौकीन दोपहर से रात दस बजे तक शराब की खरीदारी की. इस बार अधिकतर दुकानों में ओवर स्टॉक था. ताकि ग्राहकों को किसी तरह की परेशानी न हो. शराब दुकानों पर मारपीट की घटना न घटे, इसके लिए उत्पाद विभाग और जिला पुलिस की गश्ती टीम निगरानी रख रही थी. अंग्रेजी शराब में सिग्नेचर, रॉयल चैलेंज, रॉयल स्टेग. इंपीरियल ब्लू, ब्लैक डॉग, टीचर्स फिफ्टी, 100 पाइपर्स, रेड लेबल, जॉनी वाकर, ब्लैक लेबल, एंटीक्विटी आदि की बिक्री काफी मात्रा में हुई. बीयर में किंग फिसर, टूबोर्ग, ठंडरबोल्ड, गॉड फादर की डिमांड अधिक थी.

खूब बिकी नकली और मिलावटी शराब

जानकारों का कहना है कि कई सरकारी दुकानों और अवैध तरीके से विभिन्न इलाकों में नकली और मिलावटी शराब की बिक्री जमकर हुई. पिछले एक साल में कंपनी की टीम ने छापामारी कर तीन दुकानों से नकली व मिलावटी शराब पकड़ी थी. जिसे सरकारी दुकान की आड़ में खपाया जा रहा था. इससे कंपनी के साथ-साथ राजस्व का भी नुकसान हो रहा था. उत्पाद विभाग के अधिकारियों की ओर से सरकारी दुकानों में नियमित रूप से जांच नहीं होने के कारण नकली व मिलावटी शराब खपायी गई. सेल्समैन 40 से 50 फीसदी कमीशन पर अवैध धंधेबाजों से शराब लेकर बेचते हैं. जीटी रोड समेत अन्य इलाकों के होटलों, झोपड़ियों, राशन दुकानों व चोरी छिपे जहां-तहां नकली शराब बेची जाती है. छापामारी में कई बार पकड़े भी जाते हैं. हालांकि नकली अवैध का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है.

एसएनएमएमसीएच में आग लगने के बाद 27 दिनों तक बंद रहा डायलिसिस यूनिट

आज से 15 मरीजों का डायलिसिस सदर अस्पताल को मिलेगी राहत

संवाददाता । धनबाद

एसएनएमएमसीएच में एक मार्च को आग लगने के बाद 27 दिनों तक डायलिसिस यूनिट बंद रहा. 27 मार्च बुधवार को दो मरीजों का डायलिसिस ट्रायल के तौर पर शुरू हुआ. विधिवत 28 मार्च से यह शुरू होगा. तीन शिफ्ट में रोजाना 15 मरीजों का डायलिसिस होगा. एक शिफ्ट में पांच मरीज का डायलिसिस किया जाएगा. किडनी संक्रमित रोगियों का एसएनएमएमसीएच के डायलिसिस यूनिट में रोजाना 15 मरीजों का वर्षों से डायलिसिस हो रहा था, लेकिन एक मार्च को डायलिसिस यूनिट के केमिकल गोदाम में अचानक आग लगने से लगभग एक करोड़ की संपत्ति का नुकसान हो गया. जिसकी विभागीय जांच चल रही है. पहले शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया गया, फिर केमिकल गोदाम में बिजली का कनेक्शन नहीं होने से अगलगी पर संदेह जताया है. दोनों रिपोर्ट अस्पताल प्रबंधन की ओर से मुख्यालय भेज दी गई है. आग लगने से आरओ प्लांट और लाखों का केमिकल जल गया था. केमिकल मंगाने व आरओ प्लांट लगाने में 26 दिन लग गए। एसएनएमएमसीएच में डायलिसिस यूनिट शुरू होने से कचहरी रोड स्थित सदर अस्पताल के डायलिसिस यूनिट को राहत मिलेगी.

एसएनएमएमसीएच में बुधवार को दो मरीजों का डायलिसिस किया गया.

27 दिनों में 810 मरीजों का हुआ डायलिसिस

एसएनएमएमसीएच के डायलिसिस सेंटर में एक मार्च को भीषण आग लगने के बाद सदर अस्पताल के डायलिसिस सेंटर में 27 दिनों में 810 मरीजों का डायलिसिस हो चुका है. यहां रोजाना 30 मरीजों का डायलिसिस किया जा रहा है. सदर अस्पताल के डायलिसिस सेंटर में दिन-रात स्वास्थ्य कर्मी मरीजों का उपचार कर रहे हैं. 8 के बदले 12-12 घंटे ड्यूटी कर रहे हैं. डायलिसिस सेंटर के कर्मियों का कहना है कि 15 के जगह 30 मरीजों का डायलिसिस हो रहा है. किडनी रोग से ग्रसित मरीज डायलिसिस की सेवा से संतुष्ट है. सुबह से लेकर देर रात तक मरीजों का यहां डायलिसिस होता है. एसएनएमएमसीएच में डायलिसिस शुरू होने के बाद मरीजों के साथ-साथ यहां के कर्मियों को भी राहत मिलेगी. धनबाद जिला के अलावा गिरिडीह, जामताड़ा, देवघर, पाकुड़ समेत अन्य जिलों के मरीज सदर अस्पताल व एसएनएमएमसीएच में डायलिसिस कराने पहुंचते हैं.

हमारा उद्देश्य है कि सभी मतदाता मतदान करें : डीसी

संवाददाता। धनबाद

- बीसीसीएल, टाटा सहित अन्य उपक्रम के साथ वीएएफ को लेकर बैठक आयोजित

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने बुधवार को भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड, टाटा स्टील, आईआईटी-आईएसएम सहित अन्य उपक्रमों के साथ बैठक की.इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि आगामी लोकसभा चुनाव में जिले के सभी योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल रहे और मतदान के दिन वे अपने घरों से निकलकर मतदान करें. इसके लिए सभी उपक्रमों को अपने यहां वोटर अवेयरनेस फोरम की मीटिंग आयोजित करनी है. साथ ही संस्थान के फर्स्ट टाइम वोटर्स एवं युवा वोटर को मतदान करने के लिए प्रेरित करना है. इसमें संस्थान के मुखिया फोरम के अध्यक्ष रहेंगे और अपनी अध्यक्षता में सभी कर्मचारियों के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवार के 18 वर्ष से अधिक उम्र के सदस्यों का नाम मतदाता सूची में शामिल हो.

सूची में नाम शामिल कर सकते हैं : उपायुक्त ने कहा कि यदि कोई कर्मचारी 6 माह से अधिक समय से यहां कार्यरत है तो वह फॉर्म 6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कर सकते हैं. मतदाता सूची में वोटर हेल्पलाइन एप से सरलता से नाम जुड़ सकता है. कर्मी को उसके संबंधित मतदान केंद्र के बारे में भी दिशा निर्देश देने है. बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी उपक्रमों के प्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र के मतदान केंद्रों में एग्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी सुनिश्चित कराने के लिए सहयोग प्रदान करने का भी निर्देश दिया. बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी जियाउल अंसारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालीदास मुंडा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, जेएसएलपीएस के डीपीएम शैलेश रंजन सहित बीसीसीएल, टाटा स्टील, डीवीसी, आईआईटी आईएसएम, सेल, हर्ल, बीआईटी सिंदरी, ईसीएल, एमपीएल सहित अन्य उपक्रमों के प्रतिनिधि मौजूद थे.

होली के दिन अलग-अलग हादसों में 10 की हो गई मौत

संवाददाता । धनबाद

खास बातें

- डूबने से हुई तीन मौतें , सड़क हादसे में गई सात की जान
- अधिकतर वारदात में नशा बनी वजह, मातम में बदली खुशी

धनबाद में वैसे तो होली का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया. लेकिन अलग-अलग हादसों में दो दिनों में दस लोगों की मौत हुई है. इनमें तीन मौतें नदी, कुएं और तालाब में डूबने की वजह से हुई है. जबकि सात मामलों में सड़क हादसों ने जान ली है. इन सभी वारदातों में अधिकतर मामलों में कहीं न कहीं नशा को कारण माना जा रहा है. वारदात का शिकार बनने वालों में युवक, अधेड़ और एक महिला भी शामिल है. सिंदरी के डोमगढ़ में संजय बाउरी नामक युवक की मौत हो गई. उसके बारे में कहा गया कि वह दोस्तों के साथ होली खेलने के लिए सिंदरी आया था. इसी क्रम में सिंदरी डोमगढ़ में दोस्तों के साथ नहाने चला गया. नशे की हालत में होने की वजह से गहरे पानी में डूब गया. उसे डूबता देखकर कई लोगों ने पानी में उतर उसे बाहर खींचा, अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

इसी तरह तेलीपाड़ा निवासी राकेश कुमार मोदक की जान पंपू तालाब में डूबने से हो गई. राकेश के भाई मुकेश ने पुलिस को बयान दिया कि भाई का दोस्त विशाल उसे बुलाकर होली खेलने के लिए ले गया था. बाद में उन लोगों को खबर मिली कि नशे के कारण राकेश पंपू तालाब में डूब गया है. लोगों ने उसे निकालकर अस्पताल भेजा था, लेकिन वहां उसकी मौत हो गई. इसी तरह बाघमारा में 60 साल के मोनारिक यादव की मौत स्थानीय तालाब में डूबने के कारण हो गई. इन सभी मामलों में फर्दबयान के आधार पर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी. इसके अलावा पेयजल विभाग के कर्मचारी भीम बहादुर की मौत ढांगी मोड़ में सड़क दुर्घटना में हो गई. स्टीलगेट के पीएमसीएच की पानी टंकी में उसकी तैनाती थी. रविवार को दिन में वह अपनी बाइक से जा रहे थे, तभी एक वाहन की चपेट में आ गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. जबकि झाड़ूडीह निवासी एमआर महेश कुमार गुप्ता धैया में सड़क हादसे में जख्मी हो गए. उन्हें बेहतर इलाज के लिए दुर्गापूर ले जाया गया था, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी. निरसा में जहांगीर अंसारी की सड़क दुर्घटना में मौत हुई. चिरकुंडा में गोपाल प्रसाद की भी सड़क हादसे में जान चली गई है. जोडापोखर में रवि प्रकाश नामक युवक वाहन की चपेट में आ गया और उसकी भी मौत हो गई. धनबाद माडा कालोनी के रहने वाले रवि कुमार गुप्ता की सड़क हादसे में मौत हो गई.

बाइक और टेंपो में टक्कर, एक की मौत

मैथन। चिरकुंडा बिजली ऑफिस के पास जीटी रोड पर टेम्पो व बाइक के बीच हुई टक्कर में बाइक सवार गोपाल प्रसाद (56) की मौत हो गई. घटना सोमवार के शाम की है. मृतक गोपाल प्रसाद कुमारधुबी एमबीई कारखाना में कार्यरत थे और एग्यारकुण्ड निवासी थे. वे सोमवार के देर शाम चिरकुंडा से एग्यारकुण्ड अपने घर जा रहे थे. इस दौरान बिजली ऑफिस के पास विपरीत दिशा से तेज गति आ रही मालवाहक टेम्पो ने टक्कर मार दी. जिससे वे सड़क पर गिर गए. आसपास के लोगों द्वारा उन्हें तुरंत स्थानीय निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद उनके घर में रंगों के त्योहार होली मातम में बदल गया.

सीओ-बीडीओ ने प्रखंड कर्मियों को दिलाई शपथ

मैथन । आगामी लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदाताओं के मताधिकार का प्रयोग करने एवं मतदाताओं को प्रेरित करने लिए बुधवार अभियान चलाया गया. एगयरकुण्ड प्रखण्ड कार्यालय में प्रखंड पदाधिकारी एवं प्रखंड कर्मियों को प्रखंड विकास पदाधिकारी मधु कुमार एवं आंचलाधिकारी कृष्णा मरांडी ने मतदाता प्रतिज्ञा पढ़ कर शपथ दिलाई. आंचलाधिकारी कृष्ण मराण्डी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में एगयरकुण्ड प्रखंड के मतदाताओं को जागरूक करना है.

उपायुक्त व एसएसपी के आवास पर होली मिलन का समारोह

धनबाद में जमकर उड़े अबीर गुलाल, होली शांतिपूर्ण संपन्न

संवाददाता । धनबाद

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छिटपुट घटना के साथ रंगोत्सव का त्योहार होली शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया. कोयलांचल में इस बार दो दिन की होली देखने को मिली . शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में होली जमकर खेली गई. इस मौके पर शहर के कॉलोनी व मोहल्लों में लोगों ने आपस में मिलजुल कर एक दूसरे को रंग गुलाल लगाया और एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी.

हालांकि अधिकतर लोगों ने अपने-अपने घरों में ही स्वजनों के साथ रंगोत्सव का त्योहार मनाया. जिला पुलिस भी हुड़दंगियों से निपटने के लिए शहर के बाजार, मोहल्ले व हर चौक -चौराहे पर काफी मुस्तैद दिखी. उधर उपायुक्त और एसएसपी के आवासों पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया.

बाहुबल व धन बल का नहीं होगा उपयोग : एसएसपी

धनबाद । लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व भयमुक्त संपन्न कराने के लिए जिला पुलिस मुख्यालय धनबाद में एसएसपी ह्रदीप पी जनार्दनन ने उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की. इस दौरान उन्होंने कहा कि चुनाव में किसी तरह के बाहुबल व धन बल का उपयोग किसी कीमत पर नहीं करने दिया जाएगा. बैठक में सभी एसडीपीओ, डीएसपी, थाना व ओपी प्रभारी उपस्थित थे. समीक्षा बैठक के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव को भयमुक्त, शांतिपूर्ण तथा सुरक्षित माहौल में सम्पन्न कराने के लिए विधि-व्यवस्था, सुरक्षा बल की प्रतिनियुक्ति व सुरक्षा बलों के आवासन को लेकर चर्चा की गई. एसएसपी ने चुनाव के दौरान अपराध पर रोकथाम, उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावी अभियान, सभी मतदान केंद्रों का एरिया डोमिनेशन को लेकर सभी पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिया. जिले से सटे सभी सीमाओं पर विशेष चौकसी बरतने, क्षेत्र में पेट्रोलिंग गश्त बढ़ाने को कहा गया.

हथियार के साथ एक गिरफ्तार, एक फरार

धनबाद। झरिया के जोड़ापोखर थाना अंतर्गत 26 मार्च को वाहन चेकिंग के दौरान जामाडोबा टीओपी के समीप जोड़ापोखर पुलिस ने हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है. यह जानकारी 27 मार्च को जोड़ापोखर थाना में सिंदरी एसडीपीओ भूपेन्द्र प्रसाद राउत ने प्रेस वार्ता के दौरान दी . उन्होंने बताया कि 26 मार्च को जोड़ापोखर थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा के निर्देश पर जामाडोबा टीओपी के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया था . इस दौरान एक बाइक सवार काफी तेज रफ्तार से आ रहा था. पुलिस ने जब रुकने का इशारा दिया तो वह गाड़ी घुमा कर भागने लगा जिसमे वह गिर पड़ा . बाइक पर दो युवक सवार थे. एक फरार हो गया. पुलिस ने जब युवक की तलाशी ली तो उसके पास से बिना मैगजीन और गोली के एक देसी पिस्टल बरामद हुई.

प्रतिष्ठित व्यवसायी केजरीवाल के निधन से शोक

बराकर। बराकर के प्रतिष्ठित व्यवसाई सह मारवाड़ी समाज के वरिष्ठ पंच विश्वनाथ केजरीवाल के निधन से समाज में शोक की लहर है. बराकर हाट तल्ला निवासी स्वर्गीय विश्वनाथ केजरीवाल कई दिनों पहले बीमार चल रहे थे. पच्चीस मार्च की संध्या उन्होंने अपने निवास में अंतिम सांस ली. वहीं 26 मार्च को उनका अंतिम संस्कार बराकर नदी तट स्थित मारवाड़ी श्मशान घाट पर किया गया. उनकी अंतिम यात्रा में बराकर के पंचायती समाज मंदिर कमेटी, स्थानीय समाजसेवी संस्था के सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की.

गौरांग मंदिर का सतवार्षिक समारोह शुरू

बराकर । बराकर के बैगुनिया स्थित गौरांग मंदिर का सतवार्षिक समारोह शंख ध्वनि तथा भजनों के साथ आरंभ हुआ. यह समारोह बराकर शहर के बेगूनिया स्थित गौरांग मंदिर के100 वर्ष पूरा होने पर आयोजित किया जा रहा है. इस अवसर पर 15 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. गौरांग मंदिर की स्थापना दिवंगत साधु श्री श्री 108 सीताराम बाबा द्वारा किया गया था. कार्यक्रम का उद्घाटन मिथिला से आए शंकराचार्य के शिष्य निभा प्रकाश और आलोक प्रकाश ने किया. इस अवसर पर स्थानीय महिलाओं द्वारा भव्य शंख ध्वनिकर कार्यक्रम का आगाज किया गया. इसके पश्चात स्थानीय भजन गायक टीवी कलाकार सुजीत लायक तथा सुमोना लायक ने उद्घाटन भजन प्रस्तुत किया. इसके बाद स्वर्गीय साधु श्री सीताराम बाबा के जीवन पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया गया. इस दौरान कार्यक्रम में पधारे शिष्यों ने अपने अपने विचार रखे. वही गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया. इसके पश्चात महाप्रभु के मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना की गई.

लोकसभा चुनाव

उपायुक्त की श्रमिक संगठन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न

श्रमिकों से लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लेने की अपील

संवाददाता । धनबाद

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में बुधवार को श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी श्रमिक संगठन वोटर अवेयरनेस फोरम की मीटिंग आयोजित कर यह सुनिश्चित करें कि सभी श्रमिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल हैं. यदि किसी श्रमिक का नाम मतदाता सूची में नहीं है तो अनुमंडल पदाधिकारी या संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी अथवा अंचल अधिकारी से संपर्क कर उनका नाम मतदाता सूची में जोड़

सकते हैं. उपायुक्त ने कहा कि मतदान के दिन कोई भी श्रमिक मतदान करने से वंचित नहीं होना चाहिए. मतदान के दिन छुट्टी नहीं है. आयोग भी धनबाद और झरिया में कम मतदान प्रतिशत पर गंभीर है. इसलिए श्रमिकों को जागरूक करें. उन्हें बूथ की जानकारी दें. कोई भी परेशानी होने पर वरीय पदाधिकारी से संपर्क कर उसका समाधान करें. श्रमिकों को मतदान के प्रति जागरूक करने में श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी अपेक्षित है. स्वीप एक्टिविटी के तहत श्रमिकों को मतदान करने की शपथ दिलाए, हस्ताक्षर अभियान चलाए और उनको मतदान करने के लिए प्रेरित करें. जिला प्रशासन भी सभी श्रमिकों से लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लेने की अपील करता है.

वोटर हेल्पलाइन एप से भी नाम जुड़ सकता है : उपायुक्त ने कहा कि यदि कोई श्रमिक 6 माह से अधिक समय से यहां कार्यरत है तो फॉर्म 6 भरकर उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कर सकते है. वोटर हेल्पलाइन एप से भी नाम जुड़ सकता है. बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालीदास मुंडा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, सहायक श्रमायुक्त रंजीत कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह सहित असंगठित मजदूर मोर्चा के निताय महतो, भारतीय मजदूर संघ के बलदेव महतो, राष्ट्रीय जनता श्रमिक संघ के अवधेश कुमार, उदय शर्मा, आरसीएमएस इंटक के आरएस तिवारी, कोल इंडिया आईटीआई एम्पलाइज एसोसिएशन के राजेंद्र प्रसाद, जनार्दन प्रसाद, झारखंड विद्युत मानव दिवस कर्मी संघ के दिलीप कुमार दुबे, झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के हराधन रजवार, सीटू के आनंद मॉय पॉल, भारतीय उर्वरक श्रमिक संघ के जयदेव महतो, विष्णु महतो, बीएमएस के प्रभाकर कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास श्रमिक संघ के मकरू महतो उपस्थित थे.

लोस चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जागरूकता रैली का आयोजन

नगर आयुक्त ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को किया रवाना

संवाददाता । धनबाद

उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र स्वीप कोषांग द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई. जागरूकता रैली को वरीय पदाधिकारी स्वीप कोषांग सह नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. जागरूकता रैली सुबह सात बजे धनबाद के बस स्टैंड से शुरू होकर हीरापुर होते हुए रणधीर वर्मा चौक तक गई. जिसमें सैकड़ों की संख्या में सफाईकर्मी शामिल होकर आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक किया.

मौके पर नगर आयुक्त ने कहा कि स्वीप अभियान के तहत लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता लाने के लिए यह कार्यक्रम किया गया. नगर आयुक्त ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है वह अपना नाम जरूर जुड़वाँ लें.उन्होंने बताया कि 27 अप्रैल तक नाम जोड़ा जाएगा जो ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से जोड़ा जा रहा है जबकि वोटर हेल्पलाइन के माध्यम से अपना नाम जोड़ सकते हैं. धनबाद में होने वाले 25 मई को लोकसभा चुनाव में अपना मत का प्रयोग जरूर करें. रैली में नगर आयुक्त रविराज शर्मा, सहायक नगर आयुक्त संतोषणी मुर्मू, सफाई कर्मियों के साथ शामिल हुए .

ब्रीफ खबरें

सड़क सुरक्षा की जानकारी दी गई

साहिबगंज। बुधवार को सड़क दुर्घटनाओं के कारणों और इसे रोकने उपायों के संबंध में जिला परिवहन, जिला सड़क सुरक्षा समिति और जिला सड़क सुरक्षा विशेष टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में की गई. उपायुक्त सती ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि अधिक दुर्घटना होने वाले स्थानों को चिह्नित करते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी परिवहन अधिकारी एवं यातायात निरीक्षक द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया जाए. कहा गया कि बोरिया, तीनपहाड़, राजमहल सड़क पर कैट आई अथवा सन रिफ्लेक्टर लगाना जरुरी है.

ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक की मौत

पाकुड़। पाकुड़ शहर के बिजली विभाग के समीप जन वितरण प्रणाली के ट्रैक्टर से साइकिल सवार बुजुर्ग की धक्का लगने से मौके पर ही मौत हो गई. स्थानीय लोगों ने आक्रोशित होकर सड़क को जाम कर दिया . इसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची एवं जाम को हटाया तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोना जोड़ी सदर अस्पताल भेज दिया. मृत व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है. पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है.

अगलगी में लाखों के सामान खाक हुए

साहिबगंज। उधवा प्रखंड राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण बेगमगंज के गियासटोला गांव में मंगलवार की देर रात अचानक आग लगने से एक घर जलकर राख हो गया. घटना में नगदी सहित लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है. हालांकि आग कैसे लगी इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है. जानकारी के अनुसार गियासटोला गांव के याराफात शेख की पत्नी चार बच्चों के साथ घर में सो रहे थे. तभी बुधवार रात करीब ढाई बजे उनके घर अचानक आग लग गई. शोरगुल होने पर ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गए. लोगों ने आग बुझाने की काफी कोशिश की पर असफल रहे.

दुर्घटनाग्रस्त बाइक के साथ अज्ञात शव मिला

डुमरी। डुमरी-गिरिडीह पथ के मधुबन थाना क्षेत्र के झारखंड मोड़ कसमाकुरहा के पास दुर्घटनाग्रस्त बाइक के साथ एक अज्ञात शव मिला है. सुबह टहलने निकले लोगों ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक के पास शव देखा. यह घटना 25 मार्च की है. उसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई. सूचना पाकर मधुबन पुलिस घटना स्थल पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर थाना ले गयी साथ ही आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेज दिया. शव की शिनाख्त बेंगाबाद निवासी बासुदेव महतो के पुत्र रंजीत महतो (40) के रूप में हुई है, जो बगोदर से वापस अपने घर जा रहा था.

बाइक पर लदी शराब की बोतलें जब्त की

गोड्डा। गोड्डा से बिहार के बांका जिले में प्रवेश करने से पूर्व बॉर्डर पर चेकिंग के क्रम में एक बाइक पर लदे अंग्रेजी शराब की बोतलें जब्त की गई. बीते मंगलवार की शाम मोतिया ओपी पुलिस खटनई चेकपोस्ट पर आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रही थी. इसी क्रम में गोड्डा की तरफ से एक बाइक सवार काफी तेजी से बिहार की सीमा में प्रवेश कर रहा था. बॉर्डर पर चेकिंग होता देख बाइक सवार अपनी बाइक को सड़क किनारे खड़ी कर भाग निकला.

हथियार व ऑल्टो कार के साथ आरोपी गिरफ्तार, एक देसी पिस्तौल, जिंदा कारतूस भी बरामद

राजमहल में होली पार्टी में हत्या का 24 घंटे के अंदर खुलासा

संवाददाता । साहिबगंज

जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के मंगलहाट मलाहीटोला निवासी पांडव मंडल की हत्या का राजमहल पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर लिया है. इस मामले को लेकर एसडीपीओ कार्यालय में एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर जानकारी दी. पुलिस ने हथियार व हत्या में प्रयुक्त ऑल्टो कार के साथ हत्या के आरोपी सुबेश मंडल को गिरफ्तार कर लिया. बता दें कि होली पार्टी के दौरान पैसे के लेनदेन को लेकर उत्पन्न विवाद में दोस्त ने ही उसे गोली मार दी थी.एसडीपीओ त्रिपाठी ने बताया कि पांडव मंडल की हत्या मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए सघन छापेमारी कर 24 घंटे के अंदर कांड का उद्भेदन किया गया.

पैसे के लेनदेन पर विवाद : इस मामले में पैसे के लेनदेन को लेकर उत्पन्न विवाद में सुबेश मंडल नामक युवक ने अपने ही दोस्त पांडव मंडल की हत्या कर दी है.वहीं पुलिस ने छापेमारी कर एक देसी पिस्तौल, जिंदा कारतूस के साथ सुबेश मंडल को गिरफ्तार कर लिया. हत्या के दौरान उपयोग में प्रयुक्त ऑल्टो कार को भी जब्त की गई है. छापेमारी दल में पुलिस इंस्पेक्टर श्यामलाल हांसदा, थाना प्रभारी गुलाम सरवर, सब इंस्पेक्टर पंकज कुमार दुबे, बिट्टू कुमार साहा, नितेश कुमार पांडे व ददन कुमार साहा शामिल थे.हत्या के नामजद अभियुक्त सुबेश मंडल ने अपने ही मित्र मृतक पांडव मंडल के नाम से बैंक से लोन लेकर मुर्गी फार्म खोला था. 40 हजार रुपए के लिए विवाद हुआ था. होली की पार्टी के बाद दोनों कार में बैठकर गाना सुन रहे थे. इसी दौरान पैसे की मांग को लेकर फिर विवाद हुआ और सुबेश ने उसे गोली मार दी. इससे पांडव मंडल की मौत हो गयी

नहाने गए दो युवकों की तालाब में डूबने से मौत

गोड्डा। होली में देखते ही देखते दो घरों की खुशियां मातम में बदल गई. घटना गोड्डा जिला के मेहरमा थाना अंतर्गत भगैया के समीप ग्राम हीरखुटहरी की है. मंगलवार को गांव में होली खेली जा रही थी. एक दूसरे को रंग अबीर लगाने के बाद दोपहर बाद सभी अपने अपने घर स्नान करने चले गए. गांव के ही दो युवक दीपांकर कुमार, रौशन कुमार भी अपने अन्य साथियों के साथ गांव के दुर्गा पोखर में नहाने चले गए. नहाने के क्रम में दीपांकर गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा. यह देख दूसरा साथी रौनक कुमार ने अपने डूबते दोस्त को बचाने के लिए गहरे पानी में चला गया. दोनों एक दूसरे को बचाने के क्रम में डूबते चले गए. बाकी लड़कों ने यह देख कर तुरंत गांव आकर जानकारी दी. इस पर गांव वाले काफी संख्या में पहुंचकर पानी में दोनों को खोजने लगे. पहले एक लड़के को पानी से निकालकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. बाद में दूसरे लड़के को भी खोज निकाला गया. मगर उसकी भी मौत हो चुकी थी. एक साथ दो युवकों की मृत्यु हो जाने की खबर के बाद पूरा गांव शोक में डूब गया. घटना की खबर पर मेहरमा पुलिस भी पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया. त्योहार की खुशियां पल भर में ही काफूर हो चुकी थी. स्थानीय विधायक दीपिका पाण्डेय ने भी पीड़ित परिवार से मिलकर अपनी संवेदना व्यक्त की है.

डुमरी रेफरल अस्पताल की घटना

बंध्याकरण ऑपरेशन में महिला की मौत, लापरवाही का आरोप

संवाददाता । डुमरी (गिरिडीह)

डुमरी रेफरल अस्पताल में बंध्याकरण ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत की खबर है. इस मामले में डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया गया है. बताया गया कि ऑपरेशन के बाद चैनपुर के बेलवाटोगरी निवासी दुरलचंद महतो की पत्नी शोभा कुमारी की मौत हो गई. महिला का ऑपरेशन 16 फरवरी को रेफरल अस्पताल के डॉ. आशीष कुमार ने किया था. तबीयत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे एसएनएमएमसीएच धनबाद और वहां से रिम्स रांची रेफर कर दिया गया था. रिम्स में इलाज के दौरान 25 मार्च को उसने अंतिम सांस ली. गुस्साए परिजनों व ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों के साथ शव को रांची से लाकर सोमवार को रेफरल अस्पताल डुमरी के मुख्य द्वार पर रखकर जोरदार प्रदर्शन किया.

परिजनों व ग्रामीणों से बातचीत की

सूचना पाकर एसडीओ मोहम्मद शहजाद परवेज, एसडीपीओ सुमित प्रसाद अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और आंदोलन कर रहे परिजनों व ग्रामीणों से बातचीत की. कई दौर की वार्ता के बाद सरकारी प्रावधान के अनुरूप चार लाख रुपए मुआवजा व नकद एक लाख रुपए की अतिरिक्त राशि देने पर सहमति बनी. प्रशासन की ओर से परिजनों को नकद 50 हजार रुपये तत्काल दिया गया और 50 हजार रुपए शीघ्र देने की बात कही. इसके बाद आंदोलन समाप्त किया गया. वार्ता में सीओ शशिभूषण वर्मा, रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेश महतो, डुमरी थाना के इंस्पेक्टर मनोज कुमार, निमियाघाट थाना प्रभारी राणा जंग बहादुर सिंह आदि शामिल थे.

परिजनों-ग्रामीणों का हंगामा

मुआवजा पर बनी सहमति

दो दिन बाद फूलने लगा था महिला का पेट

परिजनों ने बताया कि ऑपरेशन के अगले दिन महिला अपने घर चली गई. दो दिन के बाद महिला का पेट फूलने लगा. परिजन उसे लेकर रेफरल अस्पताल पहुंचे. जांच में डॉक्टरों ने पाया कि ऑपरेशन के दौरान महिला की मल और पेशाब की नाली कट गई थी. डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच, धनबाद रेफर कर दिया. वहां ले जाने पर उसे रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया था.

दो देसी कट्टे के साथ युवक को किया गिरफ्तार

संवाददाता । साहिबगंज

बुधवार को जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र में अवैध दो देसी कट्टे के साथ एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. घटना थाना क्षेत्र के सोती चौकी पांगड़ो की है.जहां ग्रामीणों ने जिरवाबाड़ी पुलिस को सूचना दी कि गांव में जंगलू मुंडा (पिता स्व. बुधवा मुंडा) नाम का युवक हथियार का भय दिखाकर लोगों के साथ मारपीट कर रहा है. घटना की सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय ने मामला दर्ज कर इसकी जानकारी वरीय पुलिस पदाधिकारी को दी. वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर छापामारी दल का गठन कर जंगलू मुंडा के घर पर छापेमारी के लिए सशस्त्र पुलिस बल भेजा गया.इस मामले को लेकर जिरवाबाड़ी थाना परिसर में प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने बताया कि सोती चौकी पांगड़ो छापेमारी के लिए पहुंची पुलिस को देखते ही कोहराम मचा रहा युवक जंगलू वहां से भागने की कोशिश करने लगा. जिसे सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने खदेड़कर पकड़ लिया. फिर उपस्थित ग्रामीणों के समक्ष विधिवत तलाशी लिए जाने पर जंगलू के पासे से दो अवैध देसी कट्टे बरामद किए गए. इस छापामारी टीम में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय, पुअनि संजीत कुमार मिश्रा, आरक्षी सुभाष मरांडी, आरक्षी उमेश्वर साव तथा अन्य मौजूद थे.

एसडीपीओ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी

चुनाव को लेकर बंगाल-झारखंड सीमा पर पुलिस कप्तान ने औचक निरीक्षण किया

असामाजिक तत्वों पर रखें नजर

संवाददाता । साहिबगंज

बरहरवा प्रखंड में लोकसभा चुनाव को लेकर बंगाल-झारखंड सीमा पर विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस कप्तान गौरव कुमार ने मंगलवार को फुटानी मोड़, लाधो पाडा सहित कई स्थानों पर स्थापित चेक नाका का औचक निरीक्षण किया.वहीं निरीक्षण के क्रम में गौरव कुमार ने चेक नाका पर प्रति नियुक्त सेक्टर मजिस्ट्रेट खनन विभाग के मजिस्ट्रेट तथा वहां पर मौजूद एसएसबी के जवानों से क्षेत्र में विधि व्यवस्था की जानकारी ली. साथ ही नियमित रूप से वाहन चेकिंग करने तथा आपराधिक गतिविधि पर नाकेल कसने के लिए असमाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया.

हर दिन हो वाहनों की चेकिंग : निरीक्षण के दौरान उन्होंने चेक नाका पर मौजूद पुलिस पदाधिकारी शिशिर यादव एवं रामप्रसाद चौधरी, एसएसबी के जवानों को प्रत्येक दिन वाहनों की चेकिंग कर संबंधित रजिस्टरों का नियमित रूप से संधारण करने की बात कही. साथ ही इसकी सूचना विभाग के आला अधिकारी को देने सहित कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए.वहीं श्री कुमार ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात सभी विभाग के पदाधिकारी एवं जवानों को यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी प्रकार से क्षेत्र में कोई आपराधिक गतिविधि न होने पाए . उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना आप सभी का प्रमुख दायित्व है, इसमें कोताही बरतने पर किसी भी पदाधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

ड्यूटी की सराहना की

इस दौरान फुटानी मोड चेक नाका पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पुलिस कप्तान ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर जिला प्रशासन कटिबंध है .इसी उद्देश्य से बंगाल झारखंड की सीमा से लगे बरहरवा,कोटालपोखर तथा राधानगर थाना क्षेत्र मे जिला प्रशासन की ओर से स्थापित किए गए सभी चेकनाका का निरीक्षण किया जा रहा है .निरीक्षण के क्रम में उन्होंने चेक पदाधिकारी तथा एसएसबी के जवानों की ड्यूटी की सराहना की .इस दौरान उनके साथ राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी, एएसआई शिव कुमार यादव,थाना प्रभारी बरहरवा सुमित कुमार सिंह, एएसआई सी . यादव, एसएसबी के सब इंस्पेक्टर सुखदेव राज,कांस्टेबल नेल्सन इंदौर,धनंजय कुमार गुप्ता, उमेश कुमार यादव, बरहरवा थाना के सब इंस्पेक्टर मौजूद थे .

उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर एआरओ और नोडल पदाधिकारियों को मिली ट्रेनिंग

आईटी एप्लीकेशन का दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता । बोकारो

एआरओ एवं नोडल पदाधिकारियों को बुधवार को आइटी एप्लीकेशन का प्रशिक्षण दिया गया. यह प्रशिक्षण बोकारो जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर दिया गया.समाहरणालय सभागार में गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों एवं बोकारो जिला अंतर्गत धनबाद लोकसभा क्षेत्र में आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के सहायक निर्वाची पदाधिकारियों (एआरओ) एवं विभिन्न विभागों, कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों को इंफारमेशन टेक्नोलाजी एप्लीकेशन (आइटी एप) का प्रशिक्षण दिया गया. मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार, सहायक निर्वाची पदाधिकारी, गिरिडीह सह अनुमण्डल पदाधिकारी गिरिडीह विशाल दीप खालखो, सहायक निर्वाची पदाधिकारी डुमरी सह अनुमण्डल पदाधिकारी डुमरी मो. सहजात परवेज, सहायक निर्वाची पदाधिकारी गोमिया सह अपर समाहर्ता बोकारो मो. मुमताज अंसारी, सहायक निर्वाचन पदाधिकारी बेरमो सह अनुमण्डल पदाधिकारी बेरमो (तेनुघाट) अशोक कुमार, सहायक निर्वाची पदाधिकारी बोकारो सह अनुमण्डल पदाधिकारी चास ओम प्रकाश गुप्ता, सहायक निर्वाचन पदाधिकारी चंदनकियारी सह भूमि सुधार उपसमाहर्ता चास प्रभास दत्ता, सहायक निर्वाची पदाधिकारी बाघमारा सह निदेशक धनबाद डीआरडीए राजीव रंजन एवं सहायक निर्वाची पदाधिकारी टुंडी सह भूमि सुधार उप समाहर्ता धनबाद, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रतिभा कुजूर आदि उपस्थित थे.

आइटी एप्लीकेशन की अहम भूमिका : बतौर प्रशिक्षक जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी (डीआइओ) धनंजय कुमार ने कहा कि लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में कार्यों के निष्पादन में आइटी एप्लीकेशन की अहम भूमिका है. ज्यादातर मामलों में एआरओ नोडल पदाधिकारियों को आनलाइन एप के माध्यम से ही आपत्ति, अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करना है. प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित सभी सहायक निर्वाची पदाधिकारियों, विभिन्न संबंधित विभागों, कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों को आइटी एप्लीकेशन का प्रशिक्षण दिया गया. इसके अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण आइटी एप्लीकेशन की जानकारी एवं संचालन के संबंध में बताया गया.

मौके पर ये उपस्थित थे : मौके पर नोडल पदाधिकारी परिवहन कोषांग वंदना शेजवलकर, नोडल पदाधिकारी राजस्व विभाग द्वारिका बैठा, नोडल पदाधिकारी पीडब्लूडी विभाग अजित कुमार सिंह, नोडल पदाधिकारी पुलिस विभाग प्रवीण कुमार सिंह, नोडल पदाधिकारी भवन प्रमण्डल रोशन हेरेंज, नोडल पदाधिकारी अग्निशमन विभाग अनिल कुमार, मीडिया कोषांग के सहयोगी पदाधिकारी सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ अरविन्द कुमार, सहयोगी पदाधिकारी पंकज दूबे समेत अन्य उपस्थित थे.

डीपीएस बोकारो विद्यालय परिवार के सदस्यों ने नृत्य व संगीत में दिखाई अपनी प्रतिभा

रंगों की बजाय फूलों की पंखुड़ियों से खेली गई ब्रज होली

संवाददाता । बोकारो

दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में ब्रज-होली की तर्ज पर बुधवार को होली खेली गई. होली मिलन समारोह के इस विशेष आयोजन की खासियत यह रही कि शिक्षकों सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने रासायनिक रंगों की बजाय पर्यावरण के अनुकूल फूलों की पंखुड़ियों का इस्तेमाल किया. इको-फ्रेंडली इस होली का सभी ने जमकर आनंद लिया. प्राचार्य, उपप्राचार्य, प्रधानाध्यापक व प्रधानाध्यापिकाओं सहित सभी शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मियों ने एक-दूसरे पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाकर होली के आनंद में एक नए रंग का रस घोल दिया. पूरा विद्यालय परिसर फूलों की सुगंध से सुगंधित बना रहा.

इस अवसर पर गीत-संगीत और नृत्य में शिक्षकों सहित विद्यालय परिवार के सदस्यों ने जमकर अपनी प्रतिभा दिखाई और रंगोत्सव की खुशी को अपने उत्साह के रंग से सराबोर कर दिया. विद्यालय के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने भी शिक्षकों की प्रस्तुतियों में संग देकर उनका मनोबल बढ़ाया. अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय संस्कृति और होली की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारा, एकता, प्रेम, सौहार्द और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला यह त्योहार आज वैश्विक पर्व बन चुका है. उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विविधता और समृद्ध परंपरा वास्तव में हमारी धरोहर है. इस दौरान प्राइमरी व सीनियर विंग के शिक्षकों ने अलग-अलग समूहों में आज बिरज में होली रे रसिया, होली खेले रघुवीरा, होली आई रे कन्हाई, आज न छोड़ेंगे बस हमजोली, होली के दिन दिल मिल जाते हैं खेलत रंग गुजरिया हो मधुबन में आदि फिल्मी व पारंपरिक गीतों की सुरीली प्रस्तुति दी. डीपीएस बोकारो द्वारा अभिवंचित वर्ग के बच्चों के शिक्षार्थ संचालित दीपांश शिक्षा केन्द्र की शिक्षिकाओं ने भी नृत्य प्रस्तुति से सबकी सराहना पाई. इस दौरान होलियाना थीम पर मंच और विद्यालय परिसर की साज-सज्जा अपने-आप में आकर्षक बनी रही.

केबी कॉलेज में सम्मान समारोह, छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित

सम्मान से विद्यार्थियों के मनोबल और उत्साह में वृद्धि होती है : प्राचार्य

संवाददाता । कथारा (बोकारो)

बेरमो के जारंगडीह स्थित केबी कॉलेज में बुधवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया. सम्मान समारोह कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने किया. इस कार्यक्रम में सेमेस्टर पांच के उत्कृष्ट प्राप्तांक, नियमित क्लास, पुस्तकालय में नियमित उपस्थिति, विभाग के कार्यक्रम एवं सेमिनार में शत प्रतिशत सहभागिता और अनुशासन के साथ शिक्षा ग्रहण करनेवाले छात्र छात्राओं को प्राचार्य के द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया. सम्मानित होने वाले सेमेस्टर पांच के छात्र-छात्राओं में ऑनर्स पाठयक्रम में चांदनी कुमारी, सोनाली कुमारी, तरन्नुम निशा एवं जेनरल पाठयक्रम में सुमन कुमारी, मिलन कुमार गुप्ता, कन्हैया रजवार को मेडल और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया. इस दौरान प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने कहा प्रतिभा का सम्मान किए जाने से छात्र छात्राओं में मनोबल और उत्साह बढ़ता है. हर माता पिता की उम्मीद होती है कि उनकी संतान बेहतर करें. विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग डॉ प्रभाकर कुमार ने कहा विद्यार्थियों के हौसले को पंख देने के लिए प्रतिभा सम्मान का आयोजन विभाग द्वारा हर साल आयोजित किया जाता है. इस दौरान प्रो गोपाल प्रजापति, डॉ अरुण कुमार रॉय महतो, रविंद्र कुमार दास समेत सेमेस्टर छह के छात्र छात्रा उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

फेसबुक पर बनाया पलामू डीसी का फर्जी अकाउंट

मेदिनीनगर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह पलामू डीसी के नाम से किसी अज्ञात व्यक्ति ने फर्जी अकाउंट बनाया है. कई लोगों को इस अकाउंट से फ्रेंड रिक्वेस्ट भी भेजा जा रहा है. वहीं कई लोग इससे जुड़ भी चुके हैं. इसे लेकर पलामूवासियों से सावधान रहने की अपील की गई है. अपील में कहा गया है कि इस तरह से किसी भी फर्जी अकाउंट से कोई भी मैसेज आने पर किसी तरह की प्रतिक्रिया न दें, साथ ही फर्जी अकाउंट को ब्लॉक करें. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से जारी बयान में कहा गया है कि जिला प्रशासन द्वारा इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है.

पोस्ते की फसल को पुलिस ने किया नष्ट

गुमला। थाना क्षेत्र के टीटीही भौमाटोली के समीप जंगली इलाका में 30 हजार स्कवायर फीट जमीन पर लगे पोस्ते की खेती को कामडारा पुलिस ने मंगलवार को नष्ट कर दिया. थाना प्रभारी शशि प्रकाश ने बताया कि टीटीही भंडार टोली में फुलचंद साहू 51 वर्ष द्वारा अफीम की खेती किए जाने की कामडारा थाना की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी. सूचना के सत्यापन के लिए बसिया एसडीपीओ नाजीर अख्तर के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया और छापामारी अभियान चलाकर अफीम की खेती को नष्ट किया गया और फुलचंद साहू को गिरफ्तार कर गुमला जेल भेज दिया गया.

थाना में ही करा दिया जा रहा है समझौता

चंदवा(लातेहार)। चंदवा थाना में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन देने के बाद एक पक्ष से समझौता करा देने का मामला प्रकाश में आया है. 24 मार्च को चंदवा थाना क्षेत्र के दो लोग सुरेंद्र सिंह, अलौंदिया और ललन राम, हरैया का चंदवा के कुछ लोगों के साथ मारपीट हुआ था. इसे लेकर दोनों ने चंदवा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया था. आरोप है कि सुरेंद्र का विपक्षी पक्ष से समझौता करा दिया. जबकि ललन के मामले में न तो उसका किसी कोई समझौता किया गया है और ना ही ललन राम को कोई आवेदन का कोई रिसिविंग दिया गया.

पुलिस ने बरामद किया लाखों का गांजा

संजीत यादव। मेदिनीनगर

त्योहारी सीजन में पलामू पुलिस ने अलग-अलग मामलों में करीब 58 लाख का गांजा, कई नशीली दवाएं,एक देसी रिवाल्वर के अलावा एक देशी कट्टा बरामद किया है. साथ ही एक महिला सहित आठआरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा. जो कार्रवाई पलामू पुलिस ने की है, उन सभी का मामलों का एक-एक कर पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने खुलासा किया है.

ब्राउन शुगर तस्करी के आरोप में तीन गिरफ्तार

गुमला। रायडीह थाना परिसर में होली पूर्व हुई शांति समिति की बैठक में सदस्यों द्वारा उठाए गए सवाल पर पुलिस ने गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए ब्राउन शूगर के कारोबार में संलिप्त तीन युवकों को गिरफ्तार किया है. एसडीपीओ अमिता लकड़ा ने रायडीह थाना में प्रेस वार्ता में बताया कि मोटरसाइकिल और स्कूटी में कुछ युवकों द्वारा ब्राउन सुगर का पुड़िया नेकर गुमला से रायडीह की ओर आने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी. इसकी जानकारी एसपी को दी गई और एसपी के निर्देश पर छापामारी दल का गठन किया गया. गठित दल के अधिकारी व जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के वासुदेव कोना ग्राम के पहाड़ी रास्ते से आ रहे स्कूटी व मोटर साइकिल सवार को रोक कर पूछताछ की.

इन मामलों का किया खुलासा

पहला मामला : एसपी ने बताया कि लेस्लीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कोर्ट खास गांव से करीब 26 लाख रुपये का गांजा, नशीले टैबलेट व प्रतिबंधित सिरप बरामद किया है. इस मामले में पुलिस ने विष्णु सिंह (68) व उसकी पत्नी फुलेश्वरी देवी (64) को गिरफ्तार किया है. पुलिस की छापेमारी में दंपति के घर कोर्ट खास गांव में गांजा 4 किलो 400 ग्राम, प्रतिबंधित सिरप 141 बोतल (प्रत्येक बोतल 400 एमएल की), 4590 टैबलेट, छोटा तराजू 200, 100, 20, 10, ग्राम के बाट और 15350 रुपये बरामद किए हैं. एसपी ने बताया कि आरोपित विष्णु सिंह के खिलाफ लेस्लीगंज थाना में दो मामले दर्ज हैं. उसका पुत्र एनडीपीएस केस में फिलहाल जेल में है. एसपी ने बताया कि गिरफ्तार दंपति होलसेलर के तौर पर नशीले पदार्थों की बिक्री करता था और उसके यहां से रिटेल में बेचने वाले खरीद कर ले जाते थे. मौके पर लेस्लीगंज एसडीपीओ, लेस्लीगंज थाना प्रभारी सहित पुलिस जवान शामिल थे.

दूसरा मामला : एसपी ने बताया कि लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी. इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के झरना टोला में युवक हथियार के बल पर राहगीरों को डरा धमका रहा है. चेकिंग अभियान में तैनात सब इंस्पेक्टर विक्रम शील ने मौके पर छापेमारी कर हरिशंकर राम नाम के युवक को गिरफ्तार किया, जिसके पास से पुलिस ने एक देसी रिवाल्वर बरामद किया है.

तीसरा मामला : एसपी ने बताया कि तरहसी थाना क्षेत्र के रहने वाले अंकित सिंह नाम के युवक को पालमू पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया हैं. अंकित सिंह होली में खुलेआम हथियार लहराते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड किया था. फोटो वायरल होने के बाद पुलिस को जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस ने छापेमारी करते हुए हथियार लहरा रहे युवक अंकित सिंह को गिरफ्तार किया गया है.

चौथा मामला : एसपी ने बताया कि ओडिशा के रहने वाले चार गांजा तस्कर ओडिशा से 50 किलो गांजा लेकर उत्तर प्रदेश बेचने जा रहे थे. पलामू पुलिस को इसकी सूचना मिली थी कि मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के प्राइवेट बस स्टैंड से गांजा की एक बड़ी खेप की तस्करी होने वाली है. इसी सूचना के आलोक में पुलिस ने छापेमारी कर मोहन सिनेमा बस स्टैंड से चार तस्करों को गिरफ्तार किया. जिनके पास से 50 किलो गांजा बरामद हुआ है. उनके पास से तीन मोबाइल बरामद किया है. गिरफ्तार तस्करों ने पलामू पुलिस के समक्ष कई खुलासे किए हैं. गिरफ्तार तस्कर तपस कुमार माला ओडिशा के कांटाबड़िया थाना क्षेत्र के मंगलपुर, सुगनयन कुमार बौद्ध जिला के मानोमुंडा थाना क्षेत्र के झिकरपानी, प्रफुल्ल राणा ओडिशा के बौद्ध जिला के घंटापोडा थाना क्षेत्र के सुकराभाटा, कृष चंद्र महाकुड़ ओडिशा के सुवर्णपुर जिला के कोसूरपोली के रहने वाले हैं. एसपी ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों ने पुलिस को कई जानकारी दी है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है. तस्करों ने एक जेपी सिंह नाम के व्यक्ति के बारे में बताया है, जो पूरे नेटवर्क का किंग मैन है. छापेमारी में टाउन थाना प्रभारी देवव्र पोद्दार, सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार, संदीप कुमार भारती, गुलशन बिरुआ समेत कई पुलिस अधिकारी शामिल थे.

न्यूज अपडेट

दो परिवारों के बीच मारपीट में दर्जन भर घायल

गुमला। सदर थाना क्षेत्र के तेल गांव में मंगलवार की शाम दो परिवार के बीच हुई मारपीट में दोनों पक्षों से लगभग एक दर्जन लोग घायल हो गए. सभी घायल इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचे. वहां भी दोनों पक्षों के बीच हंगामा हुआ. सूचना मिलते ही गुमला थाना की पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और मामले को शांत कराया. जानकारी के अनुसार होली पर्व के अवसर पर डीजे बज रहा था. लोग नाच गा रहे थे. परमानंद साहू नामक युवक एक दुकान में पेट्रोल लेने गया था. तभी गांव के ही राजेश साहू उसके सिर में एक लीटर पेट्रोल डाल दिया.

पानी भरे खेत में गिरकर डूबने से युवक की मौत

गुमला। सदर थाना के खोरा जाम टोली निवासी 22 वर्षीय दिलीप लकड़ा स्कूटी से अनियंत्रित होकर ठेला बांध के समीप पानी भरे खेत में गिर गया. जिससे उसकी मौत हो गई. सड़क से गुजर रही गांव की एक महिला लेलो देवी की नजर पानी में गिरे युवक पर पड़ी. तब महिला ने युवक को तत्काल पानी से खींचकर बाहर निकाला और घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी. ग्रामीण व परिजन घटनास्थल पहुंचे और युवक को खेत से बाहर निकाल कर इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया.

दो बच्चियों की कोयल नदी में डूबने से हुई मौत

हुसैनाबाद। मोहमदगंज थाना क्षेत्र के कादल कुर्मी गांव के दो बच्चियों की मौत कोयल नदी में डूबने से हो गई. जानकारी के अनुसार कादल कुर्मी गांव के पांच-छह बच्चे कादलकुर्मी पंचायत सचिवालय के पास कोयल नदी में स्नान करने गए थे. जिसमें दो बच्चियों की मौत गहरे पानी में डूब जाने से हो गई,जबकि अन्य बच्चे किसी तरह बच निकले में सफल रहे. मृतका में प्रिया कुमारी उम्र नौ वर्ष पिता सखीचंद साव,रूबी कुमारी उम्र आठ वर्ष पिता अशोक यादव शामिल है. सूचना मिलते ही एएसआई सुबीर किस्कू घटनास्थल पहुंचे.

होली त्योहार पर मटकाफोड़ का आयोजन

बालूमाथ/ बरवाडीह/ महुआडांड। रंगों का त्यौहार होली बालूमाथ, बरवाडीह और महुआडांड़ प्रखंडों में मंगलवार को हर्षोल्लास व पारंपरिक तरीके से मनाया गया. इस मौके पर लोग एक दूसरे को रंग, अबीर व गुलाल लगाया और गले मिलकर होली की शुभकामनायें दी. युवाओं की टोलियों को सुबह से ही घूम घूम कर लोगों को त्यौहार के रंग में सराबोर करते नजर आयी. रंगों की होली के खेलने के बाद अबीर व गुलाल लगाकर होली की मुबारकबाद दी गई. मंदिरों व अन्य देवालयों में भी लोगों का हुजूम देखा गया.

शिव बने हुरलौंग मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष

मेदिनीनगर। लेस्लीगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हुरलोंग गांव स्थित महाबीर मंदिर परिसर मे महाबीर मंदिर निर्माण को लेकर बैठक हुई. बैठक में महाबीर मंदिर के अब तक के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें पुराने कमेटी को भंग कर नए कमेटी का विस्तार किया गया. कमेटी में शिव प्रसाद गुप्ता को नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया. कमेटी में अश्विन चन्द्रवंशी को सचिव, दिलीप प्रसाद गुप्ता को कोषाध्यक्ष चुना गया. नवनिर्वाचित अध्यक्ष शिव को हुरलोंग रामनवमी पूजा समिति अध्यक्ष ने सम्मानित किया.

सतत मिलाप टीम कल मेदिनीनगर में रहेगी

मेदिनीनगर। पूर्व सैनिकों के सहायता के लिए सतत मिलाप टीम 29 मार्च को मेदिनीनगर में रहेगी. मिलाप टीम सुबह 9 बजे से एनसीसी ऑफिस कैंप लगा कर जिला के पूर्व सैनिकों को विभिन्न प्रकार के समस्याओं का समाधान करेगी. उक्त जानकारी अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद पलामू के जिलाध्यक्ष दामोदर मिश्र व महासचिव दिनेश गुप्ता ने दी है. बताया कि कैंप में परिषद के अधिकारी भी पूर्व सैनिकों के सहायता के लिए उपस्थित रहेंगे.

होली की रात युवक ने फांसी लगाकर दी जान

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद थाना के देवरी रोड गैस गोदाम के समीप किराए के मकान में रह रहे सुजीत कुमार पासवान (22) वर्ष, ने मंगलवार होली की रात्रि में फांसी लगाकर जान दे दी. बताया जाता है कि मोहमदगंज थाना क्षेत्र के गोराडीह निवासी युवक प्रेम विवाह कर के घर से अलग हुसैनाबाद थाना के जपला देवरी रोड गैस गोदाम के समीप पत्नी के साथ रह रहा था. जानकारी के अनुसार होली की रात पति पत्नी में नोकझोक हुई थी.

कल्याणपुर में शराब पी रहे युवक की गोली मारकर हत्या

संवाददाता। मेदिनीनगर

जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र स्थित कल्याणपुर में मनोज चौधरी नामक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी. युवक उस समय शराब पी रहा था. इसी दौरान कुछ लोगों ने युवक को गोली मार दी. घटना मंगलवार रात 10 बजे की है. घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मामले में छानबीन कर रही है. कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है. मनोज कुमार चौधरी कल्याणपुर का रहने वाला. उसका आपराधिक इतिहास रहा है. मनोज चौधरी गढ़वा की अनराज घाटी में लूटपाट और अपहरण का आरोपी था. जानकारी के अनुसार मनोज चौधरी का होली से पहले अपने गोतिया से विवाद हुआ था. होली के मौके पर मंगलवार रात वह अपने गोतिया और परिवार के साथ बैठकर शराब पी रहा था. शराब पीने के दौरान विवाद हुआ था और बहस हुई थी. इसीदौरान आरोपियों ने मनोज चौधरी पर हमला किया और उसे जख्मी कर दिया. बाद में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गयी. मनोज चौधरी को दो गोली मारी गयी थी. घटना के बाद परिजन मनोज चौधरी को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले गये, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की जानकारी मिलने पर चैनपुर थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन की. हॉस्पीटल में मनोज के शव का पोस्टमार्टम किया गया. थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस हत्या मामले की छानबीन कर रही है. कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है.

पारंपरिक रूप से मनाई गई होली

संवाददाता। लातेहार

जिला मुख्यालय समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रंगों का उत्सव होली मंगलवार को हर्षोल्लास एवं पारंपरिक तरीके से मनाया गया. होली के अवसर पर लोगों ने एक दूसरे को जम कर रंग लगाया. कई जगहों पर तो कपड़ा फाड़ होली तक खेली गयी. दोपहर के बाद लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगा कर होली की शुभकामनायें दी. बच्चों में होली को लेकर खासा उत्साह देखा गया. बच्चों की टोलियां हाथों में पिचकारी लेकर राहगीरों एवं अन्य लोगों को रंग लगाते देखे गये. होली को लेकर शहर के तकरीबन हर चौक चौराहों में लगाये गये ध्वनि विस्तारक यंत्रों में होली के गीत बज रहे थे.

पारंपरिक गीतों पर युवकों को जम कर झुमते देखा गया. होली के मौके पर मांस एवं मदिरा की जम कर बिक्री हुई. शहर के तकरीबन हर मांस विक्रेताओं के पास लोगों की कतार लगी हुई थी.

विधायक ने अबीर गुलाल लगाये : होली के दिन विधायक बैद्यनाथ राम ने अपने समर्थकों के साथ शहर में घुम घुम कर लोगों को होली की शुभकामनायें दी. विधायक ने कहा कि इस होली के अवसर पर वे क्षेत्र के लोगों की सुख व समृद्धि क कामना करते हैं. विधायक ने बड़ों को अबीर गुलाल लगा कर उनका आर्शिवाद लिया. मौके पर विशाल कुमार, अंकित पांडेय, वीरेंद्र पाठक, मदन दास, कृष्णा प्रसाद, रविंद्र प्रजापति, दीपक कुमार, रंजीत कुमार व अनिल कुमार आदि मौजूद थे.

पूर्व विधायक ने भी लिया आशीर्वाद : पूर्व विधायक प्रकाश राम को भी क्षेत्र के विभिन्न जनसंघी व भाइपाइयों के यहां घुम घुम कर होली की शुभमनायें देते देखा गया. उन्होने पुराने जनसंघी एवं वरीय भाजपाइयों को अबीर गुलाल कर उनका आर्शिवाद लिया.

हजारीबाग-रामगढ़-कोडरमा-चतरा

पुलिस ने किया 73 हजार किलो जावा महुआ नष्ट

चौपारण। चौपारण से 17 किलोमीटर दूर टापू के रूप में बसे भगहर में होली के दिन उत्पाद विभाग और चौपारण पुलिस ने संयुक्त छापेमारी किया. यह जानकारी थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने दी. उन्होंने कहा कि हजारीबाग एसपी के निर्देश पर भगहर पंचायत में चल रहे अवैध रूप से संचालित महुआ शराब की भट्ठियों एवं अंग्रेजी शराब की तस्करी के खिलाफ छापेमारी की गई. कहा कि एसपी के निर्देशानुसार चुनाव से पूर्व महुआ शराब की भट्ठियों और अंग्रेजी शराब की तस्करी बंद होगा.

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक हुआ घायल

विष्णुगढ़। सड़क दुर्घटना में मंगलवार को थाना क्षेत्र के उपरैली मुरगांवो निवासी भेखलाल रविदास गंभीर रूप से घायल हो गया. मृतक बाइक सवार बगोदर से विष्णुगढ़ की ओर आ रहा था. बगोदर-हजारीबाग एनएच 522 पर चौथा पैट्रोल पंप के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया. बेहोशी की हालत में ग्रामीण उसे लेकर विष्णुगढ़ सीएचसी पहुंचे. प्राथमिक उपचार के बाद उसकी चिंताजनक स्थिति को देखते हुए हजारीबाग रेफर कर दिया गया.

12 घंटे से लापता युवक का शव कुएं से बरामद

केरेडारी। 12 घंटे से लापता युवक का शव कुएं से बरामद किया गया. घटना केरेडारी थाना क्षेत्र के चट्टीबरियातु पंचायत के पगार गांव का है. मृतक की पहचान पगार निवासी रामजीत महतो, 30 वर्ष के रूप में हुई है. मंगलवार सुबह आठ बजे घर से ढाई सौ मीटर दूर दिगेश्वर सिंह के कुएं से युवक का शव निकला गया. बताया जाता है कि मृतक अपने घर से सोमवार की देर शाम से ही लापता था. परिजनों ने अपने संबंधियों में काफी खोज की थी पर युवक कहीं नहीं मिला. फिर गांव में उसके साथ रहने वाले लोगों को पूछा गया. तब उनलोगों ने बताया कि इस रास्ते से हमलोगों के पास से वह रात आठ बजे घर गया था.

जिले में शहर सहित 16 प्रखंड में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाई गई होली

चार करोड़ की बिकी शराब

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में शहर सहित 16 प्रखंड में दो दिन होली का पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मंगलवार को संपन्न हो गया. होलिका दहन के दिन जहां सुबह से रात दस बजे तक सरकारी शराब की दुकानों में शराब खरीदारों की भीड़ लगी रही. वहीं सोमवार को शराब दुकान बंद रही. जिसे लेकर शराब के शौकीन नाराज दिखे. हालांकि मंगलवार को फिर से शराब दुकान निर्धारित समय से खुल गई. जिसमें जिले में सरकार की 27 सरकारी शराब दुकान से लगभग चार करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई. इसकी पुष्टि शराब दुकान के एजेंसी के द्वारा किया गया.

इधर मछली, मटन और चिकन की भी जमकर बिक्री खूब हुई. लोग सुबह से ही मटन व चिकन दुकान में लाइन लगाकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे. इसमें लगभग 700 से लेकर 900 रुपया प्रति किलो मटन और 150 से लेकर 250 रुपया प्रति किलो तक चिकन की बिकी. जबकि मछली का भी बाजार भाव 160 रुपये प्रति किलो से लेकर 200 किलो के हिसाब से बिकी. इधर हिंदी महीना के हिसाब से नए साल की बदलने पर मंदिरों में भी खूब श्रद्धालुओं का भीड़ देखी गई. इसमें बुढ़वा महादेव, संकट मोचन सबड़ा अखाड़ा, ठाकुरबाड़ी, महावीर स्थान और पंच मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में भी मंगलवार की सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ रही.

प्रखंड की बात करें तो इचाक, बरही, बड़कागांव, कटकमदाग, कटकमसांडी, विष्णुगढ़, टाटीझरिया, दारू, चरही, चुरचु और सदर सहित विभिन्न प्रखंडों में भी धूमधाम से होली मनायी गयी. पुलिस भी पर्व को लेकर चौकस रही. जगह-जगह पर पेट्रोलिंग होती रही. वहीं सीसीटीवी कैमरा और सोशल मीडिया पर भी विशेष रूप से जिला प्रशासन की नजर रही. इस दौरान चौपारण, महराजगंज, बसरिया, रामपुर व पाण्डेयबारा सहित कई क्षेत्रों में सर्किल इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी व सीओ सहित दर्जनों पुलिस जवानों के द्वारा फ्लैग मार्च निकालकर शांतिपूर्ण होली मनाने का आग्रह किया गया. रविवार देर रात गांव-मुहल्ले में पूरे भक्ति भाव से होलिका दहन कर होली की शुभकामनाएं दी गईं.

दुकानदार मालामाल

- जिले के 27 सरकारी शराब दुकानों से बिकी शराब
- मछली, मटन और चिकन की भी जमकर हुई बिक्री
- 700 से लेकर 900 रुपया प्रति किलो बिका मटन

कटकमसांडी में धूमधाम से मनाई गई होली

कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र में होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया. होली पर्व के लेकर प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के लोगों ने चौक चौराहे पर झाल, ढोल, ताशा और करताल के साथ खूब थिरके देखे गए. युवा डीजे की धुन पर खूब थिरके और रंग, गुलाल उड़ाया. पेलावल ओपी थाना क्षेत्र में भी होली पर्व को लेकर थाना प्रभारी शाहीना परवीन ने पबरा, पेलावल, शिवपुरी, गदोखर, रोमी, खुटरा, कंचनपुर, हेदलाग गोविंदपुर, छडवा, मायापुर और हरिना क्षेत्र में कमान संभाले रखी और शांति व्यवस्था को दुरुस्त रखा. वहीं प्रखंड क्षेत्र में रंगों का त्योहार शांति और सद्भाव के बीच संपन्न हो गया. टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र के खैरा, झरपो, भराजो, डहरभंगा, धरमपुर, डुमर, टाटीझरिया और बेडम पंचायत में मंगलवार को होली पर्व का उत्साह चरम पर था. टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र में रंगों का त्योहार होली हर्षोल्लास के साथ-साथ शांतिपूर्ण संपन्न हो गया. होली खेलने को लेकर बच्चों और महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया.

सड़क हादसे में वृद्ध महिला की हुई मौत

रामगढ़। रामगढ़ बोकारो मार्ग के लारी बुधबाजार के पास बुधवार को सड़क दुर्घटना में एक वृद्ध महिला की मौत हो गई. उक्त महिला की पहचान बुधबाजार निवासी सोमर साव की पत्नी मालो देवी, 65 वर्ष, के रूप में हुई. जानकारी के अनुसार महिला सड़क किनारे खड़ी थी. तभी चितरपुर से रामगढ़ की तरफ जा रही स्विफ्ट कार जेएच 24सी 0151 ने खड़ी महिला को जोरदार टक्कर मार दी. इससे महिला की मौत हो गई. महिला की मौत के बाद आसपास के ग्रामीण पहुंचे और सड़क पर शव रखकर रोड को जाम कर दिया.

नाबालिग के साथ अप्राकृतिक यौनाचार, दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता। हजारीबाग

बड़ा बाजार थाना पुलिस ने 14 वर्ष के नाबालिग छात्र के साथ अप्राकृतिक यौनाचार के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया. आरोपित सदर थाना क्षेत्र का निवासी है. घटना 25 मार्च की है. नाबालिग छात्र को दो युवक उसे गली से उठाकर ले गए. इसके बाद जान से मार देने की धमकी देकर छात्र को तालाब ले गए. दोनों युवक उसके साथ रात भर अप्राकृतिक यौनाचार करते रहे. सुबह किसी को इसकी जानकारी नहीं देने की धमकी देकर उसे छोड दिया. पीड़ित किसी तरह अपने घर पहुंचा और जानकारी दी. इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना थाना को दी और पीड़ित छात्र को इलाज के लिए अस्पताल भेजा. पीड़ित की स्थिति गंभीर बतायी जा रही है. पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल भी कराया है. वहीं बुधवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपितों में सदर थाना क्षेत्र का 35 वर्षीय दानिश कुरैशी और 32 वर्षीय अरबाज कुरैशी है.

होली मिलन समारोह में लोगों की मस्ती

संवाददाता। हजारीबाग

होली महापर्व के शुभ अवसर हजारीबाग यूथ विंग के द्वारा लक्ष्मी सिनेमा हॉल परिसर में होली समारोह का आयोजन किया गया. यह समारोह बेहद ही सादगी पूर्वक संपन्न हुआ. इस समारोह में राष्ट्रीय स्तर के सुप्रसिद्ध भजन गायक वीरेंद्र गर्ग उर्फ बिट्टू बिहारी ने होली के गीत पर सभी को जमकर झुमाया. इसके बाद सभी ने गीत प्रस्तुत किये. सभी ने आनंदित होकर होली महापर्व का त्योहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया. यूथ विंग के द्वारा यह कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया गया था. कार्यक्रम के दौरान समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी. साथ ही बीते वर्ष की भूल चूक को माफ कर एक नई गाथा लिखने की परंपरा प्रारंभ किया. समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ अध्यक्ष करण जायसवाल भी मौज मस्ती करते नजर आए. हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि सदैव सामाजिक और धार्मिक कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करती है संस्था. आने वाली रामनवमी महापर्व में भी कई कार्यक्रम संस्था के द्वारा आयोजित किए जाएंगे. करण जायसवाल ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी. कहा कि यह त्योहार हम सभी को एक साथ मिलकर मानना चाहिए. आगामी त्योहारों में भी हजारीबाग यूथ विंग के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे. यूथ विंग पिछले दो वर्षों से लगातार सेवा का कार्य कर रही है. मौके पर अध्यक्ष करण जायसवाल, सचिव संजय कुमार, विकास केसरी मौजूद थे.

महायज्ञ कोनहाराकला में हुआ श्री श्री 108 श्री शतचंडी महायज्ञ ध्वजारोहण कार्यक्रम

पूजा-अर्चना से मन को शांति मिलती है: अमित

संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कोनहाराकला में आयोजित श्री श्री 108 श्री शतचंडी महायज्ञ सह देवी प्राण प्रतिष्ठा को लेकर यज्ञाधीश बिरेन्द्र शास्त्री के नेतृत्व में ध्वजारोहण कार्यक्रम हुआ. कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक अमित कुमार यादव, पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव, प्रखंड प्रमुख रेणु देवी, जिप सदस्य प्रेरणा प्रिया और मुखिया अब्बास अंसारी शामिल थे. ध्वजारोहण को लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली गई.

शोभायात्रा कोनहाराकला स्थित शिव मंदिर से गाजे-बाजे के साथ निकल कर पूरे गांव का भ्रमण करते हुए बरकट्ठा डीह, डाकडीह मोड़ से वापसी कर मंदिर परिसर पहुंची. जहां जुलूस का समापन किया गया. जय श्री राम के जयकारे से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया. प्रतिनिधियों ने कहा कि पूजा अर्चना से मन को शांति मिलती है. इस भागदौड़ भरी जिंदगी में समय निकालकर पूजा पाठ करना चाहिए. वहीं यज्ञ समिति अध्यक्ष ईश्वर यादव ने बताया कि यज्ञाधीश बिरेंद्र शास्त्री के मुताबिक ध्वजारोहण के साथ ही पूरे गांव में मांस मदिरा के सेवन पर रोक लगाई गई है. 9 अप्रैल को कलशयात्रा के साथ साथ महायज्ञ प्रारंभ होगा. ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न कराने में समिति अध्यक्ष ईश्वर यादव, उपाध्यक्ष मुकेश यादव, सचिव पंकज सोनी, उपसचिव राम अवतार यादव, कोषाध्यक्ष मुकेश सोनी, उपकोषाध्यक्ष मुंशी पासवान, जीवन यादव, मनी यादव, राजू यादव, रामजी पासवान, राजकुमार यादव, श्यामलाल सिंह, महेंद्र ठाकुर, टंमनोज पासवान, अरविंद यादव, छोटी दास, सुरेश दास, बालदेव दास और धानेश्वर पासवान समेत कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

प्राण प्रतिष्ठा

- कलश यात्रा के साथ महायज्ञ कार्यक्रम भी शुरू होगा
- इसके साथ ही गांव में मांस मदिरा पर लगाई गई है रोक

अनुमंडल पदाधिकारी ने किया प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण

संवाददाता। रामगढ़

लोकसभा चुनाव को लेकर बुधवार को महिला मतदान अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ. स्वच्छ, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए महिलाओं द्वारा संचालित किए जाने वाले मतदान केंद्रों के लिए प्रति नियुक्त महिला मतदान अधिकारियों के लिए प्रथम चरण का प्रशिक्षण गांधी स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय सीएम स्कूल ऑफ एक्सेलेंस, रामगढ़ में किया गया.

इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी रामगढ़ आशीष गंगवार ने प्रशिक्षण कार्यों का निरीक्षण किया. गंगवार ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीठासीन पदाधिकारियों को निर्वाचन के दौरान किए जाने वाले कार्यों को लेकर मास्टर ट्रेनरों द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण की हर बारीकी को अच्छी तरह से समझने एवं अपनी किसी भी दुविधा को त्वरित दूर करने का निर्देश दिया. पदाधिकारी के द्वारा सफलतापूर्वक निर्वाचन संपन्न कराने को लेकर कई आवश्यक जानकारियां दी गईं. इस दौरान उन्होंने मॉक पोल का संचालन सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर कई आवश्यक जानकारियां दीं. प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों के द्वारा सभी पीठासीन पदाधिकारियों को चुनाव संबंधित सामान्य जानकारी, विभिन्न प्रकार के प्रपत्रों को भरने की जानकारी, मॉक पोल, ईवीएम के संचालन की प्रक्रिया, चैलेंज वोट व टेंडर वोट सहित चुनाव से संबंधित विषयों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई.

ब्रीफ खबरें

परंपरागत व्यवस्थाओं को नहीं भूलना चाहिएः मधु

चाईबासा। टोटो प्रखंड अंतर्गत ग्राम लिसी मोती में मांगे पर्व के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोडा, टोंटो प्रखंड अध्यक्ष लिबिया लागुरी, टोंटो प्रखंड कमेटी पदाधिकारी, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष बाबूराम लागुरी, पूर्व जिला अध्यक्ष शुरु नंदी, ग्रामीण मुंडा मारतोम लागुरी, पंचायतों के मुखिया, एवं सैकड़ो की संख्या में सम्मानित ग्रामीण सम्मिलित हुए. ग्रामीणों ने काफी उत्साह पूर्वक पूर्व मुख्यमंत्री मधुकोड़ा का स्वागत किया. फूल माला पहनाकर परंपरागत रीति रिवाज के अनुसार मधु कोड़ा का स्वागत किया गया. मांदर की थाप पर ग्रामीणों संग पूर्व सीएम मधु कोड़ा परंपरागत नृत्य में शामिल हुए.

एसडीओ ने अधिकारियों के साथ की बैठक

चक्रधरपुर। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बुधवार को पोड़ाहाट अनुमंडल कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया. बैठक की अध्यक्षता पोड़ाहाट अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी रीना हांसदा ने की. जहां पोड़ाहाट अनुमंडल के विभिन्न प्रखंड पदाधिकारियों के अलावे, सीओ व विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए. एसडीओ ने सभी अधिकारियों से बूथों की स्थिति के बारे में जानकारी ली. साथ ही मतदान केन्द्र पर पानी, बिजली, शौचालय की व्यवस्था की जानकारी ली.

अतिक्रमण हटाने के लिए जिप सदस्य ने सौंपा ज्ञापन

बहरागोड़ा। प्रखंड क्षेत्र के मानुषमुड़िया स्थित जिला परिषद के जमीन पर हो रहे अवैध अतिक्रमण को रोकने के लिए जिप सदस्या फुलमनी मुर्मू ने अनुमंडल अधिकारी सह बहरागोड़ा सीओ के नाम एक ज्ञापन सौंपा. उन्होंने बताया कि मानुषमुड़िया मध्य विद्यालय के स्थित जिप के जमीन पर गांव के ही कई लोगों द्वारा दुकानों का निर्माण रातों-रात कर दिया गया. जिसमें जिला परिषद के मौखिक आदेश का अनुपालन नहीं करने संबंधी मामले की जानकारी लिखित रूप से अनुमंडल पदाधिकारी को दिया गया है.

दो बाइक के टक्कर से तीन लोग हुई घायल

चांडिल। नीमडीह थाना अंतर्गत रामनगर गांव में दो बाइक के बीच हुए टक्कर से तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों में भांगाट गांव निवासी चित्तरंजन सिंह (50 वर्ष), बुड़ीबासा गांव निवासी दुलाल सिंह (30 वर्ष) और रामनगर गांव के बालीगोड़ा टोला निवासी शंभु सिंह सरदार (20 वर्ष) शामिल हैं. दुर्घटना के बाद तीनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए नीमडीह प्रखंड के रघुनाथपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर भेज दिया.

टैंकर की चपेट में आने से वृद्ध हुई घायल

नोवामुंडी। जगन्नाथपुर मुख्य चौक पर मंलवार देर रात को एक पेट्रोल टैंकर की चपेट में आने से 55 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति घायल हो गए. प्राप्त जानकारी के अनुसार नोवामुंडी निवासी मोहन दास पान नोवामुंडी से जगन्नाथपुर के उरांवसाइ किसी काम से जा रहे थे.वही पेट्रोल टैंकर चाईबासा से जगन्नाथपुर रश्मि पेट्रोल पंप जा रहा था. तभी जगन्नाथपुर मुख्य चौक पहुंचने के क्रम में अनियंत्रित होकर नोवामुंडी से आ रहे मोहन दास पान के दाहिने पैर पर टैंकर का आगे चक्का चढ़ गया. जिससे मोहन दास पान का पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया.

डीसी रवि शंकर शुक्ला ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी संग की बैठक

निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव कराना प्राथमकिताः डीसी

संवाददाता। आदित्यपुर

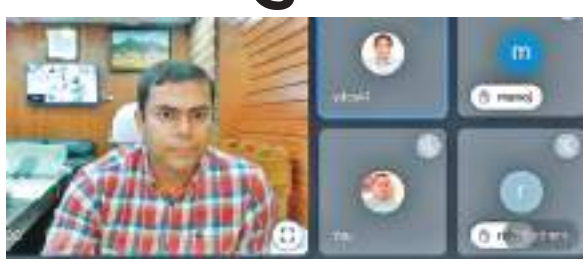

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी रवि शंकर शुक्ला ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी तथा सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ बैठक की.

बैठक के दौरान आम निर्वाचन-2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराने को लेकर बिंदुवार चर्चा कर दिशा निर्देश दिया . जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को कहा कि भारत निर्वाचन आयोग से जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय. साथ ही सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को प्रारंभिक दायित्व के अतिरिक्त अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत सभी पोलिंग स्टेशन लोकेशन का दौरा कर मतदान दिवस के पूर्व तक आवश्यक सुविधाओं का जायजा लेने तथा भूत अवेयरनेस ग्रुप को एक्टिव कर सम्बन्धित क्षेत्र में मतदान की तिथि, लोगो को अपने अपने मतदान केंद्र, मतदान केंद्र पर उपलब्ध आवश्यक सुविधाएं आदि के प्रति जागरूक कराने के निर्देश दिए. इस क्रम में डीसी ने कहा कि बूथ अवेयरनेस ग्रुप के सदस्यों के साथ बैठक करते हुए ग्रुप के माध्यम से क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम कराएं ताकि सभी की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके. डीसी ने कहा कि मतदान केंद्रों के निरीक्षण के क्रम में केंद्र पर आवागमन के लिए रूट चार्ट तैयार कर लें ताकि आवश्यकता अनुसार उपयोग की जा सके. इस दौरान उन्होंने कहा कि वालरेबल बूथ, टोला का गाइडलाइन के अनुरूप चिह्नित कर संबंधित अधिकारियों को सूचित करें, ताकि आवश्यकतानुसार तैयारियां पूर्ण की जा सकें. इस क्रम में डीसी ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को अब्सेंटी वोटर जैसे (85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता, दिव्यांग मतदाता, निर्वाचन कार्य में लगे पदाधिकारी/कर्मी, सरकारी विभाग में कार्यरत कर्मी, मीडिया के प्रतिनिधि आदि) को पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान हेतु जागरूक करने का निर्देश दिया. बैठक में डीसी के साथ उप विकास आयुक्त प्रभात कुमार बरतियार, नगर निगम के अपर नगर आयुक्त आलोक दुबे, डीआरडीए निदेशक, आइटीडीए निदेशक तथा सभी कोषांग के वरीय पदाधिकारी, सभी निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी, सभी सहायक निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी एवं अन्य सम्बन्धित पदाधिकारी जुड़े रहे.

चुनावी तैयारी

- मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा
- मतदाता जागरुकता अभियान चलाने का दिया निर्देश

होली के दौरान क्षेत्र में कहीं खुशी तो कहीं रही मातम

ईचागढ़ में कुएं से मिली बच्चे की लाश, सड़क हादसे में युवक घायल

संवाददाता। चांडिल

रंगों का पावन पर्व होली के दौरान क्षेत्र में कहीं खुशी तो कहीं गम देखा गया. होली के दौरान जब समूचा क्षेत्र हर्षोल्लासपूर्वक एक-दूसरे को रंग लगाकर पर्व मना रहे थे, उसी समय ईचागढ़ थाना क्षेत्र से हृदयविदारक घटना घटी. ईचागढ़ थाना क्षेत्र के धुंधाडीह गांव के पास खेत में स्थित कुएं से छह वर्षीय बच्चे का शव बरामद किया गया. शव की पहचान लाबा निवासी कर्ण गोप के छह वर्षीय पुत्र हाराधन गोप के रूप में हुई.

बताया गया कि हाराधन गोप शनिवार को खेलने के लिए घर से निकला था और वापस नहीं लौटा था. देर शाम तक घर वापस नहीं लौटने पर घरवाले उसको खोजने लगे. बच्चा कहीं नहीं मिलने पर कर्ण गोप ने ईचागढ़ थाना में बच्चे की गुमशुदगी का रिपोर्ट दर्ज कराया था. इसके बाद मंगलवार को खेत के बीच स्थित कुएं से बच्चे का शव बरामद हुआ. ईचागढ़ थाना की पुलिस ने बच्चे के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सरायकेला भेज दइया है. थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिर्पोट आने के बाद बच्चे की मृत्यु के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा.

सड़क दुर्घटना के युवक गंभीर : दूसरी घटना चौका थाना क्षेत्र के चौका पातकुम सड़क पर स्थित रुगड़ी गांव के समीप घटी. दुर्घटना में घायल युवक को बेहतर ईलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर किया गया है. मिली जानकारी के अनुसार चौका थाना क्षेत्र के खूंटी निवासी विकास गोराई अपने दोस्तों के साथ होली मनाने गया था. होली मनाने के बाद वह बाइक से घर की ओर जा रहा था. इस दौरान रुगड़ी गांव के समीप अनियंत्रित होकर रोड़ पर गिर गया, इससे विकास गोराई को गंभीर चोटें आई हैं. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना चौका थाना की पुलिस को दी. पुलिस के सहयोग से उसेअनुमंडलीय अस्पताल चांडिल भेजा. चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया.

शव बरामद

- शव की पहचान छह वर्षीय हाराधन गोप के रुप में हुई
- हाराधन शनिवार को खेलने के लिए घर से निकला था

चांडिल पुलिस ने बरामद की थी 24 पेटी विदेशी शराब

होली को लेकर पुलिस विधि-व्यवस्था को लेकर सजगता से क्षेत्र की निगरानी कर रही थी . इसी बीच चांडिल थाना की पुलिस को सफलता भी हाथ लगी . जिला पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के बाद चांडिल थाना की पुलिस एनएच 33 पर वाहन जांच अभियान शुरू किया . जांच के क्रम में एक टेंपो से पुलिस ने विदेश नकली शराब बरामद किया . पुलिस ने शहरबेड़ा.में जांच के दौरान टेंपो से ले जा रहे 24 पेटी शराब जब्त कर टेंपो चालक को गिरफ्तार कर लिया . इसकी जानकारी देते हुए चांडिल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार राजवाड़ ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि एनएच 33 के रास्ते नकली शराब का परिवहन किया जाने वाला है . उन्होंने इसके लिए चांडिल पुलिस को तत्काल निर्देश देते हुए जांच अभियान चलाने और शराब को जब्त करने का निर्देश दिया . इसके बाद चांडिल थाना की पुलिस ने जांच अभियान चलाकर एक टेंपो से 24 पेटी विदेशी नकली शराब बरामद किया . वहीं पुलिस ने टेंपो चालक जमशेदपुर के उलीडीह थाना अंतर्गत शंकोसाईं निवासी संतोष साहू को गिरफ्तार कर लिया .

फूड डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट कर लूट लिये पैसे

जमशेदपुर। गोलमुरी थाना अंतर्गत टीनप्लेट गोलचक्कर के पास मंगलवार देर रात फूड डिलीवरी का काम करने वाले धीरज कुमार सिंह के साथ मारपीट कर लूट की गई. घटना के बाद घायल अवस्था में धीरज किसी तरह परसुडीह के कीताडीह स्थित अपने घर पहुंचा जहां से परिजन उसे एमजीएम अस्पताल लेकर पहुंचे. यहां स्थिति को देखते हुए उसे टीएमएच रेफर कर दिया गया. धीरज स्थिति गंभीर बताई जा रही है. बताया जाता है कि युवकों ने धीरज का मोबाइल, फूड और कुछ नकद भी लूट लिए और उसे अधमरा कर रास्ते में ही छोड़ दिया.

पेड़ से टकरायी बाइक तीन घायल, एक की मौत

घाटशिला। गालूडीह थाना क्षेत्र के गुडरूबासा नरसिंहपुर रोड में बुधवार को मोटरसाइकिल पेड़ से टकराने के कारण तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. तीनों युवकों को 108 एंबुलेंस से घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया. जानकारी के तीनों युवक केशरपुर की तरफ से वापस जोड़सा पंचायत के बड़बिल गांव आ रहा था. इसी क्रम में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई. जिससे तीनों युवक सड़क के किनारे गिरा हुआ था। इधर आस पास के ग्रामीण सहित जेएमएम के जोनरल कमेंटी अध्यक्ष मंटू महतो, रतन महतो, ध्यानचंद सोरेन आदि ने मौके पर पहुंचकर एंबुलेंस को सुचना दी. दुर्घटना में घायल महेश भकत के बायां आंख बाहर निकल आया था, उसे डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया. दूसरा युवक श्रवण पूरी तरह से गंभीर है और तीसरा युवक टुटून को हल्की चोट लगी थी. श्रवण भकत को बेहतर ईलाज के लिए एमजीएम रेफर कर दिया गया.

एक माह से था गायब, हत्या की है आशंका

पोटका के जंगल में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

संवाददाता। जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका थाना अंतर्गत रोहिनिबेरा जंगल में एक युवक का सड़ा गला शव फंदे से लटका पाया गया. स्थानीय ग्रामिणों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी. इधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम हाउस के शव गृह में रखवा दिया. इधर, बुधवार को मृतक की पहचान पोटका राजदोहा निवासी 18 वर्षीय सोमनाथ कर्मकार के रुप में की गई. मृतक के परिजनों ने शव की पहचान की. इधर, परिजनों ने सोमनाथ के हत्या की आशंका जताई है.

हुरलुंग में मामा के घर रहकर पढ़ाई करता था सोमनाथ : परिजनों ने बताया कि सोमनाथ बिरसानगर के हुरलुंग में अपने मामा के घर रहकर गोलमुरी एबीएम कॉलेज में पढ़ाई करता था. वह बीते एक माह से लापता था. परिजनों ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन शुरु की पर उसकी कोई जानकारी नहीं मिली. हालांकि इसकी लापता होने की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई. आज पुलिस ने सूचना दी कि एक शव पाया गया है. वह सोमनाथ का था. परिजनों के अनुसार सोमनाथ किसी कॉलेज में किसी लड़की के साथ संपर्क में था जिसको लेकर पूर्व में विवाद भी हुआ था. संभवतः इसी कारण से उसकी हत्या कर शव को लटकाया गया है. इधर, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

पढ़ाई के दौरान विद्यार्थी करेंगे इंडस्ट्री ट्रेनिंग, जॉब में मिलेगी प्राथमिकता

अरका जैन विश्वविद्यालय का इटली सहित तीन कंपनियों के साथ एमओयू

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

झारखंड के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक अरका जैन विश्वविद्यालय का इटली की कंपनी री-फलेक्सन इंडिया लिमिटेड, सिग्मा एचटीएस और होटल अल्कोर के साथ एमओयू विश्वविद्यालय के प्रांगण में हस्ताक्षर के साथ संपन्न हुआ.

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ अमित कुमार श्रीवास्तव एवं री-फ्लेक्सन इंडिया लिमिटेड के एमडी राजीव सिंह दुग्गल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये. एमओयू के अनुसार अब अरका जैन विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग और बीबीए के विद्यार्थी फैक्ट्री में जा कर इंटर्नशिप ट्रेनिंग कर सकेंगे और उन्हें प्लेसमेंट में भी प्राथमिकता दी जाएगी. एमओयू के अनुसार इंटर्नशिप के दौरान अरका जैन विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग के विद्यार्थी री-फ्लेक्सन इंडिया लिमिटेड और सिग्मा एचटीएस में जा कर वहां की कार्य प्रणाली, उत्पादन, मार्केटिंग और इंडस्ट्री के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करेंगे. इससे उन्हे प्लेसेंट मे प्राथमिकता दी जाएगी. बीबीए के विद्यार्थी होटल अल्कोर मे जा कर वहां की कार्यशैली का अध्ययन करेंगे और हॉस्पिटलिटी इंडस्ट्री में उन्हें अच्छे अवसर प्राप्त होंगे. विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ अमित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे विद्यार्थी पढ़ाई के दौरान इंडस्ट्री की कार्य प्रणाली को समझ पाएंगे और डिग्री कम्पलीट होने पर उन्हें नौकरी के अच्छे अवसर मिल पायेंगे.

उद्योगपति राजीव सिंह दुगल ने कहा कि अरका जैन विश्विद्यालय झारखंड मे बेहतरीन शैक्षणिक माहौल उपलब्ध करा रहा है. इससे यहां के विद्यार्थियों के लिए अच्छे जॉब के मार्ग प्रशस्त होंगे.

थाना प्रभारी के साथ लोगों ने खेली होली

किरीबुरु। किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में हिंदू-मुस्लिम समेत अन्य धर्म व समुदाय के लोगों ने थाना प्रभारी मुनाजीर हसन के नेतृत्व में आपसी प्रेम व भाईचारे के साथ एक साथ खेली रंग-गुलालों की होली. रमजान के महीने ने रोजा रखने के बावजूद थाना प्रभारी मुनाजीर हसन ने पूरे शहर में अपने जवानों के साथ घूम घूम कर सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर रखे रहे. इस क्रम में वह विभिन्न टोलियों के बीच जाकर एक-दूसरे को गुलाल लगायें एवं शुभकामनाएं दी. अलग-अलग स्थानों पर होली खेलने वालों में मुस्लिम समुदाय से नसीम, सलीम, शुभान खान उर्फ गुड्डू आदि अन्य युवा व महिलाएं भी शामिल थीं. यहीं आपसी एकता व भाईचारा किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर की ऐतिहासिक ताकत रही है.

होली

सेल, किरीबुरु के सीजीएम कमलेश राय ने अपने आवास पर सेलकर्मियों के साथ खेली होली

सीजीएम और शहरवासियों ने खेली पारंपरिक होली

संवाददाता। किरीबुरु

विवाद नहीं

- समारोह के दौरान सभी प्रकार के पकवान रखे गए थे
- महिलाओं की टोली शहर में घूमकर खेली होली

सेल, किरीबुरु के सीजीएम कमलेश राय ने अपने आवास पर होली मिलन समारोह आयोजित कर शहरवासियों एवं सेलकर्मियों के साथ जमकर होली खेली. इस दौरान यहां सभी प्रकार के पकवान रखे गये थे. दूसरी तरफ सारंडा सुवन छात्रावास के बच्चों, ठेकेदार वेलफेयर एसोसिएशन में ठेकेदारों के अलावे युवाओं, महिलाओं व वृद्धों की अलग-अलग टोली शहर में घूम घूमकर होली खेली. कुछ टोली कपडा.फाड़ होली खेली. इस दौरान एक टोली ऐसी थी जो झाल, ढोलक के साथ विभिन्न स्थानों व मंदिरों में जा जाकर फगुआ व होली का लोकगीत गाकर होली का ऐतिहासिक परंपरा को जीवित रखे हुये है.

दूसरी तरफ सामाजिक कार्यकर्ता संतोष पंडा ने अपना होली सारंडा के सुदूरवर्ती गांव कलैता के बच्चों व ग्रामीणों के साथ खेला. संतोष पंडा इस गांव के तमाम बच्चों के लिये पिचकारी, रंग व गुलाल साथ लेकर गये थे. वहां सभी एक-दूसरे के साथ जमकर होली खेली.

पुलिस चौकसी के कारण हर जगह रही शांति

नोवामुंडी। होली पर्व के मद्देनजर गुवा बड़ाजामदा क्षेत्र में लोगों ने जमकर खेली होली . साथ ही होली पर्व शांति पूर्ण तरीके से मनाई गई . पुलिस चौकसी एवं लगातार पेट्रोलिंग के कारण हर जगह शांति का माहौल रहा . लोगों को आपसी भाईचारे एवं एकता के साथ हर्षोल्लास के साथ शान्ति पूर्ण तरीके से होली मनाई . लोगों में कही भी विवाद नहीं देखी गई . बडे एवं छोटे सभी एक-दूसरे को सम्मान करते देखे गए .शराब दुकानें बंद रहने के कारण नशापान की स्थिति कम से कम रही . अधिकतर लोग परिवार व दोस्तों के साथ होली खेल अपने-अपने घरों में दिखे . गुवा थाना प्रभारी गोपाल कुमार की अध्यक्षता में वाहन चेकिंग की गई .होली के दौरान नशे की हालत व गलत ढंग से वाहन चलाने वालों की घड़पकड़ की गई . पुलिस वाहन की चेकिंग कर उन्हें सुरक्षित रहने का संदेश दिया .सेंसेटिव एरिया में पुलिस गश्ती के कारण पुलिस के डर से हुड़दंगियों में डर बना रहा .

न्यूज अपडेट

चेंगजोड़ा में मनाया गया बाहा बोंगा पर्व

घाटशिला । खेरवाल दिशोम जाहेरगाड़ चेंगजोड़ा में दिशोम बाहा बोंगा पर्व पारंपरिक विधि विधान व हर्षोल्लास के साथ मंगलवार को मनाया गया. नायके गोपीनाथ मुर्मू ने मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत पूजा अर्चना किया. उसके बाद हजारों श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया. इससे पहले नायके बाबा को ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक नृत्य करते हुए नायके बाखुल से जाहेरगाड़ तक ले जाया गया. जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू के नेतृत्व में आयोजित इस बाहा बोंगा में दर्जन भर बाहा नृत्य मंडलियों ने भाग लिया. श्रीमती मुर्मू ने संबोधित करते हुए कहा कि बाहा बोंगा आदिवासियों का महान पर्व है. इसके माध्यम से जनजातीय समाज प्रकृति में होने वाले परिवर्तन को उत्सव के रूप में मनाते है. इस समय नए फूल, फल व नए पत्ते का आगमन होता है. कहा कि प्रकृति का सम्मान ही बाहा बोंगा की आराधना है. शाम में आंधी बारिश के बावजूद बाहा बोंगा में हजारों लोग डटे रहे. बंगाल से आए शैलानियों ने भी बाहा बोंगा का लुत्फ उठाया. इस मौके पर जाहेर गाड़ के संस्थापक दिवंगत कुनाराम मुर्मू की धर्मपत्नी फुलमनी मुर्मू मौजूद थीं.

बहरागोड़ा में आंधी तूफान से गिरे बिजली के खंभे

बहरागोड़ा : प्रखंड क्षेत्र में विगत सोमवार को शाम आये आंधी तूफान से कई स्थानों पर बिजली का खम्भा टूटकर गिर गया.वहीं कई क्षेत्र में ओले भी पड़े. तेज आंधी के कारण यहां के अंजली कुंडू के घर के छप्पर उड़ गए. बुधवार को मुखिया राम मुर्मु अंजली कुंडू के घर पहुंच कर निरीक्षण किया तथा संबंधित पदाधिकारी को अवगत करा कर जल्दी उनको अबुआ आवास देने के लिए मांग किये. मानुष मुड़िया के बाहाबोंगा पर हो रहे कार्यक्रम स्थल पर पेड़ की डाली गिर जाने का कारण मुखिया राम मुर्मु के माता रूपी मुर्मु व गुरुपद मुर्मु गंभीर रूप से घायल हो गए.

समाजसेवी संतोष पंडा ने बच्चों साथ खेली होली

नोवामुंडी। एशिया प्रसिद्ध साल जंगल सारंडा बीहड गांव कलिता में होली पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. होली के पावन अवसर पर समाजसेवी संतोष पंडा ने 30 बंदूक की पिचकारी, अबीर एवं कई तरह का रंग लेकर जंगल में बच्चों के बीच होली मनाने पहुंचे. सभी बच्चों को रंग अबीर लगा उनके साथ सुखद व आनन्द दायक ढंग से होली मनाया. कई बच्चों को इकट्ठा कर बंदूक की पिचकारी,अबीर,होली के अन्य रंग बांटने पर देवतुल्य बच्चों में पूरा हर्ष दिखा. उन्होंने बताया कि पिछले साल उन्होंने देखा था कि छोटे-छोटे बच्चे वहां मिट्टी एवं चुल्हा की राख से होली खेले थे. बच्चों ने कहा हम लोग मिट्टी से होली खेलते रहे थे. उन्होंने कहा कि रंग से होली कभी नहीं खेले थे. सच्चाई यह कि समाजसेवी संतोष कु पंडा ने कई बच्चों को इकट्ठा कर बंदूक की पिचकारी,अबीर,होली के अन्य रंग बॉटने के साथ-साथ उन देवतुल्य बच्चों के साथ होली खेली.

ओडिशा से आये मेहमान को हाथी ने कुचला, मौत

गुड़ाबांदा । गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र अंतर्गत फॉरेस्ट ब्लॉक टोला मुटकामकोचा में जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचल दिया. हाथी के हमले से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मौत घटना के चार घंटे बाद घर में ही हो गई. सड़क खराब होने के कारण एंबुलेंस लगभग दो किलोमीटर दूर से ही वापस चला गया. घटना मंगलवार शाम की है, ओड़िशा के झारपोखरिया थाना क्षेत्र के पोखरिया जोटेयाशोल निवासी धिराई मुर्मू (64) अपने रिश्तेदार के घर मुटकामकोचा आया था. मंगलवार शाम को शौच के लिए तालाब जाने के क्रम में एक जंगली हाथी ने हमला कर दिया. आसपास मौजूद लोगों ने हल्ला मचाते हुए हाथी को भगाया. गंभीर रूप से जख्मी धिराई मुर्मू को अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस को कॉल किया गया.

गीत प्रतियोगिता में सिंहभूम कॉलेज को तीसरा स्थान

चांडिल । सिंहभूम कॉलेज चांडिल के विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ परंपरागत सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी आगे रहते हैं. कॉलेज के विद्यार्थियों ने कोल्हान विश्वविद्याल की ओर से आयोजित अंतरमहाविद्यालय स्तरीय बाहा गीत प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर इसे सिद्ध किया है. जानकारी के अनुसार कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा के जनजातीय विभाग द्वारा आयोजित बाहा गीत प्रतियोगिता में सिंहभूम महाविधालय चांडिल के प्रतिभागियों ने तीसरे स्थान पर रहे. प्रतियोगिता जीतने के बाद बुधवार को विजेता रहे छात्र-छात्राओं ने कॉलेज के प्राचार्य डॉ सरोज कुमार कैवर्त को शील्ड सुपुर्द कर उनका आभार प्रकट किया.

ईचागढ़ में चला मतदाता जागरुकता अभियान

चांडिल। लोकसभा चुनाव को लेकर स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है. इसके तहत बुधवार को इचागढ़ प्रखंड के खोखरो पंचायत, श्रद्धानंद प्लस टू हाई स्कूल टीकर, प्रोजेक्ट बालिका विद्यालय गौरांगकोचा और विक्रमादित्य उच्च विद्यालय इचागढ़ में मतदाता जागरूकता अभियान व शपथ ग्रहण अभियान चलाया गया. मौके पर स्थानीय महिला व विद्यार्थियों ने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए आकर्षक रंगोली भी बनाया. रंगोली के माध्यम से महिलाओं ने मतदान के महत्व को बताया गया. इस अवसर पर लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप के तहत लोगों को जागरूक किया गया.

होदागोड़ा में सात दिवसीय धर्म सम्मेलन हवन-यज्ञ

चांडिल । चांडिल अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत नीमडीह प्रखंड के होदागोड़ा में सार्वजनिक सरस्वती पूजा कमेटी द्वारा आयोजित सात दिवसीय धर्म सम्मेलन के तहत श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ कथा प्रवचन हवन, यज्ञ, पूर्णाहुति व कलश विसर्जन के साथ संपन्न हुआ. श्रीवृंदावन धाम निवासी अयोध्या दास जी महाराज के साथ पंडितों द्वारा पूर्णाहुति, हवन व यज्ञ कार्यक्रम संपन्न कराया गया. इसके बाद 351 युवती एवं महिलाओं ने सरस्वती मंदिर परिसर में स्थापित कलश को घाघरा नदी में विसर्जन किया. इस पवित्र अवसर पर जय राधेकृष्ण, जय सीताराम आदि धार्मिक जयघोष वातावरण भक्तिमय हुआ. अयोध्या दास जी महाराज ने कहा कि श्रीकृष्ण में पूरी विश्व समाया है.

13वां रुंगटा मेमोरियल शतरंज टूर्नामेंट 29 से

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम जिला शतरंज संघ के तत्वावधान एवं एसआर रुंगटा ग्रुप के द्वारा आयोजित 13वां पदमाबाई रुंगटा मेमोरियल जिला शतरंज प्रतियोगिता 29 मार्च 31 मार्च को सीताराम रुंगटा रिक्रिएशन हाल टाउन क्लब में होगा. तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में जिले के किसी भी आयु के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे एवं शीर्ष चार खिलाड़ियों का चयन सीनियर राज्य शतरंज प्रतियोगिता 2024 के लिए किया जाएगा. संघ के सचिव बसंत खंडेलवाल ने यह बताया कि 13 साल से यह प्रतियोगिता एस आर रुंगटा ग्रुप के सौजन्य से किया जा रहा है और इस वर्ष भी यह प्रतियोगिता भव्य रूप में आयोजित की जाएगी. इस प्रतियोगिता में कुल 21,000 रूपए नकद पुरस्कार एवं 22 ट्रॉफी जो की विभिन्न आयु के खिलाड़ियों को पुरस्कृत की जाएगी. प्रतियोगिता का प्रवेश शुल्क 200 रखा गया है. प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार 6000 रूपये नकद अथवा ट्रॉफी है. प्रतियोगिता में 120 खिलाड़ियों के खेलने की संभावना है जो की सात चक्र का खेल खेलेंगे.

आतंकवाद, रूस और यूक्रेन

आतंकवाद से निपटने में दुनिया को जिस तरह के समन्वित प्रयास करने की जरूरत है, उसका सर्वत्र अभाव दिखता है. दुनिया जैसे जैसे आर्थिक संकट का शिकार हो रही है और विश्व की बड़ी ताकतों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है, आतंकवादी संगठन भी विभिन्न ताकतों के द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हैं. हाल ही में रूस में हुई बड़ी आतंकी कार्रवाई बताती है कि दुनिया अभी भी आतंकवाद से सुरक्षित नहीं है और दुनिया के देशों का आंतकवाद विरोधी अभियान भी एकजुट कदम उठाने में कारगर नहीं हो पा रहा है. मास्को में पिछले हफ्ते हुए खूंखार आतंकवादी हमले ने रूस के रुख में अचानक अति आक्रामकता ला दी है. इस कारण अब यूक्रेन युद्ध एवं पश्चिमी देशों के साथ चल रहे रूस के टकराव में बड़ा परिवर्तन आने की आशंका पैदा हो गई है. एक संगीत कॉन्सर्ट के दौरान हुए हमले में तकरीबन डेढ़ सौ लोग मारे गए. अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने तुरंत इसके लिए आईएसआईएस को दोषी ठहरा दिया. उधर एक बयान भी सामने आया, जिसे आईएसआईएस का बताया गया और जिसमें इस आतंकवादी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी ली. मगर रूस ने इस पर यकीन करने से इनकार किया है. हमले के अगले ही दिन इसमें शामिल रहे चार आतंकवादियों समेत कुल 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया. रूस ने कहा है कि उनसे पूछताछ और अपनी अन्य जांच के आधार पर यह तय करेगा कि हमलावरों को निर्देश कहां से मिला. चूंकि आतंकवादी यूक्रेन भागने की कोशिश करते समय पकड़े गए, इसलिए रूस में आम राय यही है कि घटना के पीछे यूक्रेन का हाथ है और इसकी साजिश में संभवतः पश्चिमी एजेंसियां भी शामिल रही हैं. इसीलिए रूस ने यूक्रेन पर हमलों में अचानक तेजी ला दी है. राजधानी कीव पर दागी गई मिसाइलों में सोमवार को भारी क्षति पहुंची. यह पहली बार है, जब क्रेमलिन के प्रवक्ता जारी घटनाक्रम को युद्ध कहकर संबोधित किया है. वरना, रूस 24 फरवरी 2022 को शुरू हुए हमलों को विशेष सैनिक कार्रवाई कहता रहा है. रूस के रुख में आए इस बदलाव से युद्ध के और व्यापक रूप लेने और धीरे-धीरे उसके नए क्षेत्रों में फैलने की आशंका पैदा हो गई है. यह एक खतरनाक स्थिति है. यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब ऐसे हालात बन रहे हों, कोई ऐसी शक्ति या एजेंसी नहीं है, जो मध्यस्थ की भूमिका निभाकर आग को ठंडा कर सके. चाहे यूक्रेन हो या फिलस्तीन- यही जाहिर हुआ है कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका निष्प्रभावी हो चुकी है. ऐसे में दुनिया के तीसरे विश्व युद्ध की तरफ जाने की चर्चा हर रोज अधिक तेज होती जा रही है. इस बीच विश्व का विवेकशील जनमत लाचार दिख रहा है. व्लादिमीर पुतिन द्वारा रूस के पांचवीं बार राष्ट्रपति बनने के महज़ पांच दिनों के भीतर ही देश की राजधानी मॉस्को में भीषण आतंकी हमला हुआ. पिछले लगभग 25 वर्षों में रूस में अनेक आतंकी हमले हुए हैं. रूस समेत सभी अंतरराष्ट्रीय समुदाय को शांत रहने तथा विवेकपूर्ण कदम उठाये जाने की आवश्यकता है.

> राजधानी कीव पर दागी गई मिसाइलों में सोमवार को भारी क्षति पहुंची. यह पहली बार है, जब क्रेमलिन के प्रवक्ता जारी घटनाक्रम को युद्ध कहकर संबोधित किया है. वरना, रूस 24 फरवरी 2022 को शुरू हुए हमलों को विशेष सैनिक कार्रवाई कहता रहा है.

सुभाषित

आयुषः क्षण एकोऽपि सर्वरत्नैर्न न लभ्यते।
नीयते स वृथा येन प्रमादः सुमहानहो ॥

आयु का एक क्षण भी सारे रत्नों को देने से प्राप्त नहीं किया जा सकता है, अतः इसको व्यर्थ में नष्ट कर देना महान असावधानी है. यह तो स्पष्ट है जीवन का जो बहुमूल्य क्षण बीत जाता है, उसे किसी भी कीमत पर वापस नहीं लौटाया जा सकता. इसलिए क्षण का महत्व समझना चाहिए.

ये जो पब्लिक है, अब सच जान चुकी है

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कहते हैं कि क्या राहुल गांधी कांग्रेस को मिले चुनावी बॉन्ड लौटाएंगे? यह तो इस तरह की बात हुई कि सत्ता में रहते हुए कानून से खिलवाड़ करते हुए भाजपा ने चुनावी बॉन्ड लिए, तो यह उसका अधिकार था, लेकिन दूसरे दलों की यह हिम्मत कैसे हुई? है ना अजीब तर्क! जब देश भाजपा के इस कृत्य से अपने को शर्मसार महसूस कर रहा है, ऐसी स्थिति में भी भाजपा खुद को बेगुनाह साबित करने में और आरोप—प्रत्यारोप से अपने को अलग नहीं कर रहा है.

• देश-काल

निशिकांत ठाकुर

लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद सभी राजनीतिक दलों के लिए वर्ष 2024 प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है. इसलिए इस बार का चुनाव साम-दाम-दंड-भेद के द्वारा इस पार या उस पार की लड़ाई पर आधारित होगा. कौन दल जीतकर केंद्र में सरकार बनाएगा, इस संबंध में जो कोई भी अभी कुछ सोच रहे हैं या होंगे, उसे मात्र कयास कह सकते हैं, क्योंकि इस देश की भाग्य विधाता जनता अपना निर्णय तो आखिरी समय में लेती है. आश्चर्य तो इस बात का है कि जिस केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने बड़े—बड़े धन कुबेरों से चंदा लिया, उसे किसी ने स्वेच्छा से 'दान' दिया या नहीं दिया, यह भी जांच का अहम विषय हो गया है . ऐसा इसलिए, क्योंकि चुनाव आयोग की सूची से और खोजी पत्रकारों ने जो राज खोला है, उसमें कई व्यवसायियों के लिए कहा गया है कि सरकार द्वारा पहले ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई से छापा डलवाया गया, उन्हें जेल में बंद किया गया, फिर जब उन्होंने चुनावी बॉन्ड खरीद कर सत्तारूढ़ को दिया, तो फिर बदले में ऐसे उद्योगपतियों को अरबों रुपये का ठेका दे दिया गया, उन्हें उपकृत किया गया. अब चुनावी बॉन्ड के खुलासे के बाद जम्मू कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मल्लिक की यह बात बिल्कुल सच प्रतीत होती है कि उन्हें तीन सौ करोड़ रुपये रिश्वत देने की पेशकश की गई थी. वैसे, अपनी इसी ईमानदारी के कारण उन्हें सत्ता से दूर कर दिया गया और उन पर सीबीआई का छापा भी डलवाया गया. आज यह चर्चा का विषय बना है कि सरकार ने अपनी झेंप मिटाने के लिए पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मल्लिक के यहां छापा डलवाया और उन्हें सरकारी सारी सुविधाओं से वंचित कर दिया गया. ऐसे देश में यह भी एक जुमला बन गया है कि भाजपा ऐसी वाशिंग मशीन है, जिसमें जो समा गया, उसके वारे—न्यारे हो गए. लेकिन, जिसने जरा भी मुंह खोलने अथवा विरोध करने का साहस दिखाया, वे जेल में ठूंस दिए गए.

देश के गृहमंत्री अमित शाह कहते हैं कि बीस हजार करोड़ रुपये के बॉन्ड में साढ़े छह हजार करोड़ ही भाजपा को मिले हैं. तो ऐसे में सवाल यह है कि बाकी चौदह हजार करोड़ कहां से और किसे मिले? वे कहते हैं कि इसकी परत खुली, तो कई दल मुंह नहीं दिखा पाएंगे. गृहमंत्री ने कहा कि भाजपा के प्रभाव क्षेत्र और सांसदों की संख्या तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस जैसे कई दलों को जितना मिला है, वह भाजपा के मुकाबले बहुत अधिक है. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कहते हैं कि क्या राहुल गांधी कांग्रेस को मिले चुनावी बॉन्ड लौटाएंगे? यह तो इस तरह की बात हुई कि सत्ता में रहते हुए कानून से खिलवाड़ करते हुए भाजपा ने चुनावी बॉन्ड लिए, तो यह उसका अधिकार था, लेकिन दूसरे दलों की यह हिम्मत कैसे हुई? है ना अजीब तर्क! जब देश भाजपा के इस कृत्य से अपने को शर्मसार महसूस कर रहा है, ऐसी स्थिति में भी भाजपा खुद को बेगुनाह साबित करने में और आरोप—प्रत्यारोप से अपने को अलग नहीं कर रहा है. जब भरी अदालत में चुनावी बॉन्ड के कुतर्क को रद्द कर दिया गया, फिर ऐसी स्थिति में यह कैसे कहा जा सकता है कि भाजपा दागदार नहीं है? क्योंकि कहा यह जाता है कि सत्तारूढ़ भाजपा ने देश को जिस तरह से हिंदू-मुसलमानों के बीच बांटा, बेरोजगारी बढ़ी, काले धन को चुनावी बॉन्ड के रूप परिवर्तित किया, यह सच देश की जनता जान चुकी है. उसके बाद भी उसी सत्तारूढ़ दल का यह कहना कि उनकी पार्टी से अधिक चंदा दूसरे दल को मिला है. आज देश की जनता यह भी देख रही है कि जिसके हाथ में सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स विभाग है, वह दूसरे पर आरोप लगाकर अपने को दोष मुक्त कैसे कर रहा है.

अब दूसरी ओर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी चुनावी चंदे को लेकर पिछले सप्ताह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने इस योजना को दुनिया का सबसे बड़ा 'जबरन वसूली रैकेट' बताया. कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि योजना के जरिये एकत्र धन का इस्तेमाल सियासी दलों को बांटने और विपक्षी सरकारों को गिराने के लिए किया गया. चुनावी बॉन्ड को लेकर विपक्ष पूरी तरह से हमलावर है. एक तरफ राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल इस मामले में एसआईटी गठित करने की बात कह रहे हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने चुनावी बॉन्ड को स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा घोटाला बताया है. साथ ही यह भी कहा है कि चुनाव आयोग द्वारा साझा किया गया डेटा अधूरा है. जो भी हो देश में अभी सुप्रीम कोर्ट की इन्हीं टिप्पणियों को लेकर सत्तारूढ़—विपक्ष एक—दूसरे पर हमलावर है और एक से एक विश्लेषण कर दूसरे दल को नीचा दिखाने का हर तरह से प्रयास किया जा रहा है. लेकिन, हां जनता अब सब समझ चुकी है वह मौके की तलाश में है. सच तो यह है कि चुनावी बॉन्ड मामले में देश के सभी जागरूक नागरिक अब यह समझ चुके हैं कि सत्ता जिसके हाथ में हो, तो वही कदाचार को बढ़ा या घटा सकता है. ऐसी स्थिति में जब पिछले लगभग दस वर्षों में सत्तारूढ़ भाजपा शासन करती रही, फिर ऐसी स्थिति में विपक्ष कैसे कदाचार कर सकता है! यदि फिर भी वह इसमें लिप्त है, तो निश्चित रूप से इसके लिए भी केंद्र में सत्तारूढ़ ही जिम्मेदार है, क्योंकि पिछले दस वर्षों में सत्तारूढ़ होने के बावजूद चुनावी बॉन्ड रूपी सबसे बड़ा भ्रष्टाचार कैसे होता रहा? लेकिन, जब सत्तारूढ़ ही भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाए, तो फिर इस देश को कौन बचा सकता है, विचार तो इस पर किया जाना चाहिए. उद्देश्य केवल इतना है कि चाहे जिस तरह हो सत्ता पर तो काबिज होना है. देखिए, सुप्रीम कोर्ट की इस सख्ती के बाद अब क्या होता है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

ध्येय और निष्ठा

एक वृद्ध संन्यासी हिमालय की पहाड़ियों में कहीं रहता था. वह बड़ा ज्ञानी था और उसकी बुद्धिमत्ता की ख्याति दूर -दूर तक फैली थी. एक दिन एक महिला उसके पास पहुंची और अपना दुखड़ा रोने लगी, "बाबा, मेरा पति मुझसे बहुत प्रेम करता था, लेकिन वह जबसे युद्ध से लौटा है, ठीक से बात तक नहीं करता" "युद्ध लोगों के साथ ऐसा ही करता है", संन्यासी बोला. "लोग कहते हैं कि आपकी जड़ी-बूटी इंसान में फिर से प्रेम उत्पन्न कर सकती है, कृपया आप मुझे वह जड़ी-बूटी दे दीजिए", महिला ने विनती की. संन्यासी ने कुछ सोचा और फिर बोला, "देवी, मैं तुम्हे वह जड़ी-बूटी ज़रूर दे देता, लेकिन उसे बनाने के लिए एक ऐसी वस्तु चाहिए, जो मेरे पास नहीं है" "आपको क्या चाहिए मुझे बताइए, मैं लेकर आऊंगी!", महिला ने आग्रह किया. "मुझे बाघ की मूंछ का एक बाल चाहिए!", संन्यासी ने बताया. अगले ही दिन महिला बाघ की तलाश में जंगल में निकल पड़ी, बहुत खोजने के बाद उसे नदी के किनारे एक बाघ दिखा, बाघ उसे देखते ही दहाड़ा, महिला सहम गयी और तेजी से वापस चली गयी. अगले कुछ दिनों तक यही हुआ, महिला हिम्मत कर के उस बाघ के पास पहुंचती और डर कर वापस चली आती. महीना बीतते-बीतते बाघ को महिला की मौजूदगी की आदत पड़ गयी और अब वह उसे देख कर सामान्य ही रहता. अब तो महिला बाघ के निकट जाकर उसे परेशान करते कीट मक्खियों को दूर करती, सहलाती. बाघ को भी उसकी उपस्थिति रास आने लगी. उसने हिम्मत दिखाते हुए बाघ की मूंछ का एक बाल भी निकाल लिया. फिर क्या था, वह बिना देरी किये संन्यासी के पास पहुंची और बोली, "मैं बाल ले आई बाबा!!" संन्यासी ने बाल लेकर उसे जलती हुई अग्नी में झोंक दिया. "अरे! ये क्या बाबा, आप नहीं जानते, इस बाल को लाने के लिए मैंने कितना कठिन श्रम किया और आपने इसे जला दिय?", महिला घबराते हुए बोली. "अब तुम्हें किसी जड़ी-बूटी की ज़रूरत नहीं है", संन्यासी बोला. "जरा सोचो, तुमने बाघ को किस तरह अपने वश में किया!, जब एक हिंसक पशु को धैर्य, मनोबल और प्रेम से जीता जा सकता है तो भला एक इंसान को नहीं ? तुमने धैर्य, सहनशीलता, ध्येय समर्पण व पुरुषार्थ से लक्ष्य सिद्ध करने का पाठ न केवल पढा, बल्कि उसे प्रायोगिक सिद्ध भी कर लिया है.

धनबल से कैसे मुक्त हो चुनावी प्रक्रिया!

• सियासत

कल्याणी शंकर

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चार प्रमुख समस्याओं की पहचान की है जो भारत के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों को प्रभावित करती हैं. ये हैं : बाहुबल, धनबल, गलत सूचना और आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन. वे नये नहीं हैं. 2014 में अपने अभियान के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति के अपराधीकरण को समाप्त करने और काले धन के उपयोग को नियंत्रित करने का वायदा किया था. हालांकि, सवाल यह है कि क्या आदर्श आचार संहिता के अनुचित उपयोग को रोकना और धन और बाहुबल के उपयोग को नियंत्रित करना संभव है? एक चुनाव निगरानी संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने पाया है कि भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी, एनसीपी, राजद, आप, सीपीआई (एम) और वाईएसआरसीपी सहित कई प्रमुख भारतीय राजनीतिक दलों ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है. वर्तमान संसद सदस्यों के पास रुपए 29,251 करोड़ की संपत्ति है और उनकी औसत संपत्ति रुपए 38.33 करोड़ है. रिपोर्ट में पाया गया कि भारत में 44 प्रतिशत केंद्रीय मंत्रियों का आपराधिक रिकॉर्ड है और 25 प्रतिशत सांसदों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले हैं. कुल सांसदों में से 53 अरबपति और 475 करोड़पति हैं. धन और बाहुबल के बढ़ते प्रयोग से भारतीय लोकतंत्र को खतरा है. राजनेताओं ने अपने काम के लिए बाहुबलियों का उपयोग करना शुरू कर दिया, लेकिन 1980 के दशक के बाद से, इन अपराधियों ने कार्यालय के लिए दौड़ना शुरू कर दिया है. राजनीतिक दलों को भी यह आसान लगता है, क्योंकि वे अपने अभियानों के लिए फंडिंग करते हैं और लोग डर के मारे उन्हें वोट देते हैं. अपराध और राजनीति के बीच सांठगांठ एक स्थायी मुद्दा है, जो जल्द ही खत्म नहीं होगा. यह कड़ी देश के लोकतंत्र और शासन व्यवस्था पर असर डालती है. दोनों कारकों के बीच संबंध उच्च लागत वाले चुनावों और मतदाता रिश्वत की ओर ले जाता है. जिनके पास वित्तीय संसाधन हैं, वे अपने पैसे का उपयोग राजनीति में अपना रास्ता खरीदने और प्रतिस्पर्धी बनने के लिए करते हैं. सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के तहत मार्च 2003 से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को स्व-शपथ हलफनामे में अपने आपराधिक आरोपों, वित्तीय स्थिति, वैवाहिक स्थिति, आय के स्रोत और मात्रा, धन और शिक्षा के बारे में जानकारी देनी होगी. हालांकि, कुछ उम्मीदवारों को अपनी शिक्षा और संपत्ति के बारे में अधिक सुसंगत जानकारी देने की आवश्यकता है.चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों को मिलने वाली फंडिंग के नियमों में बदलाव किया है. नये नियमों में नकद दान की सीमा को 20,000 रुपये से घटाकर 2,000 रुपये करना और गुमनाम चुनावी बांड (जिसे अब सर्वोच्च न्यायालय ने असंवैधानिक करार दिया है) योजना के तहत योगदान शुरू करना शामिल किया था. हालांकि, कंपनियां अभी भी एक निश्चित राशि तक धन के स्रोत का खुलासा किए बिना राजनीतिक दलों को दान दे सकती हैं. पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कानून नकद दान की संख्या को सीमित नहीं करता है. सर्वोच्च न्यायालय ने इस साल चुनावी बांड की बिक्री पर रोक लगा दी. सरकार ने 2018 में बांड प्रणाली शुरू की थी. व्यक्ति या कंपनियां इन बांडों को 1,000 रुपये से एक करोड़ रुपये तक के मूल्य पर खरीद सकती थी, जिसमें अधिकतम राशि की कोई सीमा नहीं थी. पिछले पांच विधानसभा चुनावों में 6,128 करोड़ रुपये के चुनावी बांड बेचे गये, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर चिंताएं बढ़ गईं. भाजपा और कांग्रेस समेत केवल कुछ ही पार्टियों को फायदा हुआ और भाजपा की हिस्सेदारी अच्छी खासी रही. भारत में कई समितियों, जैसे गोस्वामी, वोहरा और इंद्रजीत गुप्ता समिति, विधि आयोग, संविधान की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय आयोग, भारत का चुनाव आयोग और प्रशासनिक सुधार आयोग ने चुनाव सुधारों का प्रस्ताव दिया है. उन्हें तत्काल लागू किया जाना चाहिए.समितियों ने सरकारी पदों पर अवांछित लोगों के प्रवेश की समस्या के समाधान के उपाय प्रस्तावित किये हैं. हालांकि, इन सुझावों को अभी भी लागू करने की आवश्यकता है. चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के पालन के लिए एक आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) स्थापित की है. हालांकि, पार्टियां चुनाव आयोग की फटकार के डर के बिना खुलेआम एमसीसी की अवहेलना कर रही हैं. एमसीसी को लागू करने और राजनीतिक दलों से पालन करना सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग को अधिक शक्ति की आवश्यकता है.

> भारत में कई समितियों, जैसे गोस्वामी, वोहरा और इंद्रजीत गुप्ता समिति, विधि आयोग, संविधान की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय आयोग, भारत का चुनाव आयोग और प्रशासनिक सुधार आयोग ने चुनाव सुधारों का प्रस्ताव दिया है. उन्हें तत्काल लागू किया जाना चाहिए.समितियों ने सरकारी पदों पर अवांछित लोगों के प्रवेश की समस्या के समाधान के उपाय प्रस्तावित किये हैं.

मनरेगा को खत्म करने की साजिश

• सामयिकी

विक्रम सिंह

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के वर्किंग पेपर नंबर 107 में ग्रामीण भारत में नागरिकों की क्रय शक्ति में नकारात्मक रुझान का जिक्र किया है. इसमें कहा गया है कि "भारतीय श्रम ब्यूरो द्वारा प्रकाशित ग्रामीण मासिक वेतन सूचकांक के साथ मुद्रास्फीति के आंकड़ों के आधार पर, वित्त मंत्रालय ने हाल के वर्षों में ग्रामीण भारतीय मजदूरी की क्रय शक्ति में नकारात्मक रुझान देखा है. इस प्रकार, मंत्रालय ने अपने आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में, अप्रैल और नवंबर 2022 के बीच बढ़ी हुई मुद्रास्फीति के कारण वास्तविक ग्रामीण मजदूरी (यानी, मुद्रास्फीति के लिए समायोजित ग्रामीण मजदूरी) में नकारात्मक वृद्धि पर प्रकाश डाला."हालांकि ग्रामीण भारत में लोगों की लगातार कम होती क्रय शक्ति को जानने के लिए हमें आइएलओ की जरुरत नहीं है. यह हमारे देश के ग्रामीण नागरिकों के जीवन में साफ़ झलकता है. लेकिन आइएलओ के इसी वर्किंग पेपर में ग्रामीण भारत के बारे में एक और तथ्य उजागर किया गया है जो महत्वपूर्ण है. इसमें उल्लेख किया गया है कि "मनरेगा की शुरुआत और विस्तार के साथ, न्यूनतम वेतन नियमों का अनुपालन बढ़ा है, औपचारिक और आकस्मिक ग्रामीण मज़दूरों के बीच वेतन अंतर कम हो गया है, और ग्रामीण क्षेत्रों में जेंडर वेतन गैप कम हो गया है. ऐसा प्रतीत होता है कि अन्य फैक्टर्स के अलावा मनरेगा ने इन पॉजिटिव परिवर्तनों मं महत्वपूर्ण योगदान दिया है."यह प्रमाण है ग्रामीण भारत में आजीविका और आर्थिकी में मनरेगा के महत्व का.

हालांकि देश की सरकार इन तथ्यों के वावजूद मनरेगा के महत्व को कमतर आंकती है और इसके प्रभावी कार्यान्वयन के खिलाफ ही नीतियां बनाती है. सरकार में बैठे लोगो और अफसरशाही को ग्रामीण कामगारों की आजीविका के लिए मरेगा का महत्व न पता हो ऐसा समझना गलत होगा लेकिन उनकी प्राथमिकता जनता का जीवन नहीं है अपितु अपने कॉर्पोरेट दोस्तों के वर्गीय हित और मुनाफे हैं.संसदीय समिति की रिपोर्ट यह स्वीकार करते हुए भी कि 'आवश्यकता के आधार पर संसाधनों की पूर्ति की जा सकती है' सिफारिश करती है कि वर्ष के शुरुआत में अनुमानित बजट में ही फंड में कटौती करने से मनरेगा कार्यान्वयन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यापक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. इसलिए कमेटी यह महसूस करती है कि जमीनी स्तर पर इस योजना के सुचारू कार्यान्वयन के लिए फण्ड की कमी एक बहुत बड़ी बाधा है. मनरेगा के लिए शुरू में ही उपयुक्त बजट का प्रावधान किया जाना चाहिए जिसका आधार पिछले वर्ष के खर्चे का चलन हो सकता है. गौरतलब है कि प्रतिवर्ष मनरेगा पर आवंटन का लगभग तीस प्रतिशत हिस्सा पिछले वर्ष की देनदारियों में ही चला जाता है.इस रिपोर्ट के अनुसार फण्ड की कमी के साथ जो दूसरा बड़ा कारण मनरेगा को प्रभावित करता है वह है फण्ड जारी करने में देरी. मनरेगा का समुचित कार्यान्वयन पूरी तरह राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को पर्याप्त धनराशि समय पर जारी करने पर निर्भर करता है.

केंद्र सरकार फण्ड जारी करने में देरी के लिए अलग अलग कारण (बहाने) पेश करती है जिनमे कुछ वाजिव भी हो सकती है जैसेराज्यों के द्वारा समय पर सूचनाएं मुहैया न करवाना या फिर मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों को लागू न करना. हालांकि इसका एक कारण मनरेना कार्यान्वयन को अत्यधिक केंद्रीकृत करना भीहै. खैर इस बाबत संसदीय कमेटी का आंकलन बहुत महत्वपूर्ण है. कमेटी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि केंद्र सरकार से मनरेगा के लिए फण्ड जारी करने में देरीके कारण चाहे कुछ भी हो लेकिन' इसके पीड़ित तो गरीब और वंचित लाभार्थी ही है'. राज्यों और केंद्र सरकार में इसी तरह की तकरार और तकीनीकी उलझनों में गांव का गरीब ही प्रभावित होता है जैसा कि पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है. भ्रष्टाचार के नाम पर गत वर्षो से राज्य के लिए मनरेगा का बजट रोक दिया गया है लेकिन भ्रष्टाचार को रोकने व उसकी जड़ो को ख़तम करते का कोई भी प्रयास न तो केंद्र सरकार और न ही राज्य की तृणमूल सरकार ने किया है. सब जानते है इस भ्रष्टाचार की जड़ें राजनीति की ज़मीन में गड़ी है जिसमे भाजपा और तृणमूल दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता अपनी लाभ की खेती करते हैं. सबसे महत्वपूर्ण सवाल तो मनरेगा पर संसदीय समिति ने उठाया है.

> मनरेगा के लिए शुरू में ही उपयुक्त बजट का प्रावधान किया जाना चाहिए जिसका आधार पिछले वर्ष के खर्चे का चलन हो सकता है. गौरतलब है कि प्रतिवर्ष मनरेगा पर आवंटन का लगभग तीस प्रतिशत हिस्सा पिछले वर्ष की देनदारियों में ही चला जाता है.इस रिपोर्ट के अनुसार फण्ड की कमी के साथ जो दूसरा बड़ा कारण मनरेगा को प्रभावित करता है वह है फण्ड जारी करने में देरी.

मीडिया में अन्यत्र

वैश्विक व्यापार और आशावाद

संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) की वैश्विक व्यापार रिपोर्ट का मार्च संस्करण पिछले सप्ताह जारी किया गया. उसमें अनुमान जताया गया कि वर्ष 2023 में जहां वैश्विक व्यापार में एक लाख करोड़ डॉलर की कमी आई , वहीं यह भी कहा गया कि 2024 में यह रुझान बदल जाएगा.अंकटाड ने इस दावे का समर्थन करते हुए कहा कि चालू कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही में वस्तु एवं सेवा व्यापार में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली है. इस वृद्धि के कारकों में वैश्विक मुद्रास्फीति में कमी और वैश्विक वृद्धि की मजबूती शामिल हैं.भारत के लिए यह अच्छी खबर है. घरेलू वृद्धि में व्यापार की हिस्सेदारी बढ़ाने की आवश्यकता है. कई निर्यात आधारित क्षेत्र बाहरी वृद्धि के रुझानों को लेकर खासे संवेदनशील हैं और आने वाले दिनों में बेहतर ऑर्डर बुक देखने को मिल सकती हैं.गोल्डमैन सैक्स के एक हालिया विश्लेषण में कहा गया कि भारत से संचालित सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवा कंपनियों के राजस्व में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 9 से 10 फीसदी की वृद्धि देखने को मिल सकती है. ऐसा दबी हुई मांग और जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस जैसे तकनीकी नवाचारों की बदौलत हो सकता है.वैश्विक व्यापार के समक्ष मौजूदा व्यापक जोखिमों को भी कम करके नहीं आंका जाना चाहिए. अंकटाड कई जोखिमों को चिह्नित करता है, उनमें से कुछ पर भारतीय नीति निर्माताओं को सावधानीपूर्वक नजर रखनी चाहिए. 2024 के दौरान कुछ समय तक नौवहन मार्गों के बाधित बने रहने की आशंका है.यमन में स्थित हूती विद्रोहियों द्वारा पोतों पर हुए हमलों में ज्यादा जानें भले नहीं गईं लेकिन उन्होंने लाल सागर से गुजरने वाले मार्ग का जोखिम और बीमा राशि दोनों में इजाफा कर दिया है जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र से भूमध्यसागर की ओर होने वाले समुद्री व्यापार को प्रभावित कर रहा है. अंकटाड ने जिंस कीमतों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को भी एक संभावित समस्या के रूप में पेश किया.दो वर्ष पहले रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण ने ईंधन बाजार में उथलपुथल मचा दी थी. इसने कई जिंसों की आपूर्ति श्रृंखला के लिए भी दिक्कत पैदा कर दी थी जिसमें कृषि जिंस शामिल थीं. युद्ध कच्चे माल की लागत और व्यापार को प्रभावित कर रहा है और इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है.रूसी तेल पहुंचाने वालों पर नए सिरे से प्रतिबंध लगाए हैं. **(बिजनेस सटैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

शम/शमा/शमी

जिस रोज से देखा है तुझको हम शमा जलाना भूल गये. दिल थाम के बैठे रहते हैं कहीं आना जाना भूल गये. यह गाना आपने जरूर सुना होगा. इसे पड़ोसन फिल्म के लिए किशोर कुमार ने गाया है. सुविधा के लिए आपको इसका मुखड़ा भी बता दूं-मेरे सामने वाली खिड़की में एक चांद का टुकड़ा रहता है. यह गाना जिस दिन पहली बार सुना था, शमा का मतलब अच्छी तरह समझता था, क्योंकि इससे बने कई गाने सुने थे. जैसे शमा रह जाएगा, परवाना जला जाएगा... ये शमा, शमा है ये प्यार का, किसी के इंतजार का...शमा अरबी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है मोम युक्त बत्ती, जो प्रकाश के लिए जलायी जाती है, मोमबत्ती. शमा रखने के पात्र का शमादान कहा जाता है,जिसका मतलब है एक विशेष प्रकार का पात्र या आधार, जिसमें मोमबत्तियों को रख कर जलाया जाता हे, दीवट. यह शब्द अरबी और फारसी दोनों भाषाओं में प्रयोग में आनेवाला संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इससे थोड़े अंतर से बनने वाला शब्द है शमी. इसे अगर कोई शमा की पत्नी या स्त्रीरूप मान ले तो गलत होगा, क्योंकि ऐसा नहीं है. शमी संस्कृत तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है और इसका अर्थ है एक प्रकार का विशेष वृक्ष जिसकी लकड़ी को रगड़ने पर आग निकलती है. एक प्रकार का पवित्र वृक्ष, सफेद कीकर, शिंबा, बागुजी. आपने कई लोगों के मुंह से सुना होगा कि शनि ग्रह के प्रकोप से बचने के लिए घर में शमी का पौधा रखना चाहिए. विशेषण के रूप में शमी का मतलब है आत्मसंयमी, शांत. शम तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है चित्त की एक अवस्था, एक स्थायी भाव, मोक्ष, मुक्ति, निर्वाण, अंतःकरण, इंद्रियों को वश में रखना, छुटकारा, निवृत्ति, काव्य शास्त्र के अनुसार शांत रस का स्थायी भाव, क्षमा, उपचार, हाथ, हस्त. इससे बना शब्द है शमन और अर्थ है तृप्ति, शांति, दमन, दोष को दबाने की क्रिया, बलि, नाश, अनाज.

अब तो कर ले नमस्कार

• तीर-तुक्का

रमेश जोशी

तोताराम आया और बैठने से पहले ही बोला- अब तो कर ले नमस्कार. हमने कहा- अब यही शेष रह गया है कि हम छोटे भाई को आते ही उठकर नमस्कार करें. लेकिन तू कौन-सा रोज आते ही हमारे चरणस्पर्श करता है. हम तो बालसखा हैं. इन सब औपचारिकताओं से मुक्त हैं. बोला- यही तो खराबी है तुझमें. किसी की सुनना नहीं, बस अपनी ही हांके जाना. अरे, नमस्कार मुझे नहीं; चमत्कार को नमस्कार कर. चमत्कार को नमस्कार तो दुनिया सदा से करती आई है. हमने कहा- किस किस को नमस्कार करें. यह देश तो है ही चमचाकारों का.लेकिन हमारे यहां फिर भी कबीर और दयानन्द सरस्वती जैसे सुधारक संत हुए हैं, जिन्होंने ऐसे अंधविश्वासों और मूर्तिपूजा का विरोध किया है. ऐसे प्रगतिशील इतिहास वाले समाज को तू क्यों अंधविश्वासों में धकेलना चाहता है? तोताराम, एक झूठ को स्वीकार कर लेने से फिर और झूठों का ऐसा अंबार खड़ा हो जाता है कि उसके सामने सारे समाज का सामान्य विवेक नष्ट हो जाता है. जब मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठित हो गए हैं, वे मुस्कुरा रहे हैं तो फिर मंजन भी करेंगे, खाना, कलेवा, स्नान, शयन भी करेंगे. बोला- हां, करते क्यों नहीं ? तभी तो पूजा में इस प्रकार सभी विधिविधान हैं. जगन्नाथ भगवान तो साल में एक बार बीमार भी होते हैं. उन 15 दिनों में भगवान 56 भोग नहीं खाते. केवल काढ़ा पीते हैं. हमने कहा- तो फिर इस अवधि में उनके भक्तों को भी केवल काढ़ा पीना चाहिए. बोला- ऐसा कैसे हो सकता है. भक्त तो बेचारे भौतिक जीव हैं. उनके साथ तो सभी सांसारिक सत्कर्म और खटकर्म लगे ही रहते हैं. बोला- अब भी चुनाव प्रभु ही तो लड़ रहे हैं. वही तो चेहरा हैं. मोदी जी तो निमित्त मात्र हैं. उनके भरोसे ही तो मोदी जी 400 पार कह रहे हैं. मैं तो सोचता हूं कहीं 600 पार न हो जाएं. एक तो 24 घंटों जागने वाले, दूसरे विष्णु अवतारी, तीसरे चमत्कारी मोदी जी और चौथे प्रभु-कृपा. कुछ भी मुमकिन है. लेकिन रामलला ने एक छोटी सी लीला क्या दिखा दी तू उसकी आड़ में फेंटेसी पर फेंटेसी पेले जा रहा है. इससे ज्यादा समय तेरे पास बचा भी नहीं है. वैसे मैं अपनी चमत्कार वाली बात पर अब भी कायम हूं. आने दे राम नवमी जब 'सूर्य तिलक' होगा और सारा विश्व रामलला के चमत्कार को नमस्कार करेगा.

लाइफ लाइन

खांस-खांस कर हैं बेहाल!

ये हैं प्रमुख वायरस

प्रमुख वायरसेस जो सर्दी-जुकाम कराते हैं उनके नाम हैं इन्फ्लुएंजा वायरस, राइनो वायरस, एडिनो वायरस, कोरोना वायरस (कोविड-19 स्ट्रेन से अलग) इत्यादि. बहुत से सांस के एलर्जी वाले पेशेंट (एलर्जिक रायनाइटिस या अस्थमा वाले) जो अपनी दवाओं पर स्टेबल रहते हैं, यदि वायरल इन्फेक्शन से गुजरते हैं तो उनकी बीमारी (एलर्जी) उखड़ जाती है और लक्षण तेज हो जाते हैं जिसमें खांसी सबसे प्रमुख है. कोविड-19 के बाद भी ऐसा ही हुआ. रांची का वातावरण एलर्जिक है क्योंकि यहां पराग यानी पॉलेन्स की मात्रा बहुत अधिक है. इसी तरह जिन स्थानों पर एलर्जिक एटमॉस्फीयर है वहां ज्यादा सर्दी खांसी होती है.

आजकल चारों ओर सुनिए तो खांसी से लोग परेशान हैं. एक बार सर्दी ज़ुकाम हुआ नहीं कि खांसी छूटने का नाम ही नहीं लेती. कोविड के बाद यह कुछ ज्यादा ही देखने को मिल रहा है. आइए इसपर प्रकाश डालते हैं.

सर्दी-खांसी या जुकाम-नज़ला जिसे कॉमन कोल्ड भी कहते हैं, आजकल काफ़ी ज्यादा देखने को मिल रहा है. उचित उपचार के अभाव में यह जल्दी ठीक भी नहीं होती. पोस्ट वायरल कफ़ यानी वायरल के बाद तक होने वाली खांसी बहुत लंबी चल सकती है. यहां तक कि 8 हफ़्ते तक रह सकती है. जुकाम का कारण आमतौर पर वायरल इन्फेक्शन होता है. कुछ लोगों में यह एलर्जी के कारण होता है. इसमें अपर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट का सूजन या इन्फेक्शन (यू आर टी आई) होता है. अपर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट नाक से लेकर साइनसेस, तालु, गला, यूस्टेचियन ट्यूब, मिडिल इअर, टॉन्सिल्स एवं कंठ तक होता है. इन सभी या कुछ पार्ट्स के सूजन के कारण लक्षण देखने को मिलते हैं.

डॉ एके श्रीवास्तव
कंसलटेंट फिजीशियन, छाती व गहन रोग विशेषज्ञ

गंभीर हो सकती है खांसी

मग़र यदि आपकी खांसी करीब 2 हफ़्ते से है और छूट नहीं रही तो डॉक्टर से मिलना अनिवार्य है. क्योंकि दो हफ़्ते की खांसी कॉम्प्लिकेशन की ओर इशारा करती है. यानी ब्रोंकाइटिस, निमोनिया इत्यादि भी हो सकता है. याद रखें दो हफ़्ते से ऊपर की खांसी होने पर हमारे जैसे देश में टी बी को भी नकारा नहीं जा सकता. इसलिए इसे बिल्कुल भी अनदेखा न करें. अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य करें तथा उचित जांच कराएं ताकि कारण स्पष्ट हो सके कि आपकी खांसी पोस्ट वायरल कफ़ ही है या फिर कुछ और.

कोविड से संबंध

कोविड-19 के बाद से यू आर टी आई ज्यादा कॉमन हो गया है. इसका कारण कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि जिनको कोविड हो चुका है उनके रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट हाइपरसेन्सिटिव हो गए हैं. ज़रा सा एक्सपोज़र हुआ नहीं कि लक्षण शुरू. कुछ लोगों का मानना है कि कोविड के वैक्सीन लेने के बाद लोगों के रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट हाइपरसेन्सिटिव हो गए हैं. कोविड के बाद लोगों की इम्युनिटी भी कम हुई है. इसलिए भी लोग जल्दी बीमार पड़ रहे हैं. कोविड-19 वायरस भी बार बार म्यूटेशन कर यानी अपना रूप बदल कर सर्वाइव करने की कोशिश कर रहा है. कोविड-19 के म्युटेटेड स्ट्रेन से भी इन्फेक्शन सम्भव है जो कि बीच बीच में वेव बम्प्स देखने को मिलता है. जिनको मॉडरेट या सीवियर कोविड हो चुका है उनके फेफड़े ऐसे ही अभी कमज़ोर (फाइब्रोटिक) हैं. यदि कोई रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन होता है तो खांसी बढ़-चढ़ कर अपना रूप दिखाने लगती है.

इन दिनों एच1एन1 इन्फ्लूएंजा यानी स्वाइन फ्लू भी फैला हुआ है. स्वाइन फ्लू एक खतरनाक वायरल इन्फेक्शन है जो सीवियर निमोनिया करवाता है. इसके लक्षण करीब करीब किसी भी वायरल फीवर या फ्लू जैसे ही हैं. जिसमें तेज बदन दर्द के साथ बुखार आना, सर्दी/खांसी/गले में दर्द या खराश, कमज़ोरी इत्यादि जो अधिकतर लोगों को होती है और वे उभर भी जाते हैं, मग़र कुछ लोगों में यह निमोनिया का रूप ले लेता है. यह निमोनिया बहुत तेजी से प्रोग्रेस करता है और रेस्पिरेटरी फेलियर करवाता है. इसके उपचार में ओसेल्टामिविर और स्टेरॉइड्स की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है.

उपचार

- नज़ले यानी सर्दी वाले लक्षण (जैसे नाक बहना या गले में खिचखिच होना कान में खुजली होना) के लिए आप मोन्टीलुकास्ट-लीवोसेट्रीज़िन का कॉम्बिनेशन एक बार रात में 5-10 दिनों के लिए ले सकते हैं. कोल्ड प्रीपरेशन टेबलेट्स जैसे लेमोलेड/एक्टिफेड/ सूमो कोल्ड/सिनारेस्ट इत्यादि हो सके तो अवॉयड करें.
- बुख़ार, बदन दर्द, सरदर्द इत्यादि के लिए सबसे उचित पेरासिटामोल 500 या 650 एमजी है क्योंकि यह सबसे सेफ़ है. निमोसुलाइड या पेन किलर्स अवॉयड करने चाहिए. हां यदि लक्षण अधिक है या पेरासिटामोल से आराम न मिल रहा हो तो आप मेफ़िनेमिक एसिड वाली कॉम्बिनेशन जैसे मेफ्टल फ़ोर्ट या फ़िर कॉम्बिफ्लेम ले सकते हैं. इन सभी को दिन में 3 बार तक लिया जा सकता है. याद रखें इन्हें कुछ खा कर ही लें, खाली पेट बिल्कुल नहीं.
- एन्टीबायोटिक्स की दरअसल आवश्यकता होती नहीं है क्योंकि अधिकतर सर्दी-खांसी-ज़ुकाम वायरल या एलर्जिक होते हैं. मग़र फ़िर भी जो कमज़ोर हैं जैसे शुगर के मरीज़, बुज़ुर्ग या जो स्टेरॉयड इत्यादि पे हैं उन्हें सेकेंडरी बैक्टीरियल इन्फेक्शन से बचने के लिए एंटीबायोटिक लेना चाहिए. इसके लिए आप अपने चिकित्सक से ही परामर्श करें. खुद से ओवर द काउंटर एंटीबायोटिक बिल्कुल न लें. ओवर द काउंटर एंटीबायोटिक के दुरुपयोग से पहले जो दवाइयां बहुत अच्छा काम करती थीं वी अब विफ़ल होती जा रही हैं जैसे एज़ीथ्रोमायसिन इत्यादि.
- खांसी के लिए कफ़ सिरप ले सकते हैं. किसी किसी कफ़ सिरप से थरथराहट, कम्पन, धड़कन, बेचैनी और घबराहट हो सकती है. इसीलिए सम्भल कर ही कफ़ सिरप लें. ओवर द काउंटर लेना हो तो अम्ब्रोक्सोल, गुणेफेनेसिन, लीवोसलबुटामोल वाली कॉम्बिनेशन प्रेफर करें. टरबुटालिन और फिनाइलएफरीन वाली अवॉयड करें. फिनाइलएफरिन से बीपी वाले मरीज़ में बीपी बढ़ सकता है. ओवर डोज़ न लें 10 एमएल दिन में 3 बार काफ़ी है. बाद की इरिटेटिंग खांसी के लिए आप कफ़ सप्रेसेंट जैसे डेक्सट्रोमेथोर्फ़न या लीवोक्लोपेरस्टिन वाली कफ़ सिरप ले सकते हैं. बेहतर होगा डॉक्टर की सलाह से ही कफ़ सिरप लें.
- अक्सर लोग सबसे बड़ी गलती यह करते हैं कि सपोर्टिव ट्रीटमेंट नहीं लेते जो सबसे महत्वपूर्ण हैं. वायरल इलनेस से लड़ने के लिए तीन चीज़ें बहुत आवश्यक हैं-हाइड्रेशन, न्यूट्रिशन और रेस्ट. यानी आप खूब पानी पीजिए और तरल पदार्थ का सेवन कीजिए. डाइट का ख्याल रखें हालांकि ऐसे में भूख कम लगती है या खाने की इच्छा कम होती है. परंतु बैलेंस्ड हाई कैलोरी-हाई प्रोटीन एवं सुपाच्य भोजन बहुत आवश्यक है. पूरा आराम लें, अनावश्यक काम न करें, काम से छुट्टी ले कर घर पर रहें.
- इनके अलावे दो चीज़ें जरूरी है एक स्टीम लेना और दूसरा गरारा करना. स्टीम या भाप लेने से बहुत राहत मिलती है, कंजेशन दूर होता है, सर बिल्कुल हल्का लगता है. कारवोल प्लस, विक्स या अजवाइन-तुलसी डाल कर दिन में 2-3 बार अच्छे से भाप लें. गर्म पानी में एक चुटकी नमक डाल कर या फिर आयोडिन (बीटाडीन) से दिन में 2-3 बार गॉर्गल करें.
- इनके अलावे कुछ घरेलू नुस्खे अपनाएं. जैसे गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी डाल कर पिएं. गर्म-गर्म सूप बना कर पिएं. कॉफ़ी और अदरक वाली चाय पिएं. तुलसी-कालीमिर्च-अदरक का काढ़ा बना कर पिएं. घी या शहद-गुड़-अदरक का मिश्रण भी फायदा करता है. लवंग चूसें, नीम्बू इत्यादि सिट्रिक फ्रूट का सेवन करें. धूप में बैठें, सरसो तेल में लहसुन पका कर शरीर में मालिश लें. अनुलोम-विलोम योग करें.
- मग़र यदि आपकी खांसी करीब 2 हफ़्ते से है और छूट नहीं रही तो डॉक्टर से मिलना अनिवार्य है क्योंकि दो हफ़्ते की खांसी कॉम्प्लिकेशन की ओर इशारा करती है. यानी ब्रोंकाइटिस, निमोनिया इत्यादि का भी चांस हो सकता है. याद रखें दो हफ़्ते से ऊपर की खांसी होने पर हमारे जैसे देश में टी बी को भी नकारा नहीं जा सकता. इसलिए इसे बिल्कुल भी अनदेखा न करें. अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य करें तथा उचित जांच कराएं ताकि कारण स्पष्ट हो सके कि आपकी खांसी पोस्ट वायरल कफ़ ही है या फिर कुछ और.

डाउन सिंड्रोम

स्पीच थेरेपी और ट्रेनिंग से जिंदगी होगी आसान

डाउन सिंड्रोम एक जेनेटिक स्थिति होती है, जिसमें व्यक्ति के अंदर एक अतिरिक्त क्रोमोजोम पाया जाता है और इस कारण वह कई तरह के शारीरिक-मानसिक विकारों से जूझता है. आमतौर पर एक बच्चा 46 क्रोमोजोम के साथ जन्म लेता है, 23 माता से और 23 पिता से और ये क्रोमोजोम जोड़े में मौजूद होते हैं. डाउन सिंड्रोम की स्थिति में 21वें क्रोमोजोम पर एक अतिरिक्त क्रोमोजोम मौजूद होता है. यह 21वें क्रोमोजोम की एक्स्ट्रा कॉपी होती है. इसलिए इसे ट्राइसॉमी 2 भी कहते हैं. इस तरह बच्चे के पास 47 क्रोमोजोम पाए जाते हैं. क्रोमोजोम की इस विसंगति के कारण पीड़ित बच्चा कई प्रकार की शारीरिक मानसिक चुनौतियों/परेशानियों से जूझता है. बच्चे के शारीरिक विकास में देरी होती है. चेहरे पर आंख, नाक, त्वचा सब असामान्य सी नजर आती है. अस्पष्ट और देर से बोलते हैं. उनका बौद्धिक विकास उम्र के हिसाब से देर से होता है.

डॉ अनिताभ कुमार
एमडी (पीडिएट्रिक्स)

डाउन सिंड्रोम का कारण

इस बारे में अधिक शोध अब तक नहीं हुआ है और मुक्कमल तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता. हालांकि, कुछ शोध के मुताबिक 35 साल से अधिक उम्र में मां बनने पर बच्चे में इस तरह की समस्या की आशंका बढ़ जाती है.

डाउन सिंड्रोम की पहचान

डाउन सिंड्रोम का पता जन्म से पहले मां के ब्लड टेस्ट और एम्नियोसेंटेसिस नाम के टेस्ट से लगाया जा सकता है. कई बार गर्भावस्था में इसकी जांच नहीं होने पर जन्म के बाद डाउन सिंड्रोम के बच्चों के चेहरे के आकार, नाक, आंख आदि से इनकी पहचान हो जाती है. एक अतिरिक्त क्रोमोजोम की उपस्थिति बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास को प्रभावित करती है और यह सामान्य से अलग हो जाते हैं. इस कारण सहज पहचान में आ जाते हैं.

जब बच्चा हो डाउन सिंड्रोम से पीड़ित

- डाउन सिंड्रोम का कोई इलाज नहीं है. लेकिन इनके लिए विशेष शिक्षण व प्रशिक्षण की व्यवस्था है जो इससे पीड़ित लोगों को समझने में और उनके परिवार की मदद करने में सक्षम हैं.
- आमतौर पर बच्चे के इससे पीड़ित होने की जानकारी मिलते है माता-पिता हताश और कई बार अवसाद के शिकार हो जाते हैं. सबसे पहले अपनी इस स्थिति पर काबू पाएं.
- जबतक ये शारीरिक रूप से किसी अंग को प्रभावित न कर रहे हों, ये कोई गंभीर बीमारी नहीं है. इसे आराम से मैनेज किया जा सकता है.
- ऐसे बच्चों के स्कूल अलग भी होते हैं. अगर बच्चा मानसिक रूप से बहुत हद तक सामान्य है, तो उसका सामान्य स्कूल में भी दाखिला दिलाया जा सकता है.
- समय समय पर बच्चे के आंख, कान, हृदय जैसे अंगों का परीक्षण करवाते रहें. अच्छा खानपान रखें,
- किसी उपयुक्त चिकित्सक के संपर्क में रहें और नियमित जांच कराते रहें.
- पीड़ित बच्चे की स्पीच थेरेपी कराएं, जिससे वे सामान्य रूप से बात कर सकें.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

झारखंड के ये उपयोगी वृक्ष शाल (सखुआ), देव सखुआ और राल

झारखंड में किसी जमाने में आय का मुख्य स्रोत शाल (सखुआ) वृक्ष था. शाल वृक्ष को हिंदी में सखुआ या शाल, बंगला में शालगाछ. अंग्रेजी में शालट्री, लैटिन में कहते हैं. झारखंड में कुछ लोग एक वृक्ष को देवसखुआ नाम से पुकारते हैं. मेरे व्यक्तिगत शोध के अनुसार देवसखुआ वृक्ष ही शालभेद (सर्जक) नामक वृक्ष है. शाल वृक्ष और शालभेद (सर्जक) के पत्तों में अंतर रहता है. शाल वृक्ष यानी सखुआ वृक्ष का पत्ता लगभग ओवल जैसा रहता है लेकिन शालभेद (सर्जक) वृक्ष के पत्ते का आकृति बकरी के कान जैसी पतली व लम्बी होती है. इसलिए इसे अजकर्ण नाम से भी जाना जाता है. फल और मंजर (पुष्प) समान होता है पर अजकर्ण अर्थात देवसखुआ अर्थात शालभेद अर्थात सर्जक वृक्ष का मंजर (पुष्प) ज्यादा सुगंध वातावरण में फैलाता है.

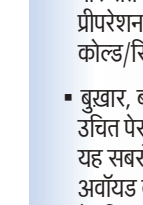

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

चैत्र मास अर्थात मार्च माह में मंजर पुष्प आते हैं और गृष्म काल में फल प्राप्त होता है. इसका वृक्ष विशाल होता है तथा काष्ठ बहुत दृढ़ होता है. इसको इमारती लकड़ी के रूप में जाना जाता है. इसके फल से तेल प्राप्त होता है और आदिवासी गण इसके तेल को पारंपरिक रूप से निकाल कर उपयोग करते हैं.

शाल वृक्ष से प्राप्त गोंद को रॉल कहते हैं. रॉल को वायु को शुद्धि के लिए पवित्र भाव से जलाते हैं. इसका लेप उत्तेजक होता है. विशेष रुप में रॉल का लेप बना कर दर्दनाक दवा बनाया जाता है. दुखदाई स्थिति यह है कि झारखंड में शाल वृक्ष का वन होते हुए भी अब विशालकाय वृक्ष देखने को नहीं मिलता है. वन नंगा हो गया है. शालभेद अर्थात सर्जक अर्थात गजकर्ण वृक्ष विलुप्त हो गया है. इस लेख में जो शालभेद का वृक्ष देख रहे हैं इसके चारों तरफ हजारों एकड़ वन प्रदेश के क्षेत्र होते हुए भी उपेक्षित अवस्था में एकमात्र वृक्ष खड़ा है. यह वृक्ष मैकलुस्कीगंज के पास निंद्रा गांव (लातेहार जिला) में उपेक्षित अवस्था में खड़ा है. झारखंड में संरक्षण, संवर्धन पर कोई काम नहीं हुआ है. भारत सरकार को संरक्षण और संवर्धन पर संवेदनशीलता से ध्यान देने की आवश्यकता है.

शाल

देवसखुआ

(औषधीय पौधा के खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार) सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

चटरपटर खाने के बाद बदहजमी! आजमाएं ये टिप्स..

होली मिलने-मिलाने, खाने-खिलाने का त्यौहार है. पुआ, गुझिया, दही बड़े, धुस्के जैसे व्यंजन तो खूब खाए होंगे. त्योहार के बाद भी कई दिनों तक साथ बैठ कर खाने-खिलाने का दौड़ चलता है. ऐसे में होली के बाद ओवरईटिंग के कारण पेट हो जाए खराब तो इन उपायों से पाएं राहत...

- अधिक खाने या तेल मसालेदार खाने के कारण अगर आपका पेट खराब हो गया है तो आप दही का सेवन करें. दही में मौजूद प्रीबायोटिक पेट में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म कर हेल्दी बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं. दही खाने से पेट को ठंडक भी मिलती है.
- ओवरईटिंग के कारण लूज मोशन हो रहा है तो केले का सेवन करें. इसमें मौजूद पेक्टिन जहां मल को बांधता है, वहीं इसकी पौष्टिकता कमजोरी को दूर करती है.
- होली के समय अगर अपच सा महसूस हो तो एक टाइम सेब के टुकड़े खाएं. इससे पाचन, कब्ज आदि की परेशानी दूर होती है.
- पेट खराब होने या पेट में जलन होने पर नारियल का पानी पी सकते हैं. इससे शरीर में पानी का स्तर मेंटेन रहेगा, आप हाइड्रेट रहेंगे. नारियल पानी पोटैशियम, सोडियम, मैग्निशियम, कैलशियम, फाइबर का एक बेहतरीन स्रोत है, इसलिए कमजोरी भी दूर होगी. पपीते का सेवन कर सकते हैं. पपीते में विटामिन सी होता है, इसके अलावा इसमें पपैन नाम का एंजाइम होता है, जो पाचन को सही करने में मदद करता है.

डायबिटीज के मरीज हैं तो रोजे के समय रखें इन बातों का ध्यान

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट डाइटीशियन

रमजान का पाक महीना चल रहा है. इस महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा रखते हैं. डायबिटीज के मरीजों के लिए रोजा रखना थोड़ा मुश्किल होता है. ब्लड शुगर बढ़ने की आशंका बनी रहती है. ऐसे में कुछ खास बातों का ध्यान रखकर रोजे के दौरान ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन रखा जा सकता है. आइए जाने कि डायबिटीज के मरीजों को रोजे के दौरान किन-किन बातों का ख्याल रखना चाहिए.

- रमजान के दौरान डायबिटीज के मरीज अगर रोजे रख रहे हैं तो शुरुआत से पहले ब्लड शुगर की जांच जरूर करें. ब्लड शुगर के अनुसार ही अपनी डाइट तय करें.
- अगर मरीज का शुगर 70 से कम हो या 300 से अधिक पहुंच जाए तो उसे तुरंत रोजा खोल लेना चाहिए.
- डायबिटीज के मरीजों को इफ्तार और सेहरी के वक्त मीठा जूस या एनर्जी का सेवन करने से बचना चाहिए.
- इफ्तार या सेहरी में हाई कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करें.
- सेहरी में फाइबर से भरपूर चीज खाएं. इससे बॉडी में दिन भर एनर्जी बनी रहेगी. अचानक से शुगर स्पीक भी नहीं होगा.
- सुबह जल्दी उठना, पांच समय नमाज, इफ्तार के दौरान मिलना-मिलाना...इन दिनों इन वजहों से स्लीपिंग पैटर्न बिगड़ जाता है. डायबिटीज के मरीज नींद पूरा लेना बेहद जरूरी है, अन्यथा ब्लड ग्लूकोज लेवल बढ़ जाता है.
- डायबिटीज की कोई नियमित दवा ले रहे हैं तो इसे छोड़े नहीं. सेहरी और इफ्तार के दौरान इसे जरूर लें.
- रमजान के महीने में एक्सरसाइज, योगा आदि नहीं छोड़ें.
- सेहरी और इफ्तार के वक्त खुद को ठीक से हाइड्रेट करें. कम पानी से भी ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है. नींबू पानी, छाछ, नारियल का पानी, खरबूजे, कम चीनी वाले ताजे फलों का रस आदि पर्याप्त मात्रा में लें.
- कई बार इफ्तार के वक्त जरुरत से अधिक खा लेते हैं. इससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईपीएल 2024 : राजस्थान रॉयल्स व दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला आज, ऋषभ पंत पर रहेंगी नजरें

सत्र की पहली जीत दर्ज करने उतरेगी दिल्ली की टीम

भाषा । जयपुर

दिल्ली कैपिटल्स गुरुवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल सत्र की पहली जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगा तो सभी की नजरें कप्तान ऋषभ पंत पर टिकी होंगी. जबकि टीम को बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी. गंभीर कार दुर्घटना के कारण 453 दिन बाहर रहने के बाद पंत पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में उनके नए घरेलू मैदान पर वापसी करते हुए सिर्फ 13 गेंद (18 रन) टिक पाए थे. पंत ने हालांकि विकेट के पीछे प्रभावित किया और जितेश शर्मा को स्टंप भी किया. अपने पहले मैच की शुरुआती घबराहट से उबरने के बाद पंत जल्द ही लय हासिल करने को बेताब होंगे क्योंकि उन्हें ट्रेंट बोल्ट, रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल जैसे अनुभवी गेंदबाजों का सामना करना है. मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने पहले मैच में डेविड वार्नर और मिशेल मार्श से पारी का आगाज कराने का विकल्प चुना था, जिससे कि यह जोड़ी पर्याप्त रन बनाकर मध्य क्रम में पंत के ऊपर से दबाव कम कर दे. ये दोनों हालांकि अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और दबाव पंत पर आ गया. विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल ने हालांकि नाबाद 32 रन की तेजतर्रार पारी खेली, जिससे दिल्ली की टीम एक समय सात विकेट पर 138 रन बनाकर मुश्किल में घिरी होने के बावजूद नौ विकेट पर 174 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही. पोरेल का इस्तेमाल 'इंपेक्ट प्लेयर' के रूप में किया गया था, जिससे दिल्ली के पास एक गेंदबाज कम हो गया। समस्या उस समय और बढ़ गई जब इशांत शर्मा का टखना मुड़ गया. इस तेज गेंदबाज के कुछ मैचों से बाहर रहने की संभावना है.

मैच शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा

टीमें

राजस्थान रॉयल्स
संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, प्रसिद्ध कृष्णा, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुष कोटियान.

दिल्ली कैपिटल्स
ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वार्नर, पृथ्वी साव, यश धुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्तवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा और शाई होप.

कुलदीप व अक्षर की जोड़ी से होगी उम्मीदें

कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की स्पिन जोड़ी से भी टीम को काफी उम्मीद होंगी. पिछले मैच में सवाई मानसिंह स्टेडियम की सूखी पिच पर राजस्थान रॉयल्स की जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी को लखनऊ सुपर जाइंट्स के गेंदबाजों के खिलाफ परेशानी का सामना करना पड़ा था. संजू सैमसन के नाबाद 82 रन की बदौलत हालांकि रॉयल्स की टीम 20 रन से जीत दर्ज करने में सफल रही. लगातार पांचवीं बार रॉयल्स के सत्र के पहले मैच में अर्धशतक जड़कर सैमसन ने आगामी टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में अपना दावा पेश किया है.

मियामी ओपन : भारतीय दिग्गज रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार का प्रदर्शन शानदार

बोपन्ना व एबडेन की जोड़ी सेमीफाइनल में

भाषा । मियामी गार्डन्स

भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जगह पक्की की. बोपन्ना व एबडेन की जोड़ी ने नीदरलैंड के सेम वर्बीक और ऑस्ट्रेलिया के जॉन-पैट्रिक स्मिथ को हराकर साल के तीसरे पुरुष युगल सेमीफाइनल में जगह बनाई. इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाले बोपन्ना और एबडेन ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए 3-6 7-6 10-7 से जीत दर्ज की. दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी 44 साल के बोपन्ना को इस जीत से एटीपी युगल रैंकिंग में शीर्ष 10 में रहने और जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने में मदद मिलेगी. पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने की रैंकिंग पर विचार करने की कट ऑफ तारीख 10 जून है. बोपन्ना और एबडेन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने पहले सेट में काफी सहज गलतियां की लेकिन दूसरे सेट में अहम लम्हों पर अंक जीकर इसे जीता और मुकाबले को टाइब्रेकर में खींचा तथा फिर जीत दर्ज की. सेमीफाइनल में बोपन्ना और एबडेन की भिड़ंत स्पेन के मार्सेल ग्रेनोलर्स और अर्जेन्टीना के होरासियो जेबालोस तथा ब्रिटेन के लॉयड ग्लासपूल और नीदरलैंड के जीन जूलियन रोजर के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगी.

- पहली सेट गंवाने के बाद बोपन्ना-एबडेन ने की वापसी
- 3-6, 7-5, 10-7 से जीती बोपन्ना व एबडेन की जोड़ी

- अलकारेज ने मुसेटी को 6-3, 6-3 से हराया

दानिल मेदवेदेव व कार्लोस अल्कारेज क्वार्टर फाइनल में

गत चैपियन दानिल मेदवेदेव ने अपने करियर का 350वां मुकाबला जीतते हुए डोमीनिक कोफर को सीधे सेट में हराकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार चौथे साल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. मेदवेदेव ने कोफर को मंगलवार को हुए मुकाबले में 7-6, 6-0 से हराया. शीर्ष वरीय कार्लोस अल्कारेज ने भी 23वें वरीय लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ 6-3, 6-3 की आसान जीत के साथ अंतिम आठ में प्रवेश किया. क्वार्टर फाइनल में अल्कारेज की भिड़ंत 11वें वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव से होगी. आठवें वरीय दिमित्रोव ने ह्युबर्ट हुरकाज को 3-6, 6-3, 7-6 से हराया. मेदवेदेव अंतिम आठ के मकाबले में 22वें वरीय निकोलस जैरी के खिलाफ उतरेंगे, जिन्होंने 22वें वरीय कास्पर रूड को सीधे सेट में 7-6, 6-3 से हराया.

- 350वां मैच जीता अपने करियर का मेदवेदेव ने

शमी की भरपाई करना मुश्किल: मोहित

भाषा । चेन्नई

गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहित शर्मा ने गत आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ यहां 63 रन की हार के बाद स्वीकार किया कि मोहम्मद शमी जैसे गेंदबाज की भरपाई करना काफी मुश्किल है. भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज शमी टखने की सर्जरी से उबर रहे हैं और आईपीएल से बाहर हो गए हैं. उनके बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के साथ वापसी करने की उम्मीद है. वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की घरेलू श्रृंखला में भी नहीं खेल पाए थे. शमी जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में भी नहीं खेल पाएंगे. मोहित ने कहा कि किसी भी टीम को शमी जैसे गेंदबाज की कमी खलेगी और आप उनकी भरपाई किसी अन्य खिलाड़ी से नहीं कर सकते. लेकिन चोट पर किसी का नियंत्रण नहीं है और आपको यह देखना होगा कि इसके साथ कैसे आगे बढ़ना है. उन्होंने कहा कि जहां तक गुजरात टाइटंस की बात है, स्पेंसर (जॉनसन) और अजमतुल्लाह (उमरजई) का यह पहला साल है. उन्होंने अब तक काफी क्रिकेट नहीं खेला है इसलिए हमें उनके साथ धैर्य रखना चाहिए और नतीजों पर बहुत अधिक ध्यान नहीं देना चाहिए. सुपरकिंग्स ने छह विकेट पर 206 रन का विशाल स्कोर बनाया जिसमें सलामी बल्लेबाजों रुतुराज गायकवाड़ (46) और रचिन रविंद्र (46) तथा शिवम दुबे (51) की अहम भूमिका रही. टाइटंस के गेंदबाजों ने काफी रन लुटाए जिसमें उमेश यादव ने दो ओवर में 27 रन दिए जबकि अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने चार ओवर में 49 रन खर्च किए.

खास बातें

- मोहित ने कहा - शमी जैसे गेंदबाज की कमी खलेगी
- टखने की सर्जरी के कारण आईपीएल से बाहर हैं शमी

उरुग्वे के क्लब कोलोन एफसी से जुड़े बिजय छेत्री

भाषा । चेन्नई

भारतीय डिफेंडर बिजय छेत्री इस साल के अंत तक उधार पर उरुग्वे के फुटबॉल क्लब कोलोन एफसी से जुड़ गए हैं. उनके इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब चेन्नईयिन एफसी ने बुधवार को यह जानकारी दी. छेत्री इस तरह किसी लेटिन अमेरिकी क्लब से अनुबंध करने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर बने. कोलोन क्लब मोंटेवीडियो में स्थित है. क्लब सेगुंडा डिविजन पेशेवर (दूसरा डिविजन) में खेलता है और अभी ग्रुप बी लीग तालिका में तीसरे स्थान पर चल रहा है. छेत्री ने कहा कि मैं अपने पेशेवर करियर में नई चुनौती का यह अवसर पाकर बहुत रोमांचित महसूस कर रहा हूं. मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगा और अपने खेल को बेहतर बनाऊंगा. कोलोन एफसी के भरोसे पर खरा उतरूंगा और भारतीय ध्वज को ऊंचा रखने के लिए अच्छा प्रदर्शन करूंगा.

कोच इवानिसेविच से अलग हुए जोकोविच

लंदन । टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने 2018 से उनके कोच रहे गोरान इवानिसेविच से अलग होने का फैसला किया है. इवानिसेविच के साथ रहते हुए सर्बिया के खिलाड़ी जोकोविच ने 12 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं. जोकोविच रिकॉर्ड 24 खिताब के साथ पुरुष वर्ग में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी हैं. जोकोविच ने बुधवार को 'इंस्टाग्राम' पर लिखा कि उन्होंने 'कुछ दिन पहले से' इवानिसेविच के साथ काम करना छोड़ दिया था. जोकोविच ने लिखा कि कोर्ट पर हमारे रिश्तों में कई उतार-चढ़ाव रहे लेकिन हमारी दोस्ती हमेशा काफी मजबूत रही.

शुभमन गिल पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

भाषा । चेन्नई

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर यहां चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान टीम की धीमी ओवर गति के लिए बुधवार को 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया. आईपीएल के एक बयान में कहा गया कि आईपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के तहत यह उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था इसलिए गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया. गिल की अगुवाई वाली टीम को टूर्नामेंट के मौजूदा सत्र में पहली हार का सामना करना पड़ा जब मंगलवार को यहां गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने उसे 63 रन से हरा दिया.पहली बार किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी का नेतृत्व कर रहे गिल की अगुआई में टाइटंस ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना पहला मैच छह रन से जीता था.

हार्दिक की और अधिक हूटिंग होगी : तिवारी

भाषा । मुंबई

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी को लगता है कि मुंबई इंडियंस एक अप्रैल को यहां जब अपना पहला घरेलू आईपीएल मैच खेलेगा तो कप्तान हार्दिक पंड्या को और अधिक हूटिंग का सामना करना पड़ सकता है.

तिवारी का हालांकि मानना है कि इस ऑलराउंडर के पास इस तरह की स्थिति से निपटने के लिए जरूरी धैर्य है. सत्र की शुरुआत से पहले मुंबई के कप्तान के रूप में रोहित शर्मा की जगह लेने वाले हार्दिक रविवार को जब अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलने उतरे तो अहमदाबाद में प्रशंसकों ने उनकी हूटिंग की. मुंबई इंडियंस की टीम टाइटंस से छह रन से हार गई और अगले सप्ताह सोमवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपना पहला घरेलू मैच खेलेगी. तिवारी ने पीटीआई वीडियो को दिए साक्षात्कार में कहा कि आपको यह देखना होगा कि यहां मुंबई में उसका स्वागत कैसे किया जाता है. मुझे लगता है कि यहां उसकी थोड़ी अधिक हूटिंग होने वाली है क्योंकि एक प्रशंसक के रूप में, मुंबई या रोहित शर्मा के प्रशंसक के रूप में, किसी ने भी उम्मीद नहीं की थी कि कप्तानी हार्दिक को दी जाएगी.

- गुजरात के खिलाफ मैच में हुई थी हार्दिक की हूटिंग
- तिवारी ने कहा- हार्दिक पांड्या ने गजब का धैर्य दिखाया

बाबर आजम को फिर कप्तानी सौंप सकता है पाकिस्तान

भाषा । लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करने के लिए शान मसूद और शाहीन शाह अफरीदी की क्षमता पर भरोसा नहीं रह गया है और उसे लगता है कि पूर्व कप्तान बाबर आजम एक बार फिर टीम की कप्तानी के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प हैं. पिछले साल भारत में एकदिवसीय विश्व कप के दौरान पाकिस्तान के ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाने के बाद बाबर ने सभी प्रारूपों में टीम की कप्तानी छोड़ दी थी. मसूद को जहां टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया तो वहीं शाहीन को टी-20 टीम का कप्तान बनाया गया. पीसीबी थिंक टैंक के सूत्रों ने कहा कि बोर्ड इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि कोई व्यावहारिक विकल्प उपलब्ध नहीं होने के कारण बाबर फिर से टीम का नेतृत्व करने के लिए सबसे अच्छा विकल्प हैं.

क्रिकेट आईपीएल में पहली बार बल्लेबाजी करते हुए युवा बल्लेबाज ने खेली थी प्रभावी पारी

धौनी ने दी थी स्वाभाविक खेल खेलने की सलाह: रिज्वी

भाषा । चेन्नई

चेन्नई सुपरकिंग्स के बल्लेबाज समीर रिज्वी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने पहले आईपीएल मैच में छोटी लेकिन तेज और प्रभावी पारी खेलने का श्रेय महेंद्र सिंह धौनी को दिया. उन्होंने कहा कि जब मैं बल्लेबाजी के लिए जा रहा था, तो धौनी ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने ही सलाह दी थी. टाइटंस के खिलाफ मंगलवार रात रिज्वी ने छह गेंद में 14 रन बनाए, जिसमें राशिद खान के खिलाफ दो छक्के भी शामिल हैं. रिज्वी ने कहा कि भैया (धोनी) ने मुझे उसी तरह खेलने को कहा जैसे मैं आम तौर पर खेलता हूं. उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी अलग नहीं है. कौशल समान है और यह सिर्फ मानसिकता से जुड़ा है. कभी दबाव मत लो या नर्वस मत हो और स्थिति के अनुसार खेलो. रिज्वी ने उस लम्हे को याद किया जब फ्रेंचाइजी ने आईपीएल सत्र से पहले नीलामी में उन्हें आठ करोड़ 40 लाख रुपये में खरीदा क्योंकि उन्हें लगता कि धोनी से मिलने का उनका सपना अंततः साकार होने वाला है. उन्होंने कहा कि जब मुझे सुपरकिंग्स द्वारा नीलामी के दौरान चुना गया तो मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यह थी कि भैया (धौनी) से मिलने का मेरा सपना पूरा हो जाएगा.

- आठ करोड़ 40 लाख में चेन्नई ने रिज्वी को खरीदा था
- रिज्वी ने गुजरात के खिलाफ छह गेंद में 14 रन बनाए थे

'इंपेक्ट प्लेयर' के कारण धौनी का बल्लेबाजी क्रम खिसका : हसी

चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा कि 'इंपेक्ट प्लेयर' नियम ने चेन्नई के बल्लेबाजी क्रम को लंबा कर दिया है, जिससे महेंद्र सिंह धौनी इस आईपीएल में आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आ रहे हैं. वर्ष 2023 सत्र से शुरू किया गया 'इंपेक्ट प्लेयर' नियम प्रत्येक फ्रेंचाइजी को पांच खिलाड़ियों को नामित करने की अनुमति देता है, जिनमें से एक मैच के दौरान स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में खेल सकता है. मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ सुपरकिंग्स की टीम छह विकेट पर 206 रन का विजयी स्कोर बनाने में सफल रही. हालांकि सात बल्लेबाजों के क्रीज पर उतरने के बावजूद धौनी के बल्लेबाजी के लिए आने का कोई संकेत नहीं मिलने के कारण उनके प्रशंसक थोड़े अधीर हो गए थे. हसी ने कहा कि यह निश्चित रूप से मुख्य कोच (स्टीफन) फ्लेमिंग का निर्देश है कि मुकाबले को आगे बढ़ाते रहें.

कोच स्टिमक को हटाने की मांग

भाषा । कोलकाता

निचली रैंकिंग की अफगानिस्तान के खिलाफ 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में भारत की 2-1 की शर्मनाक हार के बाद पूर्व फुटबॉल खिलाड़ियों ने मुख्य कोच इगोर स्टिमक को हटाने की मांग की है. भारत के करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने अपने 150वें मैच में 94वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागा लेकिन इसके बावजूद घरेलू टीम विश्व रैंकिंग में 158वें स्थान पर काबिज अफगानिस्तान से मंगलवार को गुवाहाटी में हार गयी. भारत के पूर्व डिफेंडर गौरमांगी सिंह का मानना है कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में कुछ गड़बड़ है, जबकि पूर्व फॉरवर्ड दीपेंदु विश्वास ने इस शर्मनाक प्रदर्शन के लिए स्टिमक के टीम चयन की आलोचना की और उन्हें तत्काल बाहर करने की मांग की. अनुभवी सुब्रत भट्टाचार्य ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विदेशी कोचों ने कभी भारतीय टीम को गौरवान्वित नहीं किया. गौरमांगी ने कहा कि याद रखें कि ये वही खिलाड़ी हैं जिन्हें कतर के खिलाफ (विश्व कप क्वालीफायर 2022 में) ऐतिहासिक ड्रॉ के लिए प्रशंसा मिली थी. उन्होंने कहा कि पिछले साल इसी टीम ने सैफ चैंपियनशिप सहित तीन टूर्नामेंटों में जीत के साथ शानदार प्रदर्शन किया था. एक साल तक वे दमदार प्रदर्शन कर रहे थे, उन्हें सभी से तारीफ मिल रही थी. अचानक क्या हुआ? वही टीम है, वही खिलाड़ी हैं तो ऐसा क्या हुआ. अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) में भी चीजें ठीक नहीं है. अध्यक्ष कल्याण चौबे ने नवंबर में महासचिव शाजी प्रभाकरण को पद से हटा दिया.

खास बातें

- अफगानिस्तान से हार के बाद हटाने की मांग उठी
- आफगानिस्तान ने भारत को 2-1 से हराया था

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष सप्तम चंद्र से आय के द्वार खुलेंगे. कार्य के लिए समय अनुकूलता देगा. व्यापार के लिए स्थिति सुखद रहेगी. बहन का सहयोग मिलेगा. रिश्तों में मधुरता आएगी. जीवनसाथी का सहयोग और सांनिध्य मिलेगा.

वृषभ समय अच्छा है, पर मौसमी रोग से बचें. आमोद-प्रमोद का अवसर प्राप्त होगा. भागदौड़ रहेगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी. ऋण लेने से बचना चाहिए. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

मिथुन सर्दी बुखार से स्वास्थ्य पर असर होगा. संतान के कार्य से लाभ होगा. शिक्षा में लाभ होगा.रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. रिश्तों में मधुरता आएगी. भागदौड़ रहेगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी.

कर्क किसी से विवाद हो सकता है, पर धन की स्थिति सुखद रहेगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी. भागदौड़ की स्थिति सुखद रहेगी. कोई नुकसान हो ऐसा कार्य नहीं करें. साथ ही सूर्य को अर्घ्य दें.

सिंह आय का अटका मामला ठीक होगा. किसी प्रकार के आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं. कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा प्रभावित हो. किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा. शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाएं.

कन्या शाम में कोई पार्टी हो सकती है. पर खर्च पर नियंत्रण करें. पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आय होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. शासन सत्ता का सहयोग रहेगा. गणेश जी का ध्यान पूजन करें.

तुला कार्य होने से मानसिक संतुष्टि होगा. समय अनुकूल है. जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी. संबंधों में निकटता आएगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी, लेकिन जीवनसाथी से तनाव मिल सकता है. लक्ष्मी माता को लाल फूल अर्पण करें.

वृश्चिक पैतृक सम्पति से लाभ होगा. आपके व्यवहार से आय और धन वृद्धि होगी. पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी.

धनु पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. किसी अपने से कोई लाभ होगा. साथ ही उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. अपनों के सहयोग से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.

मकर कोई शुभ कार्य होने से मन खुश होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. रिश्तों में मजबूती आएगी.आलस का त्याग करें. कार्य पर ज्यादा ध्यान दें. दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

कुंभ शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे.आपके अपने का विवाह सम्बंधी शुभ और सुखद समाचार मिलेगा. व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शनि चालीसा का पाठ और छाया दान करना चाहिए.

मीन किसी परिचित मित्र से सहयोग होगा. आपके अथक प्रयास से रिश्तों में मधुरता आएगी. राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी. स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें. आपके मेहनत से धन आएगा. घी का दीपक विष्णु भगवान को दिखावें

कुएं से लड़का-लड़की का शव बरामद

मेराल। थाना क्षेत्र के रजबन्धा गांव में बुधवार को एक कुएं से उसी गांव की एक लड़की के साथ एक लड़का का शव पुलिस ने बरामद किया है. मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है. सीडीपीओ नीरज कुमार ने बताया कि बुधवार की सुबह मेराल थाना प्रभारी को रजबन्धा गांव के एक कुएं में एक लाश होने की सूचना मिली. इससे पहले मंगलवार को कुएं के पास ही रोड पर एक अज्ञात मोटरसाइकिल बरामद किया गया था. तैरता हुआ शव को बाहर निकालने पर कुएं में एक और चप्पल मिला, शक होने पर पुनः कुएं की तलाशी ली गई तो पानी के अंदर दूसरा शव बरामद किया गया. हत्या या आत्महत्या के सवाल पर उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम तथा जांच के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा. कुएं में एक साथ एक लड़का और एक लड़की का शव मिलने की सूचना पर एसपी दीपक कुमार पांडेय ने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर जाएजा लिया तथा ग्रामीणों से पूछताछ करने के बाद पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया. इस संबंध में मृतक की बहन चिन्ता देवी पति मुखला विश्वकर्मा ने मेराल थाना में आवेदन देकर कहा है कि मृतका के परिजनों द्वारा मेरे भाई की हत्या की गई है.

शादी करने पहुंचे प्रेमी जोड़े को घरवालों ने पकड़ा

धनबाद। धनबाद के विनोद नगर में एक मंदिर में शादी करने पहुंचे प्रेमी-प्रेमिका को घरवालों ने रंगेहाथ पकड़ा, जिसके बाद जमकर हंगामा हुआ. दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगे, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और प्रेमी जोड़े को थाना ले गई. प्रेमिका का कहना है कि उसने धनसार के रहनेवाले प्रेमी लल्लू सिंह से पिछले साल सितंबर माह में ही कोर्ट मैरिज कर लिया है और दोनों मंदिर में शादी करने जा रहे थे.इसके बाद प्रेमिका परिवार वाले शादी का विरोध करने लगे. माता-पिता का कहना है कि अगर वह लल्लू से शादी करोगी तो दोनों की हत्या कर देंगे. जबकि वह प्रेमी के साथ रहना चाहती है. वहीं दूसरी ओर युवक लल्लू सिंह का भी कहना है कि वह युवती से तीन साल से प्यार करता है और वह उसे अपने साथ रखना चाहता है, लेकिन लड़की के घरवाले विरोध कर रहे हैं. पुलिस का कहना है कि लड़की गर्भवती है. वहीं लड़की के घरवाले का कहना है कि लड़की नाबालिग है.

युवा वोटर

शुभम संदेश और लगातार.इन की पहल : पहली बार वोट कर रहे, क्या सोच रहे हैं युवा वोटर

रोजगार की व्यवस्था हो, महंगाई कम करने की भी जरूरत

लोकसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की गतिविधियां तेज होती जा रही हैं. सभी पार्टियां अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर रही हैं. जिन्हें टिकट मिला है वे खुश हैं, जिन्हें नहीं मिला वे निराश हैं. इसी निराशा में कुछ दल बदल रहे हैं और कुछ निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए ताल ठोंक रहे हैं. चौक-चौराहों, गली-नुक्कड़ पर चाय की चुस्कियों के बीच चुनाव पर चर्चे छिड़े हुए हैं. पूरा माहौल राजनीति का हो गया है. युवा वर्ग राजनीति में खासा दिलचस्पी दिखा रहा है. झारखंड के युवा मतदाता भी देश की तकदीर और तस्वीर बदलने के लिए लोकतंत्र के महापर्व का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. झारखंड के 22,33,738 युवा वोटर पहली बार वोट डालेंगे. राज्य के 14 लोकसभा क्षेत्रों में इन युवा वोटरों के वोट निर्णायक होंगे. युवा वोटरों की चुनाव और देश की राजनीति को लेकर क्या राय है. हमने अपने सहयोगी न्यूज पोर्टल लगातार डाट इन में युवाओं की राय मांगी थी. सैकड़ों युवाओं ने हमें अपनी राय भेजी है. युवाओं की सोच उनके नजरिए को हम दैनिक शुभम संदेश में प्रकाशित कर रहे हैं.

बेरोजगारी की समस्या दूर करना जरूरी : ऋतु राज

अपने झारखंड की स्थिति बहुत खराब है. चारों तरफ बस हत्या, लूट, डकैती, चोरी, दुष्कर्म, गुंडागर्दी हो रही है. सड़क दुर्घटना तो रोज होती है. चिकित्सा सुविधा भी नदारद है. यहां महिलाओं के लिए एक भी स्पेशल महिला अस्पताल नहीं है. घरेलू हिंसा के मामले भी बढ़े हुए हैं. इसकी मुख्य वजह शराब है. छात्रवृति भी एक बहुत बड़ी समस्या है. बेरोजगारी की भी समस्या है. इसे दूर करना होगा. इन सबमें सुधार की जरूरत है.

कानून व्यवस्था में सुधार लाना सबसे जरूरी है : विजय कुमार

आज समाज में जो अप्रिय घटनाएं बढ़ रही हैं, वो हमारे भारतीय समाज के लिए एक चुनौती है. हर तरफ घूसखोरी और भ्रष्टाचार का प्रकोप है. समाज में आपसी सहयोग, प्रेम और भाईचारे को लेकर समस्या पैदा हो गई है. कानून व्यवस्था चरमराई हुई है. कहने को तो बहुत सारी बातें हैं, लेकिन क्या करें इसी समाज में रहते हैं और यहां की हालत देखकर दिल बहुत दुखता है. लोगों का जीवन बहुत दयनीय हो गया है.

युवाओं के रोजगार व महंगाई के मुद्दे पर वोट डालूंगा : ब्रज मोहन दिग्गी

इस बार मैं पहली बार लोकसभा चुनाव में वोट डालूंगा. मैं आज के युवाओं के रोजगार के मुद्दे, सही बदलाव, महंगाई से छुटकारा जैसे मुद्दों पर अपना वोट डालूंगा. आज के समय में संविधान और कानून असुरक्षित है. मैं सुरक्षा को लेकर वोट करूंगा, युवाओं के स्वतंत्र आवाज के लिए वोट करूंगा. सभी वर्गों में समानता, इज्जत, आपसी भाईचारा के लिए वोट डालूंगा.

जो राज्य व देश के लिए काम करे, उसे वोट करेंगे : भरत महतो

मेरा वोट मेरा अधिकार. हम एक स्वतंत्र भारत के स्वतंत्र नागरिक हैं. हमपर वोट देने के लिए कोई दबाव नहीं बना सकता है. हम अपना वोट अपनी इच्छा से देंगे. हमें जो प्रत्याशी सही लगेगा और जो अपने राज्य और अपने देश के लिए काम करे, उन्हें ही वोट देना चाहिए. हमें किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए. चुनाव में कुछ लोग चंद पैसों के लिए अपना ईमान बेच देते हैं, लेकिन मुझे कोई लालच नहीं दे सकता.

स्वास्थ्य व शिक्षा के बेहतर सुविधा होनी चाहिए : रोहित कुमार

देश के सभी सरकारी स्कूल व अस्पताल में निजी स्कूल व अस्पताल से बेहतर सुविधा होनी चाहिए. देश के मंत्रियों के लिए उनकी विशेषता के आधार पर शैक्षणिक योग्यता निर्धारित की जानी चाहिए या फिर पूरे देश में राष्ट्रपति शासन. कृषि, खाद्य पदार्थों, दवाइयों को जीएसटी मुक्त किया जाना चाहिए. न्यूनतम मजदूरी मिलनी चाहिए. स्वास्थ्य और भरण पोषण भत्ता सहित समुचित लाभ मिलना चाहिए.

रोजगार के लिए नीतियां बनती हैं, फेल हो जाती हैं : प्रेम कुमार

झारखंड में राजनीति से ऊपर भ्रष्टाचार है. झारखंड को बचाना है. झुकने न दूंगा जैसे सभी स्लोगन बकवास हैं. युवा पीढ़ी दर-ब-दर भटक रहा है. रोजगार के लिए नियोजन और स्थानीय नीतियां बनती है, लेकिन सब फेल हो जाता है. यहां भ्रष्टाचार चरम पर है. राज्य का निर्माण सिर्फ लूट-खसोट के लिए किया गया है. किसी भी जनप्रतिनिधि की विकास में कोई भागीदारी नहीं है. बस उन्हें वोटबैंक की चिंता रहती है.

युवाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था करनी होगी : राज आलम

एक ऐसा झारखंड राज्जोय बने, जो अमन का प्रदेश हो, जो जाति और धर्म के भेदभाव से परे हो. युवाओं के लिए रोजगार हो. गांव-गांव में अच्छी सुविधाओं से लैस स्कूल-कॉलेज, अस्पताल हो, राज्य में किसी के साथ कोई भेदभाव न हो. हम एक ऐसी सरकार चाहते हैं, जो सभी वर्गों और तबके के साथ न्याय करे. राज्य का विकास करे.

देश निर्माण के मुद्दे पर वोट करना चाहिए : अरिजीत जाना

मेरा वोट विकास के मुद्दों पर ही होगा .पहली बार वोट डालूंगा. ये मेरे लिए बड़ा पल होगा. मुझे अब केंद्र की सरकार चुनने का मौका मिल रहा है. केंद्र सरकार से गांव में विकास के जरूरत है. 18 साल की आयु पूरा करने वाले हर युवा को देश के निर्माण के लिए वोट करना चाहिए.

लोकसभा चुनाव 2024

कुल मतदाता

16,69,806

महिला	पुरुष
8,17,314	8,52,490

ट्रांसजेंडर : 02

चतरा लोस में कोई भी स्थानीय नहीं बन पाया था सांसद

पहली बार स्थानीय नेताओं के बीच टक्कर के आसार

प्रवीण कुमार। रांची

1957 में चतरा लोकसभा क्षेत्र का पहला चुनाव हुआ था. इस लोकसभा से कोई स्थानीय नेता संसद नहीं पहुंच पाया है. चतरा एक जिला के रूप में 1991 में अस्तित्व में आया. इससे पहले यह क्षेत्र हजारीबाग जिले का उपभाग हुआ करता था. चतरा लोकसभा सीट के अंतर्गत चतरा, लातेहर जिले का पूरा हिस्सा और पलामू जिले का कुछ हिस्सा आता है. चतरा लोकसभा में पांच (पांकी, लातेहार, सिमरिया, मनिका और चतरा) विधानसभा सीटें आती हैं. मौजूदा दौर में सिमरिया और पांकी सीट पर भाजपा का कब्जा है, वहीं चतरा पर राजद, मनिका पर कांग्रेस और लातेहार में झामुमो का विधायक है. 2024 लोकसभा चुनाव काफी रोचक हो चुका है. भाजपा ने इस सीट से कालीचरण सिंह को मैदान में उतारा है. जानकारी के अनुसार कालीचरण समर्थकों ने स्थानीय उम्मीदवार की मांग को लेकर कैंपेन चलाया था, जिसका फायदा उन्हें मिला है. भाजपा ने सुनील सिंह का टिकट काट कर कालीचरण सिंह को उम्मीदवार बनाया. वहीं दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में सत्यानंद भोक्ता चुनाव की तैयारी में जुटे हुए हैं. भोक्ता चतरा विधानसभा से विधायक और वर्तमान सरकार में मंत्री भी हैं. भोक्ता ने मंत्री रहते कोरोना काल में प्रवासी मजदूरों के लिए काफी काम किया है. अगर इंडिया गठंबधन से उन्हें टिकट मिलता है, तो माना रहा है कि राज्य में इंडिया गठंबधन के सबसे मजबूत उम्मीदवार भोक्ता होंगे.

1957 में हुआ पहला चुनाव

1957 में चतरा लोकसभा क्षेत्र के लिए पहला चुनाव हुआ. इस सीट से पहली सांसद विजया राजे चुनी गईं. विजया राजे छोटानागपुर संथालपरगना जनता पार्टी की उम्मीदवार थीं. उन्हें कुल 66 % वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस के चपलेंदु भट्टाचार्य को 34 % वोट मिले थे.

1662 में विजया राजे दोबारा बनीं सांसद

1962 में हुए चुनाव में विजया राजे फिर से चुनाव जीतीं. विजया राजे को इस बार 62.53% वोट मिले थे. वहीं कांग्रेस के त्रिभुवन नाथ को 37.47% वोट मिले थे.

1967 में विजया राजे नी जीत की हैट्रिक लगाई

1967 के चुनाव में भी चतरा लोकसभा से स्वतंत्र पार्टी की उम्मीदवार विजया राजे विजयी हुईं थीं. उन्हें इस बार 32.9 % वोट मिले थे. जबकि कांग्रेस के एसपी भवानी को 22 % वोट मिले थे.

1971 में कांग्रेस की हुई जीत

1971 के लोकसभा चुनाव में चतरा लोकसभा सीट से कांग्रेस ने जीत दर्ज की. कांग्रेस के शंकर दयाल सिंह ने इस बार विजया राजे को हरा दिया. शंकर दयाल सिंह को 42.5 % वोट मिले थे, जबकि जनता पार्टी की विजया राजे को 35.8 % वोट मिले थे.

1977 में लोकदल की जीत

1977 में चतरा से भारतीय लोकदल ने जीत दर्ज की. लोकदल के सुखदेव प्रसाद वर्मा को 73.2 % वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस के शंकर दयाल सिंह को 21.7 % वोट मिले थे.

1980 में फिर जीती कांग्रेस

1980 के लोकसभा चुनाव में यहां से फिर कांग्रेस पार्टी ने जीत दर्ज की. कांग्रेस के रंजीत सिंह को 38.2 % वोट मिले थे, जबकि जनता पार्टी के सुखदेव प्रसाद वर्मा को 22.8 % वोट मिले थे.

1984 में भी कांग्रेस जीती

1984 के लोकसभा चुनाव में भी चतरा सीट पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया. कांग्रेस के योगेश्वर प्रसाद योगेश को 55.02 % वोट मिले थे. इस बार इंडियन कांग्रेस से सुखदेव प्रसाद वर्मा ने चुनाव लड़ा था और उन्हें 14.2 % वोट मिले थे. इंदर सिंह नामधारी भाजपा के टिकट पर यहां से चुनाव लड़े थे, उन्हें 14.1 % वोट मिले थे.

1989 में जनता दल ने सीट पर किया कब्जा

1989 के लोकसभा चुनाव में जनता दल के उम्मीदवार उपेंद्र नाथ वर्मा ने 48.6 % वोट के साथ जीत कर सीट पर कब्जा जमाया था, जबकि कांग्रेस के योगेश्वर प्रसाद योगेश को 31.9 % वोट मिले थे.

1991 में भी जनता दल को मिली जीत

1991 के चुनाव में भी यहां से जनता दल ने जीत हासिल की. उनके उम्मीदवार उपेंद्र नाथ वर्मा को 34.7 % वोट मिले. भारतीय जनता पार्टी को 25.3 % वोट मिले थे.

1996 में पहली बार जीती भाजपा

1996 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने चतरा लोकसभा सीट पर पहली बार जीत दर्ज की. भाजपा के धीरेंद्र अग्रवाल को कुल 42 % वोट मिले थे, जबकि जनता दल को 31.5 % वोट मिले थे.

1998 में फिर जीती भाजपा

1998 के लोकसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी ने यहां से जीत दर्ज की. यहां से धीरेंद्र अग्रवाल को 43.9 फीसदी, जबकि राष्ट्रीय जनता दल के नागमणि को 37.4 फीसदी वोट मिले.

1999 में राजद ने चतरा में लहराया परचम

1999 के चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के नागमणि ने चतरा लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की. राष्ट्रीय जनता दल को कुल 51.6 % वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 38.6 % वोट मिले थे.

2004 में भी राजद से धीरेंद्र अग्रवाल ने जीती सीट

2004 के हुए लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के धीरेंद्र अग्रवाल यहां से विजयी हुए. धीरेंद्र अग्रवाल को कुल 27.9 % वोट मिले थे, जबकि जनता दल यूनाइटेड के इंदर सिंह नामधारी को 23.6 % वोट मिले थे. वहीं भाजपा के नागमणि को 22.9 % वोट मिले थे.

2009 में इंदर सिंह नामधारी हुए विजयी

2009 के लोकसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर इंदर सिंह नामधारी यहां से विजयी हुए. इंदर सिंह नामधारी को कुल 22.9 % वोट प्राप्त हुए थे, जबकि धीरज प्रसाद साहू ने कांग्रेस से चुनाव लड़ा था, उन्हें कुल 19.4 % वोट मिले थे.

2014 में भाजपा की हुई जीत

2014 के लोकसभा चुनाव में चतरा लोकसभा सीट पर भाजपा के सुनील सिंह ने जीत दर्ज की. 2014 में भाजपा को कुल 41.5 फ़ीसदी वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को 16.5 % वोट प्राप्त हुए.

2019 में फिर जीते थे सुनील सिंह

2019 के लोकसभा चुनाव में फिर से भाजपा ने इस सीट पर कब्जा जमाया. भाजपा के सुनील सिंह को 57 % वोट मिले थे. वहीं कांग्रेस के मनोज कुमार यादव को 16.02 % वोट मिले थे.

अज्ञात वाहन ने महिला को कुचला, मौत

चांडिल। चांडिल थाना क्षेत्र के मुखिया होटल में टाटा रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर बुधवार की शाम हुई सड़क दुर्घटना में एक महिला की मृत्यु हो गई. मृतक महिला की पहचान पुरुलिया जिला के हेरोडीह की रहने वाली मूसरिया मालाकार के रूप में किया गया है. सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही चांडिल और चौका थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की छानबीन शुरू की. वहीं पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लिया.

पुलिस को चकमा देकर चोर फरार

मझगांव। मझगांव थाना क्षेत्र में चोरी की आतंक पिछलें एक साप्ताह से फैला हुआ है. मंगलवार देर रात ग्रामीणों ने मो. लंबु नाम के युवक को चोरी करते हुए पकड़ा, जिसके बाद ग्रामीणों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया. इसके बाद पुलिस उसे अस्पताल प्रथामिक उपचार के लिए अस्पताल ले गई, इसी दौरान लंबु पुलिस को चकमा देकर भाग निकला. फिलहाल पुलिस लंबु की गिरफ्तारी के लिए जगह-

ताला तोड़कर नकद और गहनों की चोरी

जमशेदपुर । जमशेदपुर के परसुडीह थाना अंतर्गत कीताडीह गाड़ीवान पट्टी निवासी चंदू महाली के घर चोरों ने हाथ साफ कर दिया. चोरों ने चंदू महाली के घर के एक कमरे का दरवाजा तोड़ा और कमरे में प्रवेश कर गए. कमरे में रखे अलमीरा को तोड़ उसमें रखे नकद समेत गहनों की चोरी कर फरार हो गए. बुधवार सुबह चंदू को चोरी की जानकारी हुई. उन्होंने इसकी सूचना भाजपा नेता विमल बैठा को दी. विमल बैठा चंदू के आवास पहुंचे और घटना के बारे में जानकारी ली. इस संबंध में चंदू ने परसुडीह थाना में भी लिखित शिकायत की है. चंदू ने बताया कि वह मंगलवार देर रात खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया था. सुबह उठा तो उसे चोरी की जानकारी हुई. चोरों ने घर के दुसरे कमरे में लगे ताले को तोड़ा और चोरी की. चोर अपने साथ 14,800 नकद समेत लगभग 1.50 लाख के गहने अपने साथ ले गए.

कार्यक्रम

पारसनाथ में किया जाएगा राष्ट्रीय अधिवेशन का समापन

मारवाड़ी महिला सम्मेलन का राष्ट्रीय अधिवेशन कल से

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के सत्र 2022- 24 का समापन सम्मेद शिखर, पारसनाथ में 29 व 30 मार्च को होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन के रूप में होगा. इस अधिवेशन की मुख्य अतिथि बहुआयामी व्यक्तित्व की स्वामी प्रभाजी होंगी. जिन्होंने चित्रकला, मूर्ति कला, साहित्य एवं सेल्फ डिफेंस की तकनीकों के प्रशिक्षण में परचम फहराने के साथ तैराकी में दुबई की अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में गत वर्ष 76 वर्ष की आयु में चार गोल्ड मेडल जीते. अधिवेशन की विशिष्ट अतिथि साहित्यकार व्यंजना आनंद 'मिथ्या' होंगी.

राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बथवाल ने कहा कि इस अधिवेशन में विगत दो वर्षों में किए गए कामों की समीक्षा के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जायेगा. आगामी सत्र की राष्ट्रीय अध्यक्ष ओडिशा की अंजू सरावगी को पदस्थापित किया जायेगा. यह सारा कार्यक्रम पारसनाथ के विशाल "गुणायतन सभागार" में होगा, जिसमें पूरे भारतवर्ष से करीब 800 महिलाएं शामिल होंगी. सभी का स्वागत हल्दीघाटी की मिट्टी का तिलक लगाकर किया जायेगा.

उन्होंने बताया कि किन्नरों द्वारा प्रसाद व आशीर्वाद भी दिये जाएंगे. विभिन्न प्रदेशों की रैली निकलेगी, जिसमें स्लोगन के साथ उस प्रदेश की संस्कृति (गोपी नृत्य रूप में) की भी झलक होगी. शाम को विभिन्न प्रदेशों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम 'वीरांगना थीम' पर प्रस्तुत किया जायेगा. सभी बहनों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था 'सिद्धायतन भवन' में की जा रही है. अगले दिन राष्ट्रीय परिषद की बैठक होगी, जिसमें सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आगंतुक बहनें शामिल होंगी. इस खुले मंच में प्रश्नों के उत्तर दिए जायेंगे एवं संविधान में जरूरी संशोधन पर भी चर्चा होगी. राष्ट्रीय सचिव रूपा अग्रवाल ने बताया कि इस अधिवेशन में 19 राज्यों की प्रदेश अध्यक्ष , पांच अंचल प्रमुख, चार सेवा प्रकल्प प्रमुख, छह विशेष समिति प्रमुख एवं 11 पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आ रही हैं.

उल्लेखनीय कार्य

- सीमा पर सैनिकों को राखियां भेजीं- 6,07790,
- नवजात शिशु कन्याओं की माताओं का अभिनंदन- 20,054,
- वैवाहिक संबंध तय हुए- 900,
- विवाह कराए गए- 998,
- मृत्योपरांत देहदान 24,
- मृत्योपरांत नेत्रदान 294,
- रक्तदान 9635 यूनिट,
- त्वचा दान 2, अंगदान 6,
- किन्नरों का सम्मान 2898,
- स्वरचित पुस्तकों का प्रकाशन- 20,

हथियार व गोली के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा पुलिस ने सदर थाना क्षेत्र के हूर गांव से भारी मात्रा में हथियार और गोली के साथ तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अभियुक्तों में हूर गांव निवासी शुभम पासवान, राकेश चौधरी, नवादा गांव निवासी पप्पू चौधरी का नाम शामिल है. गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से चार देसी कट्टा, तीन सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, 315 एम एम एक्शन राइफल साथ जिंदा गोली सहित दो खोखा बरामद किया गया है. इसकी जानकारी एसपी दीपक कुमार पांडेय ने गढ़वा थाना में प्रेस वार्ता आयोजित कर दी. एसपी श्री पांडेय ने बताया कि सोमवार की सुबह गुप्त सूचना मिली कि हूर गांव निवासी शुभम पासवान के पास हथियार छुपा कर रखा हुआ है. जिसका उपयोग आगामी लोकसभा चुनाव में लोगों को डराने धमकाने के लिए किया जाने वाला है. सूचना के आधार पर गढ़वा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शुभम पासवान के बिस्तर के नीचे से एक बोरे में छुपा कर रखा गया चार देसी पिस्टल, तीन सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, दो मैगजीन तथा सात जिंदा गोली सहित दो खोखा बरामद किया. पूछताछ के दौरान शुभम ने बताया कि यह सभी हथियार उनके मालिक सत्येंद्र चौबे का है. अन्य एक राइफल मेरे दोस्त राकेश चौधरी के घर में छुपा कर रखा गया है. गठित टीम ने छापेमारी कर राकेश चौधरी के घर से राइफल बरामद किया. उक्त दोनों ने बताया कि यह हथियार पप्पू चौधरी से सत्येंद्र चौबे के द्वारा खरीदा गया है.

जैसे ही पप्पू चौधरी की गिरफ्तारी पिछले दिन हुई थी. इसके बाद सत्येंद्र चौबे उक्त सभी हथियार को डर से हमारे यहां छुपा दिया था. उसने बताया कि 315 एम एम राइफल से सत्येंद्र चौधरी के द्वारा अपने शादी में फायरिंग किया गया था.

पुडुचेरी। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार वी. वैथिलिंगम ने बुधवार को पुडुचेरी में जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल करते हुए, साथ में कई कांग्रेसी नेतागण.

पश्चिम त्रिपुरा। भाजपा उम्मीदवार बिप्लब कुमार देब ने आगामी लोस चुनाव के लिए त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर के सामने नामांकन पत्र दाखिल किया.

नागपुर । भाजपा उम्मीदवार नितिन गडकरी ने बुधवार को नागपुर में सीएम एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया.

बीकानेर । कांग्रेस उम्मीदवार गोविंद राम मेघवाल (बीच में) बुधवार को बीकानेर में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद विजय चिन्ह दिखाते हुए.

ब्रीफ खबरें

मिजोरम में 43.4 लाख रुपये की हेरोइन जब्त

आइजोल। मिजोरम के चंफाई जिले में 43.4 लाख कीमत की हेरोइन जब्त की गई है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. असम राइफल्स ने एक बयान में यह जानकारी दी. गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए असम राइफल्स तथा मिजोरम आबकारी एवं स्वापक नियंत्रण विभाग की एक संयुक्त टीम ने सोमवार को भारत-म्यांमा सीमा के नजदीक जोटे गांव में छापेमारी की और 62 ग्राम हेरोइन जब्त की. बयान में कहा गया कि इस सिलसिले में एक को गिरफ्तार किया गया है.

60 स्थानों पर लोकायुक्त ने की छापेमारी

बेंगलुरु । भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी लोकायुक्त ने बुधवार को कर्नाटक में राज्य सरकार के 13 अधिकारियों से जुड़े 60 स्थानों पर छापेमारी की. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी. बेंगलुरु, बिदर, रामनगर, उत्तर कन्नड, उडुपी, कोडागु, मैसूर और विजयपुरा जिलों में छापेमारी जारी है. छापेमारी की कार्रवाई में लोकायुक्त के करीब 130 अधिकारी शामिल हैं जिनमें 13 पुलिस अधीक्षक (एसपी), 12 पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) और 25 पुलिस निरीक्षक हैं.

घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने की छापेमारी

चंडीगढ़ । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अमरूद बागानों के मुआवजे से संबंधित कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में बुधवार को पंजाब में कई स्थानों पर तलाशी ली. ईडी ने पंजाब सतर्कता ब्यूरो की उस प्राथमिकी पर संज्ञान लेने के बाद मामला दर्ज किया था जिसमें ग्रेटर मोहाली क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित भूमि पर अमरूद बागानों के मुआवजे के रूप में जारी किए गए लगभग 137 करोड़ रुपये के गबन का आरोप लगाया गया है.

गो तस्करी के आरोप में चार लोगों को पीटा

जयपुर । राजस्थान के अलवर जिले में गो तस्करी के आरोप में चार लोगों की कथित तौर पर पिटाई करने का मामला सामने आया है. पुलिस के अनुसार घटना अलवर के खुशखेड़ा थाना इलाके में बुधवार सुबह करीब तीन बजे हुई और चारों लोग हरियाणा के रहने वाले हैं. खुशखेड़ा थानाधिकारी वीरेंद्र यादव ने कहा कि गश्ती अधिकारी को सूचना मिली कि कुछ स्थानीय लोगों ने एक पिकअप वाहन पकड़ा है जिसमें गायों की तस्करी की जा रही है.

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने नागपुर लोस सीट से किया नामांकन दाखिल, कहा-

राजग सत्ता बरकरार रखेगा

एजेंसी । नागपुर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को महाराष्ट्र के नागपुर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया और विश्वास जताया कि राजग सरकार केंद्र में सत्ता में बनी रहेगी. नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले गडकरी ने शहर में एक रोड शो निकाला. इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता प्रफुल्ल पटेल मौजूद रहे. पर्चा दाखिल करने से पहले एक सभा को संबोधित करते हुए, गडकरी ने कहा, लोगों के आशीर्वाद से, राजग सरकार पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्ता बरकरार रखेगी. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री फडणवीस और अजित पवार के नेतृत्व में महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर विकास होगा. उन्होंने कहा, हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को 'विश्व गुरु' बनाना है और इसे एक खुशहाल एवं समृद्ध राष्ट्र में बदलना है.

पीलीभीत निर्वाचन क्षेत्र

भाजपा उम्मीदवार जितिन प्रसाद ने भरा पर्चा

पीलीभीत (उप्र) । उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद ने पीलीभीत से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में बुधवार को नामांकन दाखिल किया. पार्टी ने प्रसाद को मौजूदा सांसद वरुण गांधी की जगह पर प्रत्याशी बनाया है. पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी को भाजपा ने टिकट नहीं दिया है, वह बुधवार को पीलीभीत में नहीं थे, और तमाम अटकलों के बावजूद उन्होंने अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया. प्रसाद के वकील सरोज कुमार बाजपेयी ने बताया, प्रसाद ने जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष हिंदी भाषा में चार सेटों में नामांकन पत्र जमा किया है. उन्होंने अपनी कुल चल और अचल संपत्ति 15 करोड़ रुपये दिखाई है.

कांग्रेस उम्मीदवार वैथिलिंगम ने नामांकन पत्र दाखिल किया

पुडुचेरी । पुडुचेरी से मौजूदा सांसद और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष वी. वैथिलिंगम ने बुधवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए पुडुचेरी निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. वैथिलिंगम केंद्र शासित प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं. उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी ए कुलोथुंगन को अपना नामांकन पत्र सौंपा. बुधवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन था. उनके साथ पुडुचेरी के कांग्रेस विधायक एम. वैथियानाथन और इंडिया के घटक दलों के नेता भी मौजूद थे. पुडुचेरी के वर्तमान गृहमंत्री ए. नमस्सिवायम से 74 वर्षीय वैथिलिंगम का मुकाबला होगा. नमस्सिवायम ने सोमवार को पुडुचेरी से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था. अन्नाद्रमुक के उम्मीदवार जी. तमिजवेंधन और एनटीके की उम्मीदवार आर. मेनका ने भी उसी दिन अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था. पुडुचेरी में एक लोकसभा सीट है. राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, पुडुचेरी की इस एकमात्र लोकसभा सीट पर दोनों राष्ट्रीय दलों भाजपा और कांग्रेस में सीधा मुकाबला है.

द्रमुक के दयानिधि मारन और तमिलनाडु भाजपा प्रमुख ने नामांकन पत्र दाखिल किए

चेन्नई । तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसद तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री दयानिधि मारन और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने राज्य में 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए बुधवार को अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए. मारन ने चेन्नई मध्य सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. वह इसी सीट से सांसद है. वहीं, अन्नामलाई कोयंबटूर से चुनाव लड़ रहे हैं. उनके साथ भाजपा की महिला मोर्चा प्रमुख और विधायक वनथी श्रीनिवासन समेत अन्य लोग मौजूद थे. मारन ने अपने हलफनामे में घोषित किया है कि उनके पास 7.81 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियां हैं जिनमें बैंक जमा और निजी कंपनियों के शेयर शामिल हैं. उन्होंने कहा कि विरासत में मिली अचल संपत्ति का मूल्य 59,000 रुपये है. उन्होंने कहा कि उन पर और उनकी पत्नी दोनों पर सरकारी बैंकों का कोई बकाया नहीं है और उन पर कोई देनदारी भी नहीं है. उनके खिलाफ लंबित मामलों में कथित तौर पर पात्रता से अधिक टेलीफोन सुविधाओं का उपयोग करने और बीएसएनएल तथा एमटीएनएल को 1.79 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में सीबीआई द्वारा दर्ज एक मुकदमा शामिल है. मारन ने कहा कि उन्हें किसी भी आपराधिक मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है.

राकांपा में शामिल हुए शिवाजीराव अधलराव

पुणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने शिवसेना छोड़ कर राकांपा में शामिल हुए शिवाजीराव अधलराव पाटिल को शिरूर लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है. पाटिल त्रिपक्षीय महायुति गठबंधन के उम्मीदवार होंगे. इस चुनाव में पवार ने रायगढ़ लोकसभा सीट से मौजूदा राकांपा सांसद सुनील तटकरे को फिर से पार्टी का उम्मीदवार बनाने का ऐलान भी किया. पुणे जिले की अंबेगांव तहसील के मंचर गांव में हुई पार्टी की बैठक में शिवाजीराव अधलराव पाटिल अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में शामिल हुए थे. मंचर गांव शिरूर लोस निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है. पवार ने कहा, मैं राकांपा में अधलराव पाटिल और अन्य नेताओं का स्वागत करता हूं. मुझे विश्वास है कि चुनाव के दौरान महायुति उम्मीदवारों को जिताने का काम करेंगे.

शिवसेना (यूबीटी)

16 प्रत्याशियों की सूची जारी

एजेंसी। मुंबई

उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बुधवार को 16 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री अनंत गीते को रायगढ़ और अरविंद सावंत को दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट से प्रत्याशी घोषित किया गया है. पार्टी ने सभी पांचों निवर्तमान सांसदों को फिर से मैदान में उतारा है जो 2022 में संगठन के विभाजन के बाद पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ थे. इन सांसदों में अरविंद सावंत, राजन विचारे, विनायक राउत, ओमराजे निंबालकर और संजय जाधव हैं. महाराष्ट्र में सत्ता-साझेदारी समझौते को लेकर अविभाजित शिवसेना के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से अलग होने के बाद सावंत ने केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था. विचारे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृह क्षेत्र ठाणे का प्रतिनिधित्व करते हैं. शिवसेना (यूबीटी) ने छत्रपति संभाजीनगर से पार्टी के दिग्गज नेता चंद्रकांत खैरे को मैदान में उतारा है. खैरे 2019 में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के उम्मीदवार इम्तियाज जलील से हार गए थे. पार्टी ने मुंबई उत्तर-पूर्व से निवर्तमान सांसद संजय पाटिल को प्रत्याशी घोषित किया है. पाटिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विधायक भी रह चुके हैं लेकिन वह बाद में शिवसेना में शामिल हो गए थे.

हुक्का बार में छापेमारी

'बिग बॉस' विजेता मुन्नवर समेत 14 लोग किए गए गिरफ्तार

एजेंसी। मुंबई

दक्षिण मुंबई में पुलिस की छापेमारी के दौरान हुक्का पीते हुए पाए जाने के बाद स्टैंड-अप कॉमेडियन और 'बिग बॉस - 17' के विजेता मुनव्वर फारुकी सहित 14 लोगों को हिरासत में लिया गया. एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस की समाज सेवा शाखा ने बोरा बाजार इलाके में स्थित एक हुक्का बार में मंगलवार रात करीब 10.30 बजे छापेमारी शुरू की जो बुधवार सुबह पांच बजे तक जारी रही.

उन्होंने बताया कि हुक्का बार में छापेमारी के दौरान स्टैंड-अप कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी और अन्य लोग वहां हुक्का पीते हुए पाए गए. हमारे पास उनके इस कृत्य का एक वीडियो भी है. जिसके बाद हमने फारुकी सहित अन्य लोगों को हिरासत में ले लिया, लेकिन बाद में उन्हें जाने दिया गया क्योंकि उनके खिलाफ लगाई गई धाराएं जमानती हैं. उन्होंने कहा कि पुलिस को सूचना मिली थी कि हुक्का बार में कुछ लोग हर्बल हुक्के की आड़ में तंबाकू वाले हुक्के पी रहे थे. अधिकारी ने कहा कि फारुकी और अन्य पर भारतीय दंड संहिता की धारा 283 और 336 के साथ सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया.

जम्मू कश्मीर के पुंछ में विस्फोट

पूछताछ के लिए दो संदिग्ध हिरासत में

पुंछ/जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में एक अस्पताल के पास हुए विस्फोट के सिलसिले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. मंगलवार देर रात पुंछ शहर में जिला अस्पताल के समीप एक धार्मिक स्थल से सटी गली में हाथ से बनी देसी विस्फोटक सामग्री से विस्फोट किया गया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई. पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, हमें पुंछ अस्पताल के पास एक इलाके से कम तीव्रता के विस्फोट जैसी आवाज की सूचना मिली है. विस्फोट की सही-सही प्रकृति का पता लगाने के लिए मामले की आवश्यक जांच शुरू कर दी गई है. अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ के लिए दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है.

महिला को निर्वस्त्र करने के मामले में चार गिरफ्तार

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में होली के त्योहार पर 30 वर्षीय महिला को मामूली विवाद में दिनदहाड़े निर्वस्त्र करके पीटने और आम रास्ते पर घुमाने के आरोप में चार महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुनील मेहता ने बताया कि गौतमपुरा थाना क्षेत्र के बछोड़ा गांव में सोमवार को होली के त्योहार पर चार महिलाओं ने एक महिला को उसके घर से जबरन बाहर निकालकर पीटा और सरेआम निर्वस्त्र करके अपमानित किया. उन्होंने बताया कि चारों आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया है. मेहता ने बताया कि उन्होंने बुधवार को गांव का दौरा किया. उन्होंने बताया कि गांव में हालात शांतिपूर्ण हैं, लेकिन अपने साथ अपमानजनक कृत्य से क्षुब्ध होकर पीड़ित महिला अपने मायके चली गई है.

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी का मामला

भारत ने अमेरिकी राजनयिक के सामने कड़ा विरोध जताया

एजेंसी। नयी दिल्ली

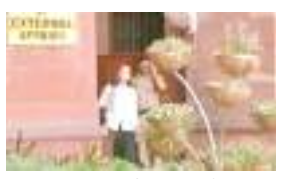

भारत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी की टिप्पणी को लेकर बुधवार को अमेरिका की एक वरिष्ठ राजनयिक को तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया. भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने अमेरिकी मिशन की कार्यवाहक उप प्रमुख ग्लोरिया बर्बेना को साउथ ब्लॉक स्थित कार्यालय में तलब किया था. बैठक 30 मिनट से ज्यादा चली. अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा था कि वाशिंगटन मुख्यमंत्री केजरीवाल के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रिया के लिए प्रोत्साहित करता है. भारतीय विदेश मंत्रालय ने बाद में एक बायन में कहा, हम भारत में कुछ कानूनी कार्यवाही के बारे में अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हैं. बयान में कहा गया है, कूटनीति में, राष्ट्रों से दूसरों की संप्रभुता और आंतरिक मामलों का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है. मित्र लोकतंत्रों के मामले में यह जिम्मेदारी और भी अधिक है.

पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र : पप्पू यादव को लगा तगड़ा झटका

राजद ने बीमा भारती को बनाया उम्मीदवार

संवाददाता । पटना

पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से राजद उम्मीदवार बीमा भारती ने कहा कि वह राजद के टिकट पर पूर्णिया से चुनाव लड़ेंगी. पार्टी ने उन्हें सिंबल दे दिया है. तीन अप्रैल को वह नामांकन करेंगी. बुधवार को पूर्णिया के राजद कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करके उन्होंने खुले मंच से इस बात की घोषणा कर दी कि वह पूर्णिया से चुनाव लड़ने जा रही हैं.

राजद सुप्रीमो लालू यादव, राबड़ी देवी ने उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया और उन्हें पूर्णिया से महागठबंधन का लोकसभा प्रत्याशी बनाया है. पूर्णिया की जनता भगवान है. बीमा ने लालू से सिंबल लेते हुए तस्वीर भी शेयर की. पप्पू के पूर्णिया से चुनाव लड़ने के सवाल पर भारती ने कहा कि पप्पू यादव का मैं काफी सम्मान करती हूं. वह मेरे अभिभावक हैं. उनसे मैं अपील करती हूं कि मेरा साथ देकर मुझे चुनाव जीताने का काम करें.

दुनिया छोड़ देंगे, पूर्णिया नहीं छोड़ेंगे : पप्पू यादव

जन अधिकारी पार्टी का विलय करवा कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व सांसद पप्पू यादव पिछले चार महीने से पूर्णिया में चुनाव लड़ने के लिए मेहनत कर रहे हैं. जब अपनी पार्टी का उन्होंने कांग्रेस में विलय करवाया था तब उनके समर्थक पूर्णिया से चुनाव लड़ने का दावा कर रहे थे. इतना ही नहीं बीमा भारती जब राजद में शामिल हुईं और उनके पूर्णिया से चुनाव लड़ने की चर्चा हो रही थी तब उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा था. यह पोस्ट उस वक्त खूब वायरल हुआ था. पप्पू यादव ने लिखा कि मर जाएंगे कांग्रेस नहीं छोड़ेंगे. दुनिया छोड़ देंगे, पूर्णिया नहीं छोड़ेंगे.

कॅरियर-काउंसिलिंग

बेसिक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट कोर्स कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश प्रसाद। रांची

बेसिक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट कोर्स एक टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम है, जो व्यक्तियों को प्राइमरी स्कूल टीचर बनने के लिए तैयार करता है. इसे डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीईएलईईडी) कोर्स के रूप में भी जाना जाता है. यह प्रोग्राम आम तौर पर उन व्यक्तियों द्वारा किया जाता है, जो प्राइमरी स्कूल लेवल यानी कक्षा एक से आठवीं में पढ़ाने की इच्छा रखते हैं. हीटीसी/डीईएलईईडी कोर्स शैक्षिक सिद्धांतों, टीचिंग पोस्ट्स, चाइल्ड साइकोलॉजी और प्रैक्टिकल लर्निंग अनुभव पर केंद्रित है.

बीटीसी कोर्स

- **टीचिंग कॅरियर:** हीटीसी कोर्स विशेष रूप से प्राइमरी स्कूल लेवल कक्षा एक से आठवीं में टीचिंग में करियर के लिए व्यक्तियों को तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है. यदि आपको शिक्षा और छोटे बच्चों के साथ काम करने का शौक है, तो यह कोर्स आपको एक प्रभावी शिक्षक बनने के लिए आवश्यक स्किल्स और नॉलेज प्रदान कर सकता है.
- **व्यावसायिक योग्यता:** कई भारतीय राज्यों में, प्राइमरी स्कूल लेवल पर पढ़ाने के इच्छुक लोगों के लिए हीटीसी या प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.एल.एड) योग्यता एक अनिवार्य आवश्यकता है। कोर्स पूरा करना सरकारी और प्राइवेट प्राइमरी स्कूल्स में टीचिंग पोस्ट्स प्राप्त करने के लिए आवश्यक योग्यता को पूरा करता है।
- **स्पेसफ़िक ट्रेनिंग:** हीटीसी कोर्स एजुकेशनल प्रिंसिपल्स, पेडागॉजी, चाइल्ड साइकोलॉजी, करिकुलम डेवलपमेंट और क्लासरूम मैनेजमेंट में स्पेशल ट्रेनिंग प्रदान करता है. यह ट्रेनिंग आपको युवा छात्रों के लिए आकर्षक और प्रभावी शिक्षण अनुभव बनाने के स्किल्स से सुसज्जित करता है.
- **नौकरी के अवसर:** देश की बड़ी आबादी के कारण भारत में योग्य प्राइमरी स्कूल्स के टीचर्स की मांग लगातार बनी हुई है. हीटीसी कोर्स पूरा करने से आपकी रोजगार क्षमता बढ़ती है और स्कूलों में टीचिंग पोस्ट्स हासिल करने की संभावना बढ़ जाती है.
- **व्यक्तिगत पूर्ति:** कई व्यक्ति टीचिंग को एक संतुष्टिदायक और पुरस्कृत प्रोफेशनल मानते हैं. ज्ञान प्रदान करके और युवा दिमागों के बौद्धिक और व्यक्तिगत विकास का पोषण करके, आप समाज में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं.
- **प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस:** हीटीसी कोर्स में प्रैक्टिकल टीचिंग अनुभव शामिल हैं, जो आपको वास्तविक क्लास सेटिंग्स में प्रिंसिपल कॉन्सेप्ट्स को लागू करने की अनुमति देते हैं. यह प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस आपके टीचिंग स्किल्स को बढ़ाता है और आपको उन चुनौतियों का समाधान करने के लिए तैयार करता है जिनका सामना आमतौर पर शिक्षक करते हैं.
- **कॅरियर ग्रोथ :** हीटीसी प्रोग्राम पूरा करना शिक्षा क्षेत्र में करियर में आगे उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है. आप शिक्षा, एजुकेशनल लीडरशिप, या टीचिंग के विशेष क्षेत्रों में हायर एजुकेशन की डिग्री हासिल कर सकते हैं.

हीटीसी कोर्स करने के लिए टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज की लिस्ट

- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी
- जामिया हमदर्द, नई दिल्ली
- महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल
- राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू), नई दिल्ली
- अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू), अलीगढ
- कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता
- उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई

भारतीय यूनिवर्सिटी के लिए आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें

हीटीसी कोर्स करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की लिस्ट

- सभी आधिकारिक शैक्षणिक ट्रांसक्रिप्टस और ग्रेड कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटो
- पासपोर्ट फोटोकॉपी
- वीजा
- अपडेट किया गया रिज्यूम
- इंग्लिश प्रोफिशिएंसी टेस्ट स्कोर
- लेटर आफ रिकमेंडेशन या एलओआर
- स्टेटमेंट ऑफ पर्पस एसओपी
- पोर्टफोलियो

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)